नई दिल्ली। गुरुवार, 24 सितम्बर, 2026
भाद्रपद कृष्ण पक्ष द्वादशी सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 12, अंक : 259/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12

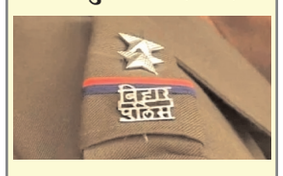


दैनिक
विश्व केसरी
नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari
सिर्फ पत्रकारिता...

@ खेल भारतीय महिला हॉकी टीम का दमदार प्रदर्शन...
@ विचार अगर अमेरिका ने सौ प्रतिशत का टैरिफ थोपा तो !...
@ व्यापार सेंसेक्स में 299 अंको की उछाल...

खबर झरोखा

बिहार पुलिस दारोगा भर्ती की मुख्य परीक्षा रद्द



पटना। बिहार पुलिस अवर सेवा आयोग (बीपीएसएससी) ने विज्ञापन संख्या-05/2025 के तहत आयोजित की जाने वाली पुलिस अवर निरीक्षक भर्ती की मुख्य लिखित परीक्षा को रद्द कर दिया है। आयोग ने बुधवार को जारी आधिकारिक सूचना में कहा कि 27 मई 2026 को दो पालियों में आयोजित मुख्य लिखित परीक्षा को अपरिहार्य कारणों से रद्द किया जाता है। परीक्षा की नई तारीख के संबंध में अलग से सूचना जारी की जाएगी।

बाबा रामदेव और बृजभूषण शरण सिंह के बीच खत्म हुआ विवाद

नई दिल्ली। योग गुरु स्वामी रामदेव और पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह के बीच पिछले दिनों



पैदा हुआ विवाद अब समाप्त हो गया है। बुधवार को नई दिल्ली में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दोनों नेताओं ने मुलाकात की और एक-दूसरे का आभार जताते हुए कहा कि बातचीत के बाद सारी गलतफहमियां दूर हो गई हैं और अब कोई विवाद नहीं बचा है। स्वामी रामदेव ने कहा कि बृजभूषण शरण सिंह को कुछ गलतफहमी हो गई थी।

'हम आतंकवाद के शिकार': यूएन में गरजे पेजेशकियान, ट्रंप पर साधा निशाना

एजेंसी ■ न्यूयॉर्क

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने संबोधन के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर निशाना साधा। मसूद पेजेशकियान ने ट्रंप पर पलटवार करते हुए ईरान को आतंकवादी देश कहे जाने वाला बयान खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि ईरान खुद आतंकवाद का शिकार रहा है। इसी के साथ उन्होंने अमेरिका और इस्राइल पर ईरानी क्षेत्र में हमले करने का आरोप लगाया।

पेजेशकियान ने कहा, 'कल अमेरिकी राष्ट्रपति ने हमें आतंकवादी बताया। हम आतंकवाद के शिकार रहे हैं।' पेजेशकियान ने अपने संबोधन के दौरान मिनाब स्कूल हमले के पीड़ितों की तस्वीरें भी दिखाईं। उन्होंने इन तस्वीरों के जरिए संघर्ष में मारे गए निर्दोष नागरिकों का मुद्दा उठाया। ईरानी राष्ट्रपति ने ईरानी नागरिकों पर हुए हमलों का जिक्र करते हुए कब्रों और बच्चों समेत अन्य पीड़ितों की

संयुक्त राष्ट्र महासभा

कब्रों की तस्वीर दिखाकर क्या बोले पेजेशकियान?



तस्वीरें दिखाईं।

ईरानी राष्ट्रपति ने अपना पक्ष रखते हुए ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई की हत्या के साथ ईरानी नागरिकों और संस्थानों पर हुए हमलों का भी जिक्र किया। पेजेशकियान ने कहा, 'मैं ऐसे ईरान से आता हूं, जहां हमारे सम्मानित सर्वोच्च नेता की बिना किसी कानूनी प्रक्रिया या कारण के हत्या कर दी गई।'

उन्होंने कहा, 'मैं ऐसे ईरान से आता हूं, जहां वास्तव में एक स्कूल पर बम गिराया गया। आप इन बच्चों को देख रहे हैं? ये बच्चे अमेरिका और इस्राइल द्वारा इस्तेमाल किए गए हथियारों से किए गए बम हमलों में मारे गए।' उन्होंने कहा, वे निर्दोष थे और उन्होंने कोई अपराध नहीं किया था।

ईरानी हमलों को बताया पलटवार

पेजेशकियान ने कहा कि ईरान ने अपना बचाव किया, लेकिन दावा किया कि उसकी सेना ने जानबूझकर नागरिकों को निशाना बनाने से परहेज किया। उन्होंने कहा, 'हमारे निर्दोष लोग हमारे देश पर थोपे गए कायराना हमलों का निशाना बने। हमने पूरी ताकत के साथ अपना बचाव किया।' पेजेशकियान ने कहा कि ईरान को अपने देश की रक्षा करने के लिए किसी की अनुमति या मंजूरी की जरूरत नहीं है। पेजेशकियान के संबोधन के दौरान अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का एक अधिकारी संयुक्त राष्ट्र महासभा से बाहर निकल गया।

हम संवैधानिक दायरे में कर रहे हैं काम: चुनाव आयोग



एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत निर्वाचन आयोग ने बुधवार को प्रेस नोट जारी कर अपना पक्ष रखा है। आयोग ने कहा है कि वह पूरी तरह से संवैधानिक जनादेश और वैधानिक नियमों के तहत काम कर रहा है। चुनाव आयोग ने अपने प्रेस नोट संख्या ईसीआई/पीएन/119/2026 में कहा, 'भारत निर्वाचन आयोग एक संवैधानिक संस्था है जो संविधान के अनुच्छेद 324, वैधानिक नियमों और स्थापित संस्थागत परंपराओं के सख्त जनादेश के तहत कार्य करता है। आयोग एक बहु-सदस्यीय संवैधानिक निकाय के रूप में संचालित होता है। आयोग ने कहा कि लिखित नोट्स, टिप्पणियां, तकनीकी सुझाव और आंतरिक संतुलन एवं नियंत्रणपूर्ण पारदर्शिता, कानूनी अनुपालन और परिचालन कठोरता सुनिश्चित करने के लिए मानक प्रक्रियाएं हैं। आयोग के सभी कार्य कानूनों और निर्देशों के अनुसार हुए हैं।

ईसीआई ने स्पष्ट किया कि उसके द्वारा जारी सभी आधिकारिक आदेशों, निर्णयों और प्रशासनिक निर्देशों को पूर्ण कानूनी स्वीकृति प्राप्त है और वे मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यालय की अवधि) अधिनियम, 2023 के तहत स्थापित प्रक्रियाओं का पालन करते हैं।

आयोग ने कहा कि ड्राफ्ट चरणों के दौरान सदस्यों द्वारा उठाए गए परिचालन संबंधी प्रश्न मानक प्रशासनिक प्रथा का हिस्सा हैं, जिनका उद्देश्य मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा करना है।

आयोग ने कहा, 'किसी भी संस्थान में विचार-विमर्श के दौरान अलग-अलग विचार और टिप्पणियां सामान्य बात है। वे अंतिम निर्णय से पहले की प्रक्रिया का हिस्सा होते हैं। न केवल तीनों आयुक्त बल्कि आयोग का प्रत्येक अधिकारी मतदाता प्रणाली में सुधार के लिए सुझाव देने के लिए अधिकृत है।'

आयोग ने कहा कि 10 महीने की अवधि की कुछ आंतरिक टिप्पणियों को उजागर कर एकतरफा तस्वीर पेश की जा रही है। हाल के महीनों में आयोग ने लगभग 40 नई पहल शुरू की हैं और एसआईआर सहित मतदाता सूची संशोधन जैसे कई चुनावी सुधार किए हैं।

मीराबाई चानू ने भारत के लिए जीता सिल्वर मेडल

वेटलिफ्टिंग में खत्म हुआ 28 साल का सूखा

एजेंसी ■ नागोया

एशियन गेम्स 2026 में भारत की स्टार महिला वेटलिफ्टर मीराबाई चानू ने अपना पहला सिल्वर मेडल जीतकर इतिहास रच दिया है। मीराबाई ने 28 साल का सूखा खत्म करते हुए देश को वेटलिफ्टिंग में 1998 के बाद पहला एशियन गेम्स मेडल दिलाया है।

49 किलोग्राम वर्ग में मीराबाई ने कुल 198 किलोग्राम का भार उठाते हुए एशियन गेम्स में अपना पहला मेडल जीता। पिछले एशियन गेम्स में वह मेडल लाने से चूक गई



थीं और चौथे स्थान पर रही थीं। स्नैच राउंड के अपने पहले प्रयास में मीराबाई ने 83 किलो का वजन उठाया। इसके बाद दूसरे प्रयास में वह 85 किलो का भार उठाने में कामयाब रहीं। तीसरे प्रयास में मीराबाई ने 87 किलो वजन उठाया। क्लीन एंड जर्क राउंड में भी मीराबाई का प्रदर्शन शानदार रहा।

मीराबाई ने क्लीन एंड जर्क राउंड के पहले प्रयास में 107 किलो का भार उठाया। वहीं, दूसरी कोशिश में वह 111 किलो का वजन उठाने में सफल रहीं। वहीं, नॉर्थ कोरिया की खिलाड़ी री सोंग-गम ने गोल्ड मेडल को अपने नाम किया। साल 1998 में कर्णम मल्लेश्वरी ने भारत के लिए वेटलिफ्टिंग में आखिरी मेडल जीता था।

विकसित भारत का लक्ष्य आर्थिक प्रगति के साथ आध्यात्मिक जागरण भी हो: राष्ट्रपति मुर्मु

एजेंसी ■ वडोदरा

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बुधवार को कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य केवल आर्थिक विकास तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि उसमें आध्यात्मिक जागरण भी शामिल होना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश को ऐसे युवा तैयार करने होंगे, जो ज्ञान, तकनीक और कौशल के साथ आत्मविश्वास, आत्मअनुशासन और नैतिक मूल्यों से भी संपन्न हों।



वडोदरा में ब्रह्माकुमारी संस्था के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि भारत की बड़ी युवा आबादी राष्ट्र निर्माण में केंद्रीय भूमिका निभा सकती है, यदि वह अपनी ऊर्जा और प्रतिभा को सकारात्मक दिशा में लगाए।

उन्होंने कहा, 'आज युवा जाग चुका है। 2047 तक विकसित भारत का सपना केवल आर्थिक विकास का नहीं, बल्कि आध्यात्मिक जागरण का भी है। आज पूरी दुनिया भारत की ओर देख रही है।'

राष्ट्रपति ने कहा कि भारत की लगभग 1.4 अरब आबादी में करीब 65 प्रतिशत युवा हैं। ऐसे में देश की जनसांख्यिकीय शक्ति को देखते हुए युवाओं के समग्र विकास पर विशेष ध्यान देना जरूरी है।

राष्ट्रपति नडियाद में ब्रह्माकुमारी संस्था की राष्ट्रीय पहल 'अवेकनिंग इनर स्ट्रेंथ फॉर नेशन बिल्डिंग' के वर्चुअल शुभारंभ के बाद संबोधित कर रही थीं।

उन्होंने कहा कि युवाओं को ज्ञान, तकनीक और कौशल की आवश्यकता है, लेकिन इसके साथ आत्मविश्वास, आत्मअनुशासन, सकारात्मक सोच, संवेदनशीलता और नैतिक मूल्यों का होना भी उतना ही जरूरी है।

राष्ट्रपति ने कहा, 'हमें ऐसे युवा तैयार करने हैं जो ज्ञान, तकनीक और कौशल से लैस होने के साथ-साथ आत्मविश्वास, आत्मअनुशासन, सकारात्मक सोच, संवेदनशीलता और नैतिक मूल्यों से भी परिपूर्ण हों।

उन्होंने कहा कि आज के युवा तेजी से बदलती दुनिया का सामना कर रहे हैं, जहां डिजिटल दुनिया, सूचनाओं की अधिकता, कड़ी प्रतिस्पर्धा, बदलती जीवनशैली और सामाजिक अपेक्षाएं उनके जीवन को प्रभावित कर रही हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि युवाओं के सामने असीम अवसर हैं, लेकिन चुनौतियां भी कम नहीं हैं। इन चुनौतियों का सामना करने के लिए उनमें आंतरिक शक्ति विकसित करना आवश्यक है।

अमेजन, स्विगी इंस्टामार्ट, बिगबास्केट, फ्लिपकार्ट और जेप्टो पर शुरू हुई दंडात्मक कार्रवाई

fssai

एजेंसी ■ नई दिल्ली

देश के खाद्य नियामक भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने प्रमुख ई-कॉमर्स और क्विक-कॉमर्स कंपनियों अमेजन, स्विगी इंस्टामार्ट, बिगबास्केट, फ्लिपकार्ट इंडिया और जेप्टो के खिलाफ विभिन्न नियामकीय उल्लंघनों को लेकर दंडात्मक कार्रवाई शुरू की है। एफएसएसएआई के अनुसार, इन कंपनियों के प्लेटफॉर्म पर भ्रामक दावों वाले खाद्य उत्पादों के प्रचार-प्रसार और कुछ प्रतिबंधित खाद्य पदार्थों की ऑनलाइन बिक्री से जुड़े मामलों में कार्रवाई की जा रही है।

एफएसएसएआई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर जानकारी देते हुए कहा कि ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर नियामकीय अनुपालन की जांच के दौरान कई अनियमितताएं सामने आई हैं। इनमें उत्पादों की गलत ब्रांडिंग, उपभोक्ताओं को भ्रमित करने वाले दावे और कुछ प्रतिबंधित अथवा विषैले खाद्य पदार्थों की बिक्री एवं प्रदर्शन जैसे मामले शामिल हैं।

नियामक के अनुसार, हैपिलो प्रीमियम डेट बाइट्स - जेस्टी ऑरेंज से जुड़े कुछ दावे और उत्पाद संबंधी जानकारियां खाद्य मानकों के अनुरूप नहीं पाई गईं। इस मामले में अमेजन सेलर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, फ्लिपकार्ट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, स्विगी इंस्टामार्ट प्राइवेट लिमिटेड, जेप्टो मार्केटप्लेस प्राइवेट लिमिटेड और बिगबास्केट की इनोवेटिव रिटेल कॉन्सेप्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ कार्रवाई शुरू की गई है।

स्मृति ईरानी को छत्तीसगढ़ की कमान

कई राज्यों में प्रभारियों और सह-प्रभारियों की हुई नियुक्तियां

संवाददाता ■ रायपुर

छत्तीसगढ़ की भारतीय जनता पार्टी ने संगठन में बड़ा बदलाव करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री और राष्ट्रीय महामंत्री स्मृति ईरानी को छत्तीसगढ़ का प्रभारी नियुक्त किया है।

उनके साथ सिद्धार्थ शम्भु को सह प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई है। स्मृति ईरानी इससे पहले भाजपा की राष्ट्रीय महामंत्री के तौर पर उत्तर प्रदेश की जिम्मेदारी संभाल रही थीं।

पार्टी की नई राष्ट्रीय टीम में उन्हें महामंत्री बनाया गया था।

वहीं छत्तीसगढ़ के पत्थलगांव विधानसभा क्षेत्र की विधायक गोमती साय को गुजरात सह प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा हरियाणा के प्रभारी रहे डॉ. सतीश पूनिया को अब पंजाब का प्रभारी बनाया गया है। पूनिया को अगस्त में पंजाब भाजपा का प्रभारी नियुक्त किया गया था। इससे पहले वह हरियाणा भाजपा के प्रभारी की जिम्मेदारी भी संभाल चुके हैं। संगठन में नई जिम्मेदारी के साथ अब उनका फोकस पंजाब पर



रहेगा।

सौरभ सिंह को झारखंड में मिली बड़ी जिम्मेदारी

गजेंद्र सिंह पटेल को झारखंड भाजपा का नया प्रदेश प्रभारी बनाया गया है। वहीं छत्तीसगढ़ माइनिंग डिपार्टमेंट के अध्यक्ष सौरभ सिंह को सह प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

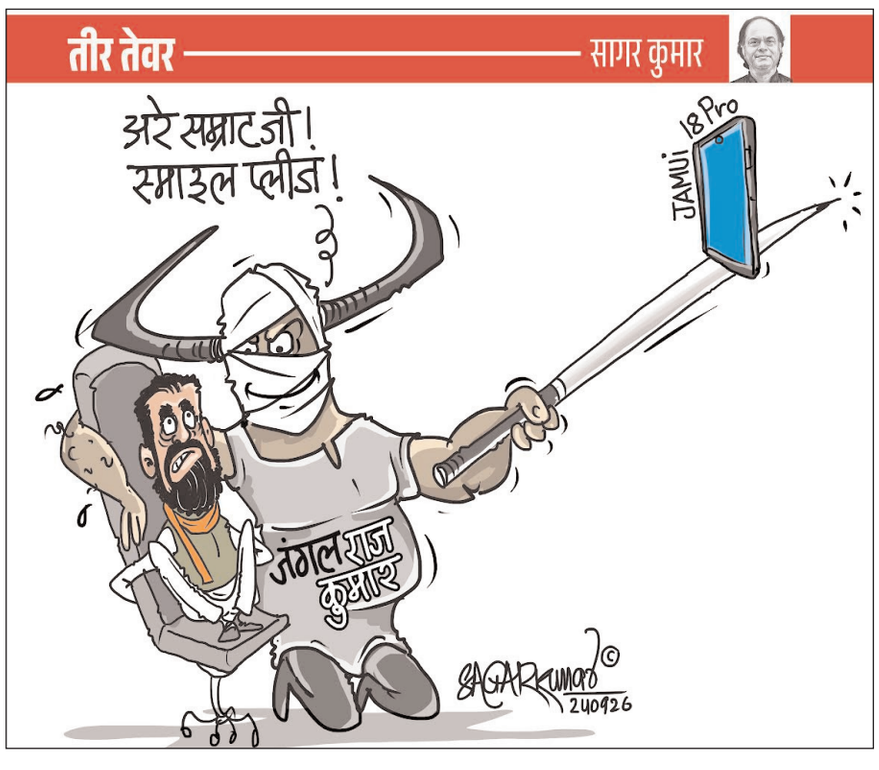
2027 चुनाव वाले राज्यों पर



भी फोकस

भाजपा के इस संगठनात्मक फेरबदल में कई राज्यों के प्रभारियों और सह प्रभारियों की जिम्मेदारियां बदली गई हैं। पार्टी ने 2027 में विधानसभा चुनाव होने वाले राज्यों को भी संगठनात्मक स्तर पर नई जिम्मेदारियां दी हैं। नए प्रभारियों के सामने संगठन को मजबूत करने, स्थानीय नेतृत्व के साथ समन्वय बनाने और आगामी चुनावों के लिए पार्टी की तैयारियों को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी मिली।

तीर तेवर — सागर कुमार



पीएम मोदी की कार्यशैली में 'इनोवेशन लैब' की तरह काम करती है सरकार

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को अपने मंत्रिमंडल के सदस्यों के साथ 'चिंतन शिविर' आयोजित किया। इस मौके पर एक्स अकाउंट 'मोदी स्टोरी' ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी ने शासन-प्रशासन के कामकाज के तरीके में कई ऐसे प्रयोग किए हैं, जिन्होंने सरकारी व्यवस्था को नई दिशा दी है।

मोदी स्टोरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, 'सुना है कि आज प्रधानमंत्री मोदी अपने कैबिनेट सहयोगियों के साथ चिंतन शिविर कर रहे हैं? वर्षों से उन्होंने सरकार के काम करने के तरीके को पूरी तरह बदल दिया है और अक्सर शासन को एक 'इनोवेशन लैब' की तरह देखा है।

पोस्ट में कहा गया कि प्रधानमंत्री मोदी ने कई ऐसे प्रयोग शुरू किए, जिनमें कुछ बेहद सरल हैं तो कुछ दूरगामी प्रभाव



वाले। इनमें से एक पहल 'अनुभव' है, जिसके तहत सेवानिवृत्त होने वाले वरिष्ठ अधिकारी अपनी सेवा के दौरान हासिल अनुभवों और सीख को दस्तावेज के रूप में दर्ज करते हैं, ताकि अगली पीढ़ी के अधिकारी उससे लाभ उठा सकें।

मोदी स्टोरी ने 'स्वत: सुखाय' पहल का भी उल्लेख किया। इसके तहत अधिकारी अपने विभाग से अलग किसी सार्वजनिक हित के प्रोजेक्ट पर स्वेच्छा से काम करते हैं, जिससे उन्हें समाज के लिए योगदान देने का संतोष मिलता है।

पोस्ट के अनुसार 'बैक टू द फर्स्ट पोस्टिंग' पहल में वरिष्ठ अधिकारियों को अपने प्रशासनिक करियर की पहली तैनाती वाले जिले या तालुका में वर्षों बाद वापस जाकर यह देखने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है कि वहां कितना विकास हुआ है।

इसके अलावा 'असिस्टेंट सेक्रेटरी प्रोग्राम' का भी जिक्र किया गया, जिसके तहत नए नियुक्त आईएएस अधिकारियों को पहली फील्ड पोस्टिंग से पहले तीन महीने तक केंद्र सरकार के मंत्रालयों में काम करने का अवसर दिया जाता है, ताकि वे केंद्र सरकार की कार्यप्रणाली को करीब से समझ सकें।

भाठागांव सब्जी बाजार हटाने के दौरान बवाल

व्यापारियों और निगम कर्मियों के बीच हाथापाई, पुलिसकर्मी समेत कई घायल

विश्व केसरी■

रायपुर। भाठागांव सब्जी बाजार में नगर निगम की कार्रवाई के दौरान जमकर हंगामा हुआ. बाजार हटाने पहुंची निगम टीम और व्यापारियों के बीच मारपीट के आरोप लगे हैं। निगम पक्ष के मुताबिक 4 से 5 कर्मचारियों समेत एक पुलिस जवान घायल हुआ है। हालांकि, घायलों की संख्या और चोटों की स्थिति की आधिकारिक पुष्टि फिलहाल नहीं हुई है. घटना के बाद क्षेत्र में तनाव की स्थिति है. वहीं नगर निगम की टीम पुरानी बस्ती थाने पहुंचकर FIR दर्ज करवाया है।



पुलिस बल के साथ पहुंची थी निगम की टीम

मिली जानकारी के मुताबिक, नगर निगम की टीम पुलिस बल के साथ भाठागांव सब्जी बाजार पहुंची थी.बाजार हटाने की कार्रवाई के दौरान व्यापारियों और निगम अमले के बीच विवाद शुरू हुआ. देखते ही देखते स्थिति बिगड़ गई। पुलिस शिकायत और जांच के बाद ही स्पष्ट होगा कि घटना में किन लोगों की भूमिका रही और किन धाराओं में कार्रवाई की जाती है।

भाठागांव सब्जी बाजार में तनाव

थाने पहुंचा निगम अमला, स्ट्रक्चर की तैयारीघटना के बाद निगम कर्मचारी पुरानी बस्ती थाने पहुंचे हैं. निगम की ओर से शिकायत दर्ज करवाई गई है। अब पुलिस शिकायत और जांच के बाद व्यापारियों ने नगर निगम मुख्यालय में सांकेतिक धरना-प्रदर्शन किया था. व्यापारियों ने बाजार से बेदखली और चबूतरों के लॉटरी आवंटन को लेकर सवाल उठाए थे. प्रदर्शन का नेतृत्व नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी ने किया था. इसके बाद व्यापारी प्रतिनिधिमंडल ने निगम आयुक्त समित मिश्रा से मुलाकात की थी.

भाठागांव सब्जी बाजार हटाने के दौरान बवाल

कल निगम मुख्यालय में हुआ था प्रदर्शन की घटना से एक दिन पहले भाठागांव सब्जी बाजार के

एक दिन पहले निगम में व्यापारियों ने दिया था

7 दिन में दस्तावेज देने का मिला था आश्वासनप्रतिनिधिमंडल के अनुसार, आयुक्त ने लॉटरी आवंटन से जुड़े दस्तावेज और वीडियोग्राफी 7 दिनों के भीतर उपलब्ध कराने और स्थल निरीक्षण का आश्वासन दिया था। लेकिन इसके अगले ही दिन बाजार हटाने की कार्रवाई के दौरान विवाद और मारपीट के आरोपों ने मामले को और गंभीर बना दिया है।

अब पुलिस जांच पर टिकी नजरफिलहाल घटना को लेकर आरोप और आधिकारिक पुष्टि अलग-अलग स्तर पर हैं.घायलों की वास्तविक संख्या, घटना की पूरी परिस्थितियां और मारपीट में किसकी क्या भूमिका रही। इन सभी सवालों का जवाब पुलिस की जांच और आधिकारिक बयान के बाद ही स्पष्ट नही है।

छत्तीसगढ़ में धान की खेती के व्यावसायिक एवं तकनीकी सत्यापन के लिए हुआ अध्ययन

विश्व केसरी■

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा प्रदेश में धान की खेती के अधिकार, विकास और तकनीक आधारित आकलन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण संचालनालय और छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के मध्य एक महत्वपूर्ण समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता सेट लाइट-आधारित मार्केटिंग, डिजिटल फसल सर्वेक्षण और भू-स्थानिक डेटा के बेहतर समन्वय से राज्य की धान उपार्जन व्यवस्था को और अधिक सशक्तीकरण और बनाने का उद्देश्य है। वन अधिकार अधिनियम के तहत गैर-जियो-रेफरेंस रेज़्यूमे की मार्केटिंग विशेष रूप से अबंटित भू-भागों और डूबान क्षेत्रों में स्थित है, ऐसे कृषि क्षेत्रों की पहचान कर उनके जी आईएस आधारित पॉलीगॉन लीयर तैयार की जाएगी, जो वर्तमान में डिजिटल रूप



से रेज़्यूमे नहीं हैं।

कृषि विपणन वर्ष 2026-27 के लिए धान की फसल के वास्तविक रकबे का विवरण तैयार करने के लिए आगामी विपणन विपणन वर्ष 2026-27 में भू-स्थानिक डेटा के आधार पर विवरण तैयार किया जाएगा। सेटेलाइट इमेजरी से अन्य भू-संदर्भित क्षेत्रों में भूमि खंडों (खसरों) के नमूने-देशांतर का सेटेलाइट इमेजरी मिलान से कर धान की डिजिटल उपस्थिति की पुष्टि की जाएगी। इस टेक्नॉलजी की पहल से मजबूत और मजबूत आधार एफआरए और डूबान क्षेत्र की कृषि भूमि की डिजिटल पहचान मजबूत होगी और डिजिटल फसल सर्वेक्षण के लिए एक मजबूत आधार ढाँचा तैयार होगा।

इस दौरान विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की सचिव मिश्रा रीना बाबा साहेब कंगाले, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के प्रमुख डॉ. फरी एवंहा आलम एवं उपाध्यक्ष, छत्तीसगढ़ विज्ञान प्रौद्योगिकी परिषद श्री कवीश्वर उपस्थित रहे।

आयुर्वेद भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा की अमूल्य धरोहर: मुख्यमंत्री साय

विश्व केसरी■

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय राजधानी रायपुर के सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित आयुर्वेद सेवा सम्मेलन, रक्तदान महाकुंभ एवं वृहद स्वास्थ्य जांच शिविर में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि रक्तदान मानवता की सबसे बड़ी सेवाओं में से एक है। रक्तदाता द्वारा दिया गया रक्त किसी जरूरतमंद व्यक्ति का जीवन बचाकर उसके परिवार के लिए नई उम्मीद बन सकता है। बड़ी संख्या में माताओं-बहनों, युवाओं और समाज के विभिन्न वर्गों का रक्तदान, देहदान एवं अंगदान के लिए आगे आना सेवा, संवेदनशीलता और सामाजिक



दायित्व की प्रेरणादायी मिसाल है।

मुख्यमंत्री साय ने सभी को राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस की शुभकामनाएं दीं तथा रक्तदान, देहदान एवं अंगदान का संकल्प लेने वाले नागरिकों के सेवाभाव की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर से प्रदेशभर में सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से जनसेवा और जनकल्याण के विविध कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। सेवा का यह अभियान समाज के प्रत्येक वर्ग को जोड़ रहा है। रक्तदान से लेकर जरूरतमंद बच्चों के लिए पुस्तकें, खिलौने और स्टेशनरी एकत्रित करने तक अनेक गतिविधियां इसे व्यापक जनभागीदारी का स्वरूप दे रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस पर आयोजित आयुर्वेद सेवा सम्मेलन और रक्तदान महाकुंभ इसी सेवा भावना का सशक्त उदाहरण है। विशेष रूप से इतनी बड़ी संख्या में माताओं-बहनों का रक्तदान के लिए आगे आना अत्यंत प्रेरणादायी है। एक ही दिन में 1000 से अधिक महिलाओं ने रक्तदान कर मानव सेवा की अनुपम मिसाल प्रस्तुत की है। इस ऐतिहासिक पहल का गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज होना पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का विषय है।

सदर बाजार में झांकी पर विरोध! DJ-धुमाल पर बैन के लगे पोस्टर



विश्व केसरी■

रायपुर। राजधानी रायपुर में गणेश विसर्जन झांकी का मार्ग इस साल से बदलने जा रहा है ! क्योंकि सदर रोड से होकर झांकी नहीं ले जाने की मांग उठ चुकी है. और इस मार्ग पर डीजे-धुमाल बजाने पर प्रतिबंध के पोस्टर लग चुके हैं.

सदर रोड सर्राफा संघ सदर रोड में डीजे-धुमाल और तेज साउंड के विरोध में उतर आया है. संघ की ओर से ज्ञापन भी पुलिस को दिया गया. संघ ने मांग की है सिटी कोतवाली चौक से कंकाली अस्पताल तक भारी आवाज वाली सभी यंत्र बंद रखे जाए.

इस बार सदर बाजार रोड से तेज साउंड, डीजे-धूमाल के साथ झांकी नहीं जाए. झांकी नहीं जाने देने को लेकर व्यापारी और स्थानीय लोगों का विरोध शुरू हो चुका है. सराफा व्यापारी संघ के पूर्व अध्यक्ष हरेक मालु ने कहा की इस बार सदर रोड से झांकी ना जाए. बढ़ती जनसंख्या के साथ सदर का रास्ता बहुत सकरा है. जाम की स्थिति होती है।

स्व.अनिरूद्ध ठाकुर को दी गई पुष्पाजंलि

विश्व केसरी■

रायपुर। कर्मचारी नेता स्व.अनिरुद्ध सिंह ठाकुर जी के 35वी पुण्यतिथि पर कुशालपुर, रायपुर (छ.ग.) में स्थित ठाकुर अनिरुद्ध सिंह शासकीय प्राथमिक शाला में उनके सुपुत्र सुभाष सिंह ठाकुर द्वारा उनकी प्रतिमा में माल्यार्पण कर समाज और कर्मचारी जगत के लिए किये गए उनके कार्यो और बलिदान को याद किया गया एवं शाला के विद्यार्थियों को आंशिक नेवता भोज कराया गया । कार्यक्रम में प्रधान अध्यापका अन्नपूर्णा महानंद, पूर्व प्रधान अध्यापक जे.आर.धीवर, शिक्षिका पूजा कतलम, गरिमा साकार, पुरन दास बंजारे, डॉक्टर प्रसाद साहू आदि शिक्षक व शाला समिति के सदस्य उपस्थित रहे ।

सखी वन स्टॉप सेंटर की व्यवस्थाओं का जायजा लेने पहुंचीं महिला आयोग अध्यक्ष डॉ. ममता साहू

विश्व केसरी■

रायपुर । छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू ने आज सखी वन स्टॉप सेंटर, दुर्ग का निरीक्षण किया। उन्होंने सेंटर में महिलाओं एवं बालिकाओं को उपलब्ध कराई जा रही आश्रय, परामर्श, चिकित्सा, पुलिस सहायता एवं विधिक सेवाओं की जानकारी ली और व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

डॉ. साहू ने संबंधित अधिकारियों को सेंटर की व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने तथा पीड़ित महिलाओं एवं बालिकाओं को त्वरित, संवेदनशील एवं समुचित सहायता उपलब्ध कराने के



निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सखी वन स्टॉप सेंटर संकटग्रस्त महिलाओं के लिए एक महत्वपूर्ण सहायता केंद्र है, जहां उन्हें एक ही स्थान पर आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं।

निरीक्षण के दौरान जिला कार्यक्रम अधिकारी अशोक पांडेय, राज्य महिला आयोग की सहायक संचालक पुष्पा कुजूर, सखी सेंटर दुर्ग की केंद्र प्रशासक अवंती साहू, परामर्शदाता कविता डोरले, संरक्षण अधिकारी सुश्री प्रीतिबाला शर्मा, केस वर्कर हेमलता वर्मा, पैरामेडिकल स्टाफ सहित सखी सेंटर के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 2)
- : : शहीद स्मारक स्कूल भवन, स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर ::-
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्र /....35596..../ न. पा. नि. जोन के 2/2026
रायपुर, दिनांक 22-09-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35596
वार्ड का नाम 13 - राजीव गांधी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 13 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR223B00126** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **MRS. ANJANA SHARMA** पिता/पति श्री श्रीमती **PRAMOD SHARMA** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री / श्रीमती श्रीमती ज्योति गुप्ता पिता / पति श्री श्रीमती श्री जय प्रकाश गुप्ता** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
सूचना जारी करे '
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 2)
- : : शहीद स्मारक स्कूल भवन, स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर ::-
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्र /....35636..../ न. पा. नि. जोन क्र- 2/2026
रायपुर, दिनांक 23-09-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35636
वार्ड का नाम 26-दानवीर भामाशाह वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 26 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR111C00003** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **BUDHIYA BAI** पिता/पति श्री/ श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको **श्री श्रीमती श्री अशोक यादव पिता / पति श्री श्रीमती स्व. श्री मनीराम यादव** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / शपथ पत्र, सहमति पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, खरीदी बिक्री / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
सूचना जारी करे '
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 2)
- : : शहीद स्मारक स्कूल भवन, स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर ::-
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्र /....35608..../ न. पा. नि. / जोन क्रं 2/2026
रायपुर, दिनांक 23-09-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35608
वार्ड का नाम 13-राजीव गांधी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 13 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR223E00060** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **DR REEMA DILAWARI** पिता / पति श्री/श्रीमती **ROHIT DILAWARI** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री /श्रीमती 01. श्रीमती संजुक्ता कपूर, 02. श्री शरद कपूर पिता / पति श्री/श्रीमती 01. पत्नि स्व. शम्मी कपूर, 02. पिता स्व. शम्मी कपूर** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार /पंजीकृत विक्रय विलेखा / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे 7 निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
सूचना जारी करे '
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 2)
- : : शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर : : -
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्र /....35639..../ न. पा. नि. जोन क्र- 2/2026
रायपुर, दिनांक 23-09-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35639
वार्ड का नाम 26-दानवीर भामाशाह वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 26 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR111C00003** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **BUDHIYA BAI** पिता/पति श्री श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको **श्री श्रीमती मीना यादव पिता /पति श्री श्रीमती स्व. श्री शिव कुमार यादव** ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / शपथ पत्र, सहमति पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, खरीदी बिक्री / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
सूचना जारी करे '
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिका दण्डाधिकारी करपावण्ड ,जिला बस्तर (छ.ग.)

// उदघोषणा //

रा.प्र. क्र. 2608 / न-14 / 2025-26

इस उदघोषणा के जरिये आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक गुरूदास पिता स्व. मनधर जाति भतरा ग्राम सानदेवड़ा तहसील करपावण्ड जिला बस्तर द्वारा आवेदक स्वंय अथवा अपने पत्नी स्व. गजमती निवासी ग्राम सानदेवड़ा तहसील करपावण्ड, जिला बस्तर (छ.ग.)का मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्ति हेतु आवेदन पेश किया गया है।

अत: आवेदक के पत्नि स्व. गजमती पति गुरूदास ग्राम सानदेवड़ा दिनांक 24/04/2014 को मृत्यु हुई है। आवेदक गुरूदास पिता मनधर जाति भतरा ग्राम सानदेवड़ा तहसील करपावण्ड जिला बस्तर आवेदक स्वंय अथवा आवेदक के पत्नि स्व. गजमती मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किये जाने पर यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार की आपत्ति अथवा दावा पेश करना हो तो वह स्वंय अथवा अपने अधिकृत अधिवक्ता के मार्फत प्रकरण के नियत पेशी दिनांक 31/08/2026 तक प्रस्तुत कर सकता है । नियत पेशी तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पर किसी प्रकार की सुनवाई नही होगी।

आज दिनांक 24/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया ।

कार्यपालिका दण्डाधिकारी
करपावण्ड, जिला बस्तर

नाम परिवर्तन

शपथ पत्र

मै शपथकर्ता फिरदौस रशीद (FIRDAUS RASHID) पति सैफुरशीद (SAIFU RASHID) उम्र 23 वर्ष निवासी - ओल्ड राजेन्द्र नगर बजरंग चौक रायपुर छ.ग. एतद्वारा मै पुष्टि करता हूँ तथा निम्नानुसार घोषित करता हूँ।

1. मै उपरोक्त पते की स्थायी निवासी हूँ।

2. मेरा पुराना नाम सीमा फिरदौस खान (SEEMA FIRDAUS KHAN) पिता मोहम्मद सकील (MD SAKIL) है और मैं अपने बदलकर फिरदौस रशीद **(FIRDAUS RASHID)** पति सैफुरशीद **(SAIFU RASHID)** (नया नाम) करवाना चाहता हूँ।

3. मेरा पुराने नाम से किसी भी न्यायालय मे कोई भी प्रकरण लंबित नही है और ना ही

किसी बैंक मे ऋण की राशि शेष है।

4. मैं अपना नाम बदलकर यदि कोई गैर कानूनी कार्य करता हूँ तो उसके लिये मै

॥ पूर्णत:स्वयं जिम्मेदार रहूगा ।

5. मैं यह शपथ पत्र अपने पूरे होशो हवास मे रहकर हस्ताक्षर कर रहा हूँ तथा सक्षम प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर रहा हूँ ।

शपथकर्ता
फिरदौस रशीद

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 4)
- : : प्रेत वलय, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र /....32467..../ न. पा. नि. / जोन क्र 4/2026
रायपुर, दिनांक 23-06-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 32467
वार्ड का नाम 44- स्वामी विवेकानंद सदर बाजार वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 44 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR739C00140** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **SHARIF BAI** पिता / पति श्री/श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती नजमा पिता स्व. अहमद हुसैन, अनवरी पिता स्व. अहमद हुसैन , इनायत हुसैन पिता स्व. अहमद हुसैन, सीमा पिता स्व. अहमद हुसैन, मोहम्मद इकबाल पिता स्व. अहमद हुसैन, अख्तरी पिता स्व. अहमद हुसैन, ताहिरा पिता स्व. अहमद हुसैन, मोहम्मद अब्बास रजा पिता स्व. अहमद हुसैन, हाजरा बेगम पति स्व. मोहम्मद शफी, तबसुम पिता स्व. मोहम्मद शफी, जाहिद हुसैन पिता स्व. मोहम्मद शफी, जाकिर हुसैन पिता स्व. मोहम्मद शफी, नसीम पिता स्व. मोहम्मद शफी, शमीम बानु पिता स्व. मोहम्मद शफी, बानू पिता स्व. मोहम्मद शफी, तस्लीम पिता स्व. मोहम्मद शफी,मोहम्मद शाहीद हुसैन पिता स्व. मोहम्मद शफी, खैरुन निशा पति स्व. मोहम्मद समी, मोहम्मद कासिम रजा पिता मोहम्मद समी ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / आवेदन पत्र, शपथ पत्र, वंशावली, मृत्यु प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, संपत्तिकर रसीद व अन्य दस्तावेज /वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
सूचना जारी करे '
श्रीमती दिव्या चंद्रवंशी
(जोन कमिश्नर)
जोन (4)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 7)
: : मंगलम कामप्लेक्स अग्रासेन चौक, रायपुर ::
Email ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र /....35570./ न. पा. नि. जोन नं-7/2026
रायपुर, दिनांक 23-09-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35570
वार्ड का नाम - 36 - तात्यामारा वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 36 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR738C0138A** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **SHIVKUMARI, KIRAN** पति पिता / पति श्री/श्रीमती **ISHWER DAS MANIKPURI, DEVIDAS MANIKPURI** के नाम से दर्ज है जिसको **श्रीमती किरण मानिकपुरी पिता/पति श्री /श्रीमती पति देवीदास मानिकपुरी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार शपथ /पत्र, आपसी बंटवारानामा, आधार कार्ड, निगम टैक्स कॉपी / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
सूचना जारी करे '
डॉ. तृप्ति पाणिग्रही
(जोन कमिश्नर)
जोन (7)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 7)
: : मंगलम कामप्लेक्स अग्रासेन चौक, रायपुर ::
Email ID - rmczone7@gmail.com

पत्र न /..35571/ न. पा. नि. जोन क्र. 7/2026
रायपुर, दिनांक 23-09-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35571
वार्ड का नाम - 36 - तात्यापारा वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 36 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR738C0138** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **SHIVKUMARI, KIRAN** पति पिता / पति श्री/श्रीमती **ISHWER DAS MANIKPURI, DEVIDAS MANIKPURI** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री / श्रीमती शिव कुमारी पिता / पति श्री / श्रीमती स्व. ईश्वर दास मानिकपुरी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार शपथ /पत्र, आपसी बंटवारानामा, आधार कार्ड, निगम टैक्स कॉपी / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
सूचना जारी करे '
डॉ. तृप्ति पाणिग्रही
(जोन कमिश्नर)
जोन (7)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 6)
-: आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुरः :-
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्र /....35617..../ न. पा. नि. जोन के 6/2026
रायपुर, दिनांक 23-09-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35617
वार्ड का नाम 61 श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 61 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR663Q0666A** जो की निगम अभिलेख श्री श्रीमती **MANOJ KUMAR THAKUR** पिता/पति श्री श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **RANJEET GUPTA** पिता / पति श्री श्रीमती **MOHAN SINGH THAKUR S/O KRISHNA PRASAD GUPTA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
सूचना जारी करे '
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 6)
-: आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्र /....35607..../ न. पा. नि. / जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 23-09-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35607
वार्ड का नाम 65 - महामाया मंदिर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 65 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR662G00166** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **BHAGWATI PRASAD** पिता / पति श्री/श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती श्री राकेश कुमार वर्मा पिता / पति श्री/श्रीमती पिता स्व. भगवती प्रसाद वर्मा ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान , पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / **shapath patr, sahmati patr, adhar card, mrityu praman patr, nigam ta& rasid** / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
सूचना जारी करे '
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

भारत और ऑस्ट्रेलिया ने जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर की सार्थक चर्चा

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने बुधवार को नई दिल्ली में ऑस्ट्रेलिया के जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा मंत्री क्रिस बोवेन से मुलाकात की। इस दौरान फिजी में होने वाले प्री-सीओपी बैठक और तुर्की में होने वाले सीओपी31 के प्रमुख एजेंडा पर चर्चा की।

बोवेन संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन फ्रेमवर्क कन्वेंशन (यूएनएफसीसीसी) के तहत सीओपी31 वार्ता के अध्यक्ष के तौर पर भी काम कर रहे हैं।

बैठक के बाद, यादव ने एक्स पोस्ट में कहा, 'नई दिल्ली में ऑस्ट्रेलिया के जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा मंत्री और सीओपी31 वार्ता के अध्यक्ष क्रिस बोवेन से मिलकर खुशी हुई। हमने फिजी में होने वाली प्री-सीओपी और तुर्की में होने वाली सीओपी31 के मुख्य एजेंडा विषयों पर सार्थक चर्चा की। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि बैठक के दौरान उन्होंने पिछले दशक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की जलवायु संबंधी कार्यों की 'सफलता की कहानियों' पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, 'मैंने सीओपी31 वार्ता के अध्यक्ष के रूप में ऑस्ट्रेलिया के सहयोगी साझेदार बने रहने के भारत के संकल्प को भी दोहराया।'

नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने भी बोवेन के साथ बातचीत की। दोनों नेताओं ने ऊर्जा क्षेत्र में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सहयोग को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की।

इस चर्चा में नवीकरणीय ऊर्जा, ऊर्जा भंडारण, ग्रिड एकीकरण, ग्रीन हाइड्रोजन, स्वच्छ-ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला और उभरती प्रौद्योगिकियों सहित कई क्षेत्रों पर बात हुई।

जोशी ने एक्स पोस्ट में कहा, 'ऑस्ट्रेलिया के जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा मंत्री, क्रिस बोवेन का भारत में स्वागत करना खुशी की बात थी। हमने नवीकरणीय ऊर्जा, ऊर्जा भंडारण, ग्रिड एकीकरण, ग्रीन हाइड्रोजन, स्वच्छ ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला और नई प्रौद्योगिकियों में बेहतर सहयोग के माध्यम से भारत-ऑस्ट्रेलिया ऊर्जा साझेदारी को आगे बढ़ाने पर चर्चा की। भारत और ऑस्ट्रेलिया की ताकत एक-दूसरे की पूरक हैं, और हमारी साझा प्रतिबद्धता को व्यावहारिक साझेदारियों में बदलने की अपार संभावनाएं हैं, इससे हमारी जनता और उद्योगों के लिए नए अवसर पैदा होंगे।'

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि उन्होंने बोवेन और ऑस्ट्रेलियाई उद्योगपतियों को इस नवंबर में नई दिल्ली में होने वाले 'भारत नवीकरणीय ऊर्जा शिखर सम्मेलन और एक्सपो' में भाग लेने के लिए भी आमंत्रित किया। उन्होंने कहा, 'अपनी ऊर्जा साझेदारी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए उत्सुक हूं।'

अल नीनो से अगले छह महीनों में 4.5 लाख लोगों की मौत का अनुमान

भारत समेत कई देशों को चेतावनी

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। जलवायु वैज्ञानिकों के एक नए आकलन के अनुसार, प्रशांत महासागर में विकसित हो रहा अत्यंत शक्तिशाली अल नीनो अगले छह महीनों में दुनिया भर में अतिरिक्त गर्मी के कारण 4.5 लाख से अधिक लोगों की जान ले सकता है। यह अनुमान जलवायु परिवर्तन के कारण पहले से बढ़ रही गर्मी से होने वाली मौतों के अतिरिक्त है। शिकागो विश्वविद्यालय के क्लाइमेट इंपैक्ट लैब ने एक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी है।

वैज्ञानिकों का कहना है कि इस असाधारण अल नीनो का असर इंडोनेशिया, भारत और नाइजीरिया से लेकर अमेरिका तक महसूस किया जा सकता है। इसके अलावा सूखा, जंगलों में आग और बाढ़ जैसी घटनाओं के कारण भी बड़ी संख्या में लोगों की मौत होने की आशंका है। रिपोर्ट में प्रकाशित आकलन के अनुसार, अतिरिक्त गर्मी से होने वाली मौत का अनुमान विभिन्न क्षेत्रों के लिए अलग-अलग लगाया गया है। इसका उद्देश्य उन इलाकों की पहचान करना है, जहां समय रहते कदम उठाकर लोगों की जान बचाई जा सकती है। इनमें बेहतर गर्मी पूर्वानुमान, शीतलन केंद्रों की स्थापना, अत्यधिक गर्मी के दौरान चिकित्सा सुविधाओं में कर्मचारियों की संख्या बढ़ाना और खुले में काम करने वाले श्रमिकों की सुरक्षा जैसे उपाय शामिल हैं।

जलवायु वैज्ञानिकों ने इस घटना की तीव्रता को बेहद असाधारण बताया है। वैज्ञानिकों के अनुसार, प्रशांत महासागर के उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में समुद्र की सतह का तापमान सामान्य से काफी अधिक हो गया है।

दक्षिण अफ्रीका में भीषण गोलीबारी, 11 लोगों की मौत और तीन घायल

विश्व केसरी■



जोहान्सबर्ग। दक्षिण अफ्रीका में भीषण गोलीबारी की घटना सामने आई है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि दक्षिण-पूर्वी क्वाजुलु-नटाल प्रांत के क्वामाखुथा में गोलीबारी में ग्यारह लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए।

प्रांत में दक्षिण अफ्रीकी पुलिस सेवा (एसएपीएस) द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, यह गोलीबारी मंगलवार रात को टाउनशिप के जिको इलाके में हुई। तीन लोग आए और 13 पुरुषों और एक गर्भवती महिला पर उस समय गोलीबारी कर दी, जब सभी एक घर के अंदर पार्टी कर रहे थे।

न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, पुलिस ने बताया कि 10 लोगों की, महिला भी शामिल है, मौके पर ही मौत हो गई और चार अन्य को अस्पताल ले जाया गया, जिनमें से एक की बाद में मौत हो गई। इसके साथ ही मृतकों की संख्या 11 हो गई।

एसएपीएस की कार्यवाहक राष्ट्रीय आयुक्त पुलेंग डिम्पाने ने संदिग्धों को पकड़ने के लिए तत्काल 72 घंटे का ट्रैकिंग अभियान शुरू करने का आदेश दिया है।

डिम्पाने ने एक बयान में कहा, 'पुलिस को निर्णायक रूप से कार्रवाई करनी चाहिए। सभी उपलब्ध संसाधनों को जुटाना चाहिए और जिम्मेदार लोगों का तब तक पीछा करना चाहिए, जब तक उन्हें अदालत के सामने नहीं लाया जाता।'

पुलिस ने कहा कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि कुछ पीड़ित कथित अवैध गतिविधियों से संबंध के कारण एसएपीएस के क्राइम इंटेलिजेंस डिवीजन के रडार पर थे।

यूएनजीए के दौरान जयशंकर की कूटनीतिक सक्रियता, त्रिपक्षीय फॉर्मेट से लेकर द्विपक्षीय सहयोग पर किया मंथन

विश्व केसरी■



न्यूयॉर्क, 23 सितंबर (आईएएनएस)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र से इतर कई देशों के अपने समकक्षों के साथ बैठकें कर रहे हैं। इन मुलाकातों के दैरान भारत-यूएई-फ्रांस त्रिपक्षीय सहयोग, नेपाल के साथ द्विपक्षीय संबंध, यूक्रेन और खाड़ी संकट तथा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई।

विदेश मंत्री ने खुद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर विभिन्न पोस्ट्स के जरिए इसकी जानकारी दी। कुछ तस्वीरों के साथ इन मुलाकातों की अहमियत समझाई।

जयशंकर ने भारत-यूएई-फ्रांस त्रिपक्षीय बैठक में हिस्सा लिया। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि बैठक में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), अंतरिक्ष, स्वास्थ्य विज्ञान, ऊर्जा और संस्कृति के क्षेत्र में सहयोग मुख्य चर्चा का विषय रहा। उन्होंने कहा, 'तीनों देशों के साझा हित और एक-दूसरे की पूरक क्षमताएं सहयोग के व्यापक अवसर उपलब्ध कराती हैं। तीनों पक्षों ने बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए जल्द फिर बैठक करने पर भी सहमति जताई।'

भारत-यूएई-फ्रांस त्रिपक्षीय व्यवस्था के तहत तीनों देश तकनीक, ऊर्जा, अंतरिक्ष और अन्य रणनीतिक क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर काम कर रहे हैं। जयशंकर की हालिया बैठक में एआई और स्वास्थ्य विज्ञान जैसे उभरते क्षेत्रों को भी सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों में शामिल किया गया।

जयशंकर ने नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनल से भी मुलाकात की। दोनों ने दिल्ली में हुई पिछली बैठक (जून) के बाद द्विपक्षीय संबंधों में हुई प्रगति की समीक्षा की। चर्चा में विकास साझेदारी और ऊर्जा सहयोग प्रमुख मुद्दे रहे। नेपाल के विदेश मंत्री ने हाल में आई विनाशकारी बाढ़ के बाद भारत की ओर से मिली एकजुटता और तत्काल सहायता के लिए आभार भी जताया।

भारत और नेपाल के बीच बैठक में दोनों देशों के लंबे समय से चले आ रहे करीबी संबंधों को और मजबूत करने तथा द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया। दोनों पक्षों ने आपसी हित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया।

जयशंकर ने जर्मनी के विदेश मंत्री योहान वाडेफुल के साथ भी मुलाकात की। उन्होंने बताया कि दोनों नेताओं ने यूक्रेन और खाड़ी क्षेत्र में जारी संकटों को लेकर अपने आकलन साझा किए। भारत और जर्मनी जी4 के सदस्य हैं और संयुक्त राष्ट्र तथा अन्य बहुपक्षीय मंचों पर दोनों देशों के बीच सहयोग जारी है।

आईआईटी बॉम्बे में फिर शुरू हुई रेगुलर क्लासेस, कैंपस में कोई विरोध-प्रदर्शन नहीं

विश्व केसरी■



मुंबई। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), बॉम्बे के दूसरे वर्ष के बीटेक छात्र साहिल वाकोडे की आत्महत्या के मामले को लेकर पिछले कई दिनों से छात्र संगठनों द्वारा लगातार विरोध प्रदर्शन किए जा रहे थे और संस्थान विवादों में घिरा हुआ था। इस बीच बुधवार को खबर सामने आई है कि आईआईटी-बॉम्बे में रेगुलर क्लासेस फिर से शुरू हो गई हैं। कैंपस में कोई विरोध-प्रदर्शन नहीं हो रहा है।

आईआईटी-बॉम्बे के कैंपस में 12,000 से ज्यादा छात्र और 700 से ज्यादा फैकल्टी सदस्य हैं, लेकिन अब कैंपस के अंदर कहीं भी कोई विरोध प्रदर्शन नहीं हो रहा है। सिर्फ कुछ ह्यूमैनिटीज के छात्र और एसएफआई के सदस्य कैंपस के बाहर बैठे हैं।

बता दें कि मंगलवार को क्राइम ब्रांच ने साहिल के माता-पिता का बयान दर्ज किया था। क्राइम ब्रांच उनसे और जानकारी लेना चाहती है, इसके लिए उनसे दोबारा पूछताछ की जाएगी। अधिकारी ने बताया कि साहिल के पास आईफोन था और वह लॉक है। इस वजह से उसे खोलने के लिए टेक्निकल हेल्प ली जा रही है। उसके खुलने के बाद ही आगे की जानकारी मिल पाएगी, जैसे कि चैट, जीपीटी हिस्ट्री, ताकि किए गए दावों की जांच की जा सके।

उन्होंने कहा कि आईआईटी बॉम्बे में एससी-एसटी सेल और स्टूडेंट काउंसलिंग सेंटर है, जहां कभी किसी भी विद्यार्थी को कोई परेशानी होती है तो उसकी जानकारी इन दो जगहों में से किसी एक जगह दी जाती है। पुलिस ने बताया कि हम इन दोनों जगहों पर पत्र देकर पूछने वाले हैं कि क्या पहले कभी साहिल ने यहां कोई शिकायत की थी या उसकी काउंसलिंग हुई थी?

इससे पहले सोमवार को आईआईटी बॉम्बे ने सोमवार को उन खबरों का खंडन किया, जिनमें दावा किया गया था कि एक छात्र की आत्महत्या के कारण संस्थान के निदेशक शिरीष बी. केदारे ने इस्तीफा दे दिया है।

पोस्ट ऑफिस धोखाधड़ी मामला :पूर्व सब पोस्ट मास्टर दोषी करार

विश्व केसरी■



अमरावती। विशाखापत्तनम की सीबीआई अदालत ने बुधवार को धोखाधड़ी के एक मामले में दमालापति वेणु गोपाल नायडू को दोषी ठहराया और सजा सुनाई। नायडू आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम डिवीजन के अमादलावलसा एचपीओ के अंतर्गत आने वाले कोत्तुरु सब पोस्ट ऑफिस में पूर्व सब पोस्ट मास्टर (लोअर सिलेक्शन ग्रेड) थे।

सीबीआई ने उन्हें पांच वर्ष की जेल और 7,000 रुपए के जुर्माने की सजा सुनाई है। सीबीआई ने कोत्तुरु, श्रीकाकुलम डिवीजन के सब-पोस्टमास्टर, आरोपी डी. वेणु गोपाल नायडू के खिलाफ 6 मार्च 2020 को यह मामला दर्ज किया था। आरोप था कि 21 फरवरी 2019 से 24 अगस्त 2019 के दौरान आरोपी सब पोस्ट मास्टर डी. वेणु गोपाल नायडू ने बेईमानी और धोखाधड़ी से अपने अधिकार क्षेत्र के तहत सरकारी फंड से 47,95,000 रुपए निकाले और उनका गबन किया।

इस तरह उन्होंने आपराधिक विश्वासघात, धोखाधड़ी, खातों में हेराफेरी और एक सरकारी कर्मचारी द्वारा सरकारी फंड का आपराधिक गबन जैसे अपराध किए। जांच पूरी होने के बाद सीबीआई ने 31 दिसंबर 2020 को आरोपी के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की। वहीं, ट्रायल के बाद अदालत ने आरोपी को दोषी ठहराया और उसी के अनुसार सजा सुनाई।

अपराधियों के खिलाफ सीबीआई की ओर से कार्रवाई का एक दूसरा मामला मंगलवार को जयपुर से सामने आया, जहां बैंक फ्रॉड के एक मामले में जयपुर की सीबीआई कोर्ट ने बड़ी कार्रवाई की। कोर्ट ने ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स (ओबीसी) के तीन लोक सेवकों को 7 वर्ष की सश्रम कारावास की सजा सुनाई है।

सजा पाने वाले अधिकारियों में रामजी लाल मीणा (तत्कालीन ब्रांच मैनेजर), मुरारी लाल मीणा (तत्कालीन स्पेशल असिस्टेंट) और थान सिंह लश्कर (तपरासी कम हाउसकीपर) शामिल हैं।

ये तीनों ओबीसी की श्योसिंहपुरा, लालसोट और दौसा ब्रांच में तैनात थे। कोर्ट ने तीनों पर 85,000-85,000 रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

सीबीआई ने इस मामले में 1 फरवरी 2019 को केस दर्ज किया था। यह केस ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स के तत्कालीन डिप्टी जनरल मैनेजर की शिकायत पर दर्ज हुआ था। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि मुरारी लाल मीणा ने अपने पद का गलत इस्तेमाल किया। उन्होंने बेईमानी से बिना अधिकार के 'नो ड्यूज सर्टिफिकेट' जारी कर दिए।

2030 तक हेपेटाइटिस 'बी' और 'सी' को खत्म करने के लिए भारत प्रतिबद्ध, यूएनजीए में दोहराया संकल्प

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। भारत ने 2030 तक वायरल हेपेटाइटिस से निपटने और हेपेटाइटिस 'बी' और 'सी' को जन स्वास्थ्य के खतरे के रूप में खत्म करने की अपनी प्रतिबद्धता को फिर से दोहराया है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने 'एक्स' पर पोस्ट करके यह जानकारी दी। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने यूएनजीए 81 के साइड इवेंट 'एडवांसिंग ग्लोबल एक्शन टू एलिमिनेट हेपेटाइटिस' को संबोधित किया। यह कार्यक्रम हेपेटाइटिस को खत्म करने के लिए यूएन ग्रुप ऑफ फ्रेंड्स द्वारा आयोजित किया गया था।

स्वास्थ्य सचिव ने हेपेटाइटिस से निपटने पर 2030 के एसडीजी (सतत विकास लक्ष्य) एजेंडा और 2030 तक हेपेटाइटिस 'बी' और 'सी' को जन स्वास्थ्य के खतरे के रूप में खत्म करने के वैश्विक लक्ष्य के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने रोकथाम, स्क्रीनिंग, निदान, उपचार और देखभाल में भारत की व्यापक और लोगों पर केंद्रित प्रतिक्रिया पर प्रकाश डाला।

भारत ने हर स्तर पर अपने प्रयासों को मजबूत किया है। इसमें गर्भावस्था के दौरान स्क्रीनिंग और हेपेटाइटिस 'बी' टीकाकरण से लेकर मुफ्त जांच और इलाज, सुरक्षित रक्त आधान सेवाएं और नशे के लिए इंजेक्शन लेने वाले लोगों के लिए परामर्श और पुनर्वास सहायता शामिल है।

इन प्रयासों का पैमाना आंकड़ों में दिखता है। भारत में 22.5 करोड़ से ज्यादा लाभार्थियों की स्क्रीनिंग की जा चुकी है जबकि 6,52,000 से ज्यादा मरीजों को मुफ्त इलाज मिला है। पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने 2030 के लक्ष्यों की दिशा में प्रगति में तेजी लाने के लिए निरंतर वैश्विक सहयोग, रोकथाम, जांच और उपचार तक समान पहुंच और मजबूत स्वास्थ्य प्रणालियों के महत्व पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि भारत वायरल हेपेटाइटिस से निपटने और 2030 तक इसे जन स्वास्थ्य के खतरे के रूप में खत्म करने के लिए समन्वित, सुलभ और समान कार्रवाई को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

मध्य प्रदेश में प्रताड़ना और अत्याचार के मामलों पर महिला आयोग सख्त

विश्व केसरी■



भोपाल। मध्य प्रदेश में दहेज प्रताड़ना, घरेलू हिंसा और अन्य अत्याचारों के मामले में राज्य महिला आयोग का सख्त रवैया है। महिला आयोग के अध्यक्ष रेखा यादव ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

राज्य महिला आयोग की संयुक्त बेंच ने बुधवार को महिलाओं से जुड़े विभिन्न गंभीर मामलों की सुनवाई की। बेंच के समक्ष कुल 38 प्रकरणों में आवेदक और अनावेदक उपस्थित हुए। इनमें महिला प्रताड़ना, दहेज प्रताड़ना, घरेलू अत्याचार, बलात्कार, यौन शोषण, हिंसा, हत्या और विभागीय विवाद सहित अन्य मामले शामिल थे।

आयोग की अध्यक्ष रेखा यादव, सदस्य साधना स्थापक ने प्रकरणों की सुनवाई करते हुए संबंधित मामलों में आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। सुनवाई के दौरान महिला प्रताड़ना के 10, दहेज प्रताड़ना के पांच , घरेलू अत्याचार के पांच और बलात्कार के तीन प्रकरण सामने आए। इसके अलावा, मारपीट, विभागीय प्रकरण, पारिवारिक विवाद, हत्या, यौन शोषण, हिंसा और अन्य श्रेणी से संबंधित एक-एक प्रकरण की भी सुनवाई हुई।

आयोग ने दोनों पक्षों की बात सुनने के बाद प्रकरणों की प्रकृति के अनुसार संबंधित अधिकारियों से आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। संयुक्त बैंच के समक्ष कार्यस्थल प्रताड़ना से जुड़ा एक मामला आया।

संपादकीय

'पुस्तकालय का महत्व'



विवेक रंजन श्रीवास्तव

विद्यालय ज्ञान और शिक्षा के मंदिर होते हैं। किताबें ज्ञान की देवी का साक्षात् स्वरूप हैं। वे मनुष्य के भीतर जिज्ञासा जगाती हैं। विचारों को दिशा देती हैं। अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाती हैं। विद्यालय का पुस्तकालय इसी ज्ञान-परंपरा का पवित्र केंद्र है। यह केवल पुस्तकों से भरी अलमारियों वाला कमरा नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के सपनों, संवेदनाओं और व्यक्तित्व के निर्माण की कर्मभूमि होता है।

किशोरावस्था जीवन का वह पड़ाव है, जब मन अनेक प्रश्नों से घिरा होता है। पहचान की तलाश होती है। शारीरिक परिवर्तन से भावनाएँ तीव्र होती हैं। भविष्य को लेकर सपने भी होते हैं और आशंकाएँ भी। ऐसे समय में पुस्तकालय किशोर मन का सच्चा साथी बन सकता है। अच्छी पुस्तकें उसे स्वयं को समझने में मदद करती हैं। वे सही और गलत के बीच अंतर करने की दृष्टि देती हैं। संघर्षों से जूझने का साहस जगाती हैं। अकेलेपन में आत्मीय संग देती हैं।

किशोरों के लिए पुस्तकालय का महत्व केवल शैक्षिक उपलब्धियों तक सीमित नहीं है। यह उनके व्यक्तित्व को गढ़ने वाला महत्वपूर्ण माध्यम है। जीवनी पढ़कर वे महान व्यक्तियों के संघर्षों से परिचित होते हैं। साहित्य पढ़कर दूसरों के सुख-दु:ख को समझते हैं। विज्ञान पढ़कर प्रश्न पूछना सीखते हैं। इतिहास उन्हें अतीत के अनुभवों से जोड़ता है। दर्शन और विचारपरक पुस्तकें जीवन के अर्थ पर सोचने का अवसर देती हैं। इस प्रकार विद्यालय का पुस्तकालय उनके भीतर संवेदना, तर्क, कल्पना और आत्मविश्वास का विकास करने वाला सबसे सुलभ साधन होता है।

पुस्तकें दिशा-दर्शक होती हैं। किशोर मन तात्कालिक आकर्षणों, सामाजिक दबावों और भ्रमों से प्रभावित होता है। प्रेरक सद साहित्य उसे लक्ष्य निर्धारित करने में सहायता करता है। श्रेष्ठ चरित्रों का परिचय जीवन-मूल्यों को समझने का अवसर देता है। पुस्तकें किसी पर विचार थोपती नहीं, बल्कि विचार करने की क्षमता विकसित करती हैं। यही स्वतंत्र चिंतन आगे चलकर जिम्मेदार निर्णयों का आधार बनता है।

पुस्तकालय मनोरंजन का सुंदर और सार्थक संसार भी है। कहानी, कविता, हास्य साहित्य, रोमांचक उपन्यास और यात्रा-वृत्तांत किशोरों को आनंद देते हैं। पढ़ते हुए वे कल्पना के नए लोक में प्रवेश करते हैं। कभी किसी पात्र के साथ हँसते हैं। कभी उसके दु:ख में सहभागी बनते हैं। कभी किसी अनजान देश की यात्रा कर आते हैं। ऐसा मनोरंजन मन को विश्राम देता है और भाषा तथा कल्पना को समृद्ध करता है। पढ़ने की आदत धीरे-धीरे मोबाइल और अन्य त्वरित मनोरंजन के बीच संतुलन बनाने में भी सहायक हो सकती है।

विद्यालय के पुस्तकालय में सामग्री का चयन अत्यंत सावधानी से होना वहाँ पाठ्यपुस्तकों के साथ संदर्भ ग्रंथ, विश्वकोश, विज्ञान और इतिहास की पुस्तकें, हिंदी तथा अन्य भारतीय भाषाओं का साहित्य, बाल एवं किशोर उपन्यास, कविता-संग्रह, जीवनी, यात्रा-वृत्तांत, कला और संस्कृति संबंधी पुस्तकें उपलब्ध हों। पर्यावरण, संविधान, नागरिक अधिकार, नैतिक शिक्षा, करियर मार्गदर्शन और मानसिक-सामाजिक विकास से जुड़ी आयु-उपयुक्त सामग्री भी होनी चाहिए। समाचार-पत्र, विश्वसनीय पत्रिकाएँ, चित्र-पुस्तकें, ई-पुस्तकें और उपयोगी डिजिटल संसाधन पुस्तकालय को अधिक व्यापक बना सकते हैं। सामग्री में विविधता, विश्वसनीयता, समावेशिता और किशोरों की रुचियों का ध्यान रखना आवश्यक है।

डिजिटल युग में पुस्तकालय की भूमिका और भी व्यापक हो गई है। इंटरनेट ने ज्ञान तक पहुँच आसान की है, लेकिन हर सूचना प्रमाणिक नहीं होती। पुस्तकालय विद्यार्थियों को विश्वसनीय स्रोतों की पहचान करना सिखा सकता है। डिजिटल संसाधनों के साथ मुद्रित पुस्तकों का संतुलित उपयोग अध्ययन को अधिक प्रभावी बनाता है। तकनीक का उद्देश्य पढ़ने की आदत को समाप्त करना नहीं, बल्कि ज्ञान की संभावनाओं को विस्तार देना होना चाहिए।

एक आदर्श पुस्तकालय वह है, जहाँ विद्यार्थी अपनी रुचि के अनुसार पुस्तक चुन सके। जहाँ प्रश्न पूछने की स्वतंत्रता हो। जहाँ पढ़ने को परीक्षा का दबाव नहीं, आनंद का अनुभव माना जाए। पुस्तक परिचर्चा, वाचन, पुस्तक समीक्षा, कहानी लेखन और साहित्यिक संवाद जैसी गतिविधियाँ पठन-संस्कृति को जीवंत बना सकती हैं। शिक्षक और पुस्तकालयाध्यक्ष विद्यार्थियों को उपयुक्त पुस्तकें चुनने में मार्गदर्शन दें, तो पुस्तकालय और अधिक प्रभावी बन सकता है।

पुस्तकालय समान अवसरों का माध्यम भी है। हर विद्यार्थी के घर में पर्याप्त पुस्तकें या अध्ययन-सुविधाएँ उपलब्ध नहीं होतीं। विद्यालय का पुस्तकालय उन्हें ज्ञान और कल्पना की दुनिया तक पहुँच प्रदान करता है। यह सामाजिक और आर्थिक अंतर को कम करने की दिशा में सार्थक योगदान दे सकता है।

वास्तव में पुस्तकालय विद्यार्थी को केवल पाठ याद करना नहीं सिखाता। वह उसे जीवन पढ़ना सिखाता है। पुस्तकें उसके विचारों को गहराई देती हैं। संवेदनाओं को विस्तार देती हैं। व्यक्तित्व में विनम्रता और विवेक का विकास करती हैं।

अगर अमेरिका ने सौ प्रतिशत का टैरिफ थोपा तो !



उमेश चतुर्वेदी

अमेरिकी संसद के दोनों सदनों से 'सैंक्शनिंग रशा एंड ईरान एक्ट' के पारित होने को लेकर देश में आशंकाओं के बादलों का उठना स्वाभाविक है। आज जिस आर्थिकी और विश्व व्यवस्था को तकरीबन पूरी दुनिया ने अपना रखा है, उसकी वजह से पूरी दुनिया को लगता है कि अमेरिका के सहयोग के बिना वह एक कदम आगे नहीं रख सकती। वैश्विक आर्थिकी में डालर के वर्चस्व के चलते ज्यादातर देशों को लगता है कि अगर अमेरिका की आंखें टेढ़ी हुईं तो उस पर महाविपत्ति आ जाएगी। इसी सोच का ही असर है कि इस अधिनियम के पारित होने के बाद भारत के प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस की नजर में भारतीय विदेश नीति नाकाम नजर आने लगी है। सैद्धांतिक रूप से भारतीय वामपंथी इकोसिस्टम अमेरिका का हर पल खुला विरोध करता है, लेकिन उसे भी अमेरिकी टैरिफ कानून भारतीय हित के खिलाफ नजर आ रहा है। इन सबके बीच भारत सरकार की प्रतिक्रिया संतुलित और सधी हुई है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि भारत अपनी 140 करोड़ की आबादी की ऊर्जा सुरक्षा के लिए दृढ़ है। जाहिर है, भारत को झुकाने की सोच रखने वाले ट्रंप प्रशासन को ऐसी प्रतिक्रिया की उम्मीद नहीं रही होगी। ऐसे में अमेरिका के अगले कदम पर निगाह रखना ज्यादा जरूरी हो जाता है।

प्रवासीनेटवर्क जुड़ें

रूस और ईरान से अगर भारत द्वारा तेल खरीदने का बुनियादी लक्ष्य रूस- यूक्रेन युद्ध को बढ़ावा देना या ईरान-इजरायल युद्ध में अमेरिका और इजरायल का विरोध नहीं है। दरअसल भारत मौजूदा माहौल में अपनी भारी-भरकम जनसंख्या के लिए किफायती ऊर्जा सुरक्षा को संरक्षित कर रहा है। इसलिए भारत का न झुकना देश के विपक्षी दलों और अमेरिकी सरकार के लिए हैरतअंगेज भले ही हो, भारतीय हितों के अनुकूल नहीं है। वैसे जब से ट्रंप ने अमेरिकी राष्ट्रपति का पद संभाला है, अपने ऊल-जलूल फैसलों के लिए ही वे जाने गए हैं। यह पहला मौका नहीं है कि उन्होंने इस कानून के जरिए भारत को दबाने की कोशिश की है। बीते साल एक अगस्त 2025 से उन्होंने भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत का टैरिफ लगा दिया था। जिससे उनके ही बाजार में भारतीय वस्तुएं और सामान महंगे होने लगे थे। तब चालाकी दिखाते हुए ट्रंप प्रशासन ने फार्मास्युटिकल्स को इस टैरिफ से अलग रखा था। इसकी वजह यह है कि भारत से अमेरिका आने वाली दवाएं सस्ती पड़ती हैं। भारतीय रत्न और आभूषणों पर टैरिफ लगाने का बहुत असर नहीं पड़ा था। क्योंकि रत्न और आभूषण स्वभाव से ही महंगे होते हैं और उन्हें खरीदने वाले लोगों के लिए इनकी महंगाई मायने नहीं रखती। ठीक वैसे ही, जैसे भारत में महंगा होने के बावजूद सोने की खरीद-बिक्री पर असर नहीं पड़ा है। भारतीय सामान जब बढ़े टैरिफ के चलते अमेरिकी बाजार में महंगे होने लगे तो अमेरिका में भी ट्रंप प्रशासन के इस फैसले के खिलाफ सवाल उठने लगे। तब तक अमेरिकी प्रशासन को भी समझ आने लगा था कि उसने कैसा कदम उठाया है। इसका



असर यह हुआ कि फरवरी 2026 में ट्रंप प्रशासन को टैरिफ में कटौती करनी पड़ी।

पश्चिमी एशिया का हालिया संकट अमेरिका की ही देन है। जब से यह संकट बढ़ा है, भारत ने रूस से तेल की खरीददारी बढ़ा दी है। यह भारत की मजबूरी भी है। बीती जुलाई में भारत ने अपने कुल तेल आयात का 51.4 प्रतिशत तेल अकेले रूस से खरीदा था। रूस से तेल खरीद का भारतीय मकसद मौजूदा हालात में अपने लिए किफायती दरों पर तेल हासिल करना है। भारत का यह अधिकार है और मौजूदा हालात में अगर भारत झुकता है तो इसे भारतीय नागरिक शायद ही पसंद करेगा।

भारत की तुलना में चीन ना सिर्फ रूस, बल्कि ईरान से भी भारी मात्रा में तेल खरीद रहा है। रूस से तेल खरीदना उसके लिए ज्यादा आसान और सस्ता है। चूंकि दोनों देशों की सीमाएं मिलती हैं और तेल की आपूर्ति पाइपलाइन के जरिए आसानी से होती है, इसलिए चीन भी टैरिफ युद्ध के निशाने पर होने के बावजूद तेल खरीद से पीछे नहीं हट रहा तो फिर हमें ही क्यों पीछे रहना चाहिए। इसमें दो राय नहीं कि अगर अमेरिकी राष्ट्रपति इस कानून के तहत भारत पर सौ प्रतिशत टैरिफ थोपते हैं तो भारत से अमेरिका को होने वाले निर्यात को बड़ा झटका लग सकता है। जानने की बात है कि भारत से अमेरिका भेजे जाने वाले सामानों में टेक्सटाइल्स, रत्न और आभूषण, आटोमोबाइल और इंजीनियरिंग उत्पाद ज्यादा है। टैरिफ अगर बढ़ेगा तो अमेरिकी बाजार में इनकी कीमतें महंगी होंगी, जिससे उनकी मांग घट सकतकी है। इससे भारतीय निर्यातकों को नुकसान हो सकता है। कुछ जानकारों को लगता है कि इससे रूस से जारी तेल खरीद से मिल रही अरबों रूपए की राहत खटाई में पड़ सकती है। यहां ध्यान देने की बात यह भी है कि भारत, अमेरिका से व्यापार समझौते को लेकर बातचीत जारी रखे हुए है। अगर सौ प्रतिशत टैरिफ लागू किया जाता है तो इस प्रस्तावित व्यापार समझौते में अड़चन आ सकती है। हो सकता है कि यह बातचीत ही खटाई में पड़ जाए।

बेशक अमेरिका भारत का बड़ा कारोबारी साझीदार है। लेकिन मोदी के 2024 में सत्ता में आने के बाद से अब तक करीब चालीस देशों से मुक्त व्यापार समझौता किए जा चुके हैं। भारत ने हाल ही में यूरोपीय संघ से भी ऐसा समझौता किया है। भारत का मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात, ऑस्ट्रेलिया, यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ, ब्रिटेन, ओमान, न्यूजीलैंड आदि से मुक्त व्यापार समझौते या व्यापक आर्थिक साझेदारी का समझौता कर चुका है। भारत सरकार के ही आंकड़ों के अनुसार, पिछले कुछ वर्षों में भारत ने अपने कारोबारी नेटवर्क का विस्तार करते हुए नौ बड़े मुक्त व्यापार समझौते भी किए हैं। यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ यानी ईएफटीए में आइसलैंड, लिकटेंस्टीन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड शामिल हैं। इसी तरह भारत ने आसियान देशों, जापान, दक्षिण कोरिया और साफ्टा के सदस्य देशों के साथ पारंपरिक कारोबारी समझौता कर चुका है। अगर अमेरिका भारत पर टैरिफ थोपता है तो देश को चाहिए कि इन देशों के जरिए कारोबार को बढ़ावा दे। वैसे भी टैरिफ थोपने की दशा में भारतीय कारोबारी दूसरे देशों के जरिए अमेरिका में अपना माल भेज सकते हैं। उम्मीद कर सकते हैं कि सरकार भी ऐसी राह तलाशने की कोशिश में जुटी होगी। फिर भारतीय अर्थव्यवस्था भी पहले जैसी नहीं रही, इसलिए हताश और चिंतित होने की जरूरत नहीं है, भारत को अमेरिकी बाजार में घुसने के लिए वैकल्पिक राहों की तलाश तेज करनी होगी।

अपराध और अपराधी की जाति क्यों न पूछो?

राकेश अचल

बार-बार कहा जाता है कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता और अपराध की कोई जाति नहीं होती. कहने का मतलब सिर्फ इतना होता है कि अपराध व्यक्ति करता है, समुदाय नहीं. फिर भी बिहार के जमुई में नाबालिग छात्रा और उसके साथी छात्र के साथ सरेआम छेड़खानी की घटना का वीडियो वायरल होते ही चर्चा अपराध से हटकर आरोपियों की जाति पर आ गई.

हमारे यहाँ जातिवाद चरम पर है किंतु हम ही साधुओं से उनकी जाति पूछने का निषेध भी करते हैं.कबीर ने तो जोर-जोर से कहा कि-

जाति न पूछो साधु की, पूछ लीजिए ज्ञान।
मोल करो तरवार का, पड़ा रहन दो म्यान॥

दुर्भाग्य ये है कि हमारा समाज, कानून और राजनीति सबसे पहले जाति ही पूछती है. राजनीति की धुरी ही जाति है. राजनीतिक दल टिकट और पद जाति के आधार पर ही देते हैं. इस मामले में कोई भी दूध का धुला नहीं. न दिमागी नक्सल और न दिमागी पैदल. जाति विहीन समाज की कल्पना तो किसी ने की ही नहीं. जातीय श्रेष्ठता देश की सीमाएं तोडकर आज तमाम युद्धों का कारण भी है.



बात अपराधियों की जाति की चल रही है. अंग्रेजों ने बाकायदा देश में कुछ जातियों को जरायम पेशा के रूप में चिन्हित किया.जरायम पेशा जातियाँ वे समुदाय थे जिन्हें ब्रिटिश भारत सरकार ने क्रिमिनल ट्राइब्स एक्ट, 1871के तहत जन्मजात अपराधी माना था. ये कानून ब्रिटिश शासन का विरोध करने वाले और घुमंतू समुदायों पर नियंत्रण रखने के लिए बना था.

इस कानून के तहत बच्चों का जन्म होते ही थाने में नाम दर्ज, नियमित हाजिरी और आवाजाही पर पाबंदी थी.इस कानून और बाद की कमेटियों (1949) में 120 से 600+ उप-समूह/जातियाँ शामिल थीं.

मीणा (विशेषकर राजस्थान में 1930 से दमन)पासी, केवट, मल्लाह, भर/राजभर, बंजारा, लोध, कहारकंकाली, सपेरा और अन्य घुमंतू व विमुक्त जातियाँ थीं. इस काले कानून को हालांकि

समाप्त कर दिया गया लेकिन 31 अगस्त 1952 को इन्हें इस सूची से मुक्त किया गया अब इन्हें अब विमुक्त, घुमंतू और अर्ध-घुमंतू जनजाति कहा जाता है.

दुर्भाग्य देखिए कि देश में ही नहीं दुनिया में भी अब एक जाति विशेष को आतंकवादी करार दे दिया गया है. वो भी बिना कानून के. इसी तरह जिस सूबे में जिस जाति का मुख्यमंत्री बनता है वहाँ मुख्यमंत्री की जाति के लोगों को सत्ता का संरक्षण मिलता है और वे जरायम पेशा बन जातीं हैं.

ये महज संयोग नही है कि जमुही कांड का मुख्य आरोपी नंदन यादव जाति से है. आरोपियों के नामों के साथ यादव शब्द जुड़ते ही राजनीति तेज हो गई. यह बहस अब सिर्फ सिद्दार्थ चौधरी के बिहार तक सीमित नहीं रही. जाहिर है कि इसकी आंच उत्तर प्रदेश की राजनीति में भी महसूस होने वाली है। भारतीय राजनीति में अपराध को जाति से जोड़कर वोट साधने की पुरानी रवायत रही है. बिहार में इस शर्मनाक घटना को सत्तारूढ़ पक्ष ने इसे लालू यादव और यादव राज से जोड़ने की कोशिश की है।

बोध कथा

दुर्भाग्य का मुकाबला

लगभग ढाई सौ साल पहले की घटना है। जापान में हवाना होकीची नामक एक बालक का जन्म हुआ। सात वर्ष की उम्र में चेचक के कारण बालक की आंखों की रोशनी चली गई। अब उसके जीवन में बिल्कुल अंधेरा हो गया था।

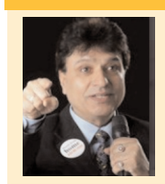
स्प्रेडशीट टूल शोधा

कुछ दिनों तक तो होकीची इस दुर्भाग्यपूर्ण परिवर्तन को समझ नहीं पाया। लेकिन जैसे-जैसे दिन बीतते रहे, वैसे-वैसे होकीची ने अपनी परिस्थति से समझौता कर लिया और मन में ठान लिया कि किसी भी कीमत पर हार नहीं माननी है। बालक ने पढ़ना आरंभ किया। धीरे-धीरे उसे पुस्तकों से गहरा प्रेम हो गया। पुस्तकें ही होकीची की आंखें थीं, जो उसे जीवन की राह दिखाती थीं। वह पुस्तकों को दूसरों से पढ़वा कर ज्ञान अर्जित करता था। आजीवन उसने अपना अध्ययन जारी रखा। दूसरों से पुस्तकें पढ़वा-पढ़वा कर होकीची का ज्ञान भंडार असीमित हो चुका था। फिर उन्होंने अपने ज्ञान को एक पुस्तक के रूप में समेटना चाहा। जब यह बात एक राष्ट्रीय संस्था को मालूम हुई तो उसने होकीची के ज्ञान को पुस्तक रूप में लिखवाया।

होकीची ने बोलकर संपूर्ण पुस्तक को लिखवा दिया। राष्ट्रीय संस्था को हवाना होकीची द्वारा लिखवाई गई पुस्तक अत्यंत महत्वपूर्ण नजर आई। उसने उसके आधार पर एक विश्वज्ञान कोश प्रकाशित किया। यह विश्वज्ञान कोश दो हजार आठ सौ बीस खंडों में प्रकाशित हुआ। विश्व इतिहास में आज तक इससे अधिक तथ्यपूर्ण पुस्तक संभवत: कोई प्रकाशित नहीं हुई। होकीची ने हिम्मत नहीं हारी। उन्होंने अपने जीवन को एक सार्थक मोड़ पर पहुंचाया और आत्मविश्वास के बल पर एक सौ एक वर्ष तक जिंदा रहे। उन्होंने अपनी शारीरिक कमी को अपनी ताकत बनाकर अपने दुर्भाग्यपूर्ण जीवन को महान बना लिया। उनका जीवन दूसरों के लिए एक मिसाल बन गया। उन्होंने साबित किया कि संकल्प से हर तरह की मुश्किलों को आसान बनाया जा सकता है।

कविता

सिर्फ लड़की होना गुनाह नहीं



यश ओबेरॉय

सिर्फ लड़की होना गुनाह नहीं
अकेले चलना भी गुनाह नहीं
किसके साथ है ये सवाल क्यों
उसकी राह पर पहरा क्यों

स्त्री कोई अबला नहीं,
स्त्री कोई वस्तु नहीं।
उसकी मर्ज़ी, उसकी गरिमा,
उसका जीवन उसका अधिकार

और जब भीड़ के बीच
कोई हाथ बढ़े स्त्री के अपमान के लिए
तो कोई एक हिम्मत, एक आवाज़ उठे
खबरदार! बस, अब और नहीं

उस दिन एक लड़का खड़ा था
उम्र छोटी थी, हौसला बड़ा
डर सकता था, हट सकता था
लेकिन वह डटकर खड़ा रहा

उसने सिर्फ एक लड़की का नहीं
हम सबके संस्कारों का मान रखा
उस साहस को मेरा सलाम
जो नामर्दों के सामने शौर्य बन खड़ा रहा

कानून सख्ती से अपना काम करे
समाज भी अपनी जिम्मेदारी समझे
ऐसे दुस्साहस का विरोध हो
और हर बेटी बेखौफ चले

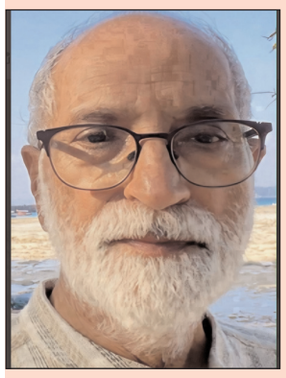
स्त्री की गरिमा पर सवाल नहीं
सवाल हमारी सोच पर है
चुप रहना भी अपराध है
क्योंकि अगली बारी तुम्हारी हो सकती है

'सूरा सो पहचानिए, जो लड़े दीन के हेत
'

जमुई की घटना फिर याद दिलाती है
द्रौपदी का चीरहरण भले इतिहास हुआ
पर कौरव आज भी ज़िंदा हैं
बस चेहरे बदल गए हैं।

व्यंग्य केसरी

जीवन-मरण का सवाल!



डॉ. रामेश्वरम तिवारी

जबसे मूढ़मति राजकुमार ने सूरदास का लिखा हुआ पद- 'मैया मैं तो चंद खिलौना लैहों...।' राह चलते किसी गवैये के मुँह से सुना है, तबसे वह रात-दिन पागलों की तरह अपनी माँ के पीछे- 'मुझे चाँद चाहिए... मुझे चाँद चाहिए' कि रट लगाए फिरता है।

उसकी माँ जोकि कभी राज महिषी रही है, ने अपने अधीनस्थों को हुक्म दिया कि मेरे होनहार राजकुमार के लिए कहीं से भी, किसी भी क़ीमत पर चाँदी की तश्तरी में चाँद को पेश किया जाए। बेचारे हुक्मबरदारों ने हर हथकंडा अपनाया, पर चाँद को धरा पर उतार लाने पर असफल रहे।

दर-बदर मरने-खपने, माथा-पच्ची करने के बाद भी जब उनको कोई युक्ति नहीं सूझी, तो उन्होंने सोचा राजकुमार को असली चाँद की जगह उसकी परछाई दिखाकर भ्रमित कर दिया जाए। इसके लिए उन्होंने एक बड़े से तसले का इंतज़ाम किया, उसमें पानी भरा और एक रात को राजकीय उद्यान में पहुँच गए।

जैसे ही अर्द्ध रात्रि हुई, सिर के ऊपर पूर्णिमा का स्वच्छ, निर्मल चाँद दिखाई दिया। हुक्मबरदारों के मुखिया ने राजकुमार को तसले में भरे पानी में झिलमिलाती हुई चाँद की परछाई की ओर इंगित करते हुए कहा- 'हुजूर, माई-बाप। यह रहा आपका चाँद, पर आप इसे देख भर सकते हैं, छू नहीं सकते हैं।'

दुनिया की नज़र में राजकुमार पागल जरूर था, पर इतना भी नहीं था कि उसे असली-नक़ली की परख न हो। वह पानी के तसले को औंधा करते हुए चीखा- 'क्या तुमने मुझे बच्चा समझ रखा है। मुझे सब पता है, यह चाँद नहीं उसकी परछाई है। मैं कोई कृष्ण-कन्हैया हूँ जो यशोदा मैया की तरह मुझे तुम बहला-फुसला लोगे। मुझे असली वाला चाँद चाहिए।' बात राजमाता तक पहुँचती उसके पहले ही सारे हुक्मबरदार राजकुमार को अकेला छोड़कर नौ दो ग्यारह हो गए। वहीं राजकुमार जड़ भरत की तरह बैठा हुआ रात भर एकटक चाँद को आसमान में तकता रहा।

अल्लसुबह राजमाता को पता चला कि रात को राजकुमार के साथ बड़ा खेला हो गया है। उसने तत्काल अपने विश्वस्त दरबारियों की बैठक आहूत की और बताया कि राजकुमार को किसी भी हाल में चाँद मुहैया करवाया जाए। दरबारियों ने काफ़ी सोच-विचार के बाद एक प्रस्ताव तैयार किया और साहस कर राजमाता के समक्ष उपस्थित हुए। निवेदन की मुद्रा में बोले- 'महारानी साहिबा चाँद को आम आदमी ने चुरा लिया है। अत: उसको फिर से हासिल करने के लिए उसके शतरंज के प्यादों में फूट डालकर उन्हें अपने पक्ष में करना होगा, तभी राजकुमार की चाँद की दिली तमन्ना पूरी हो सकती है।'

राजमाता ने हरी झंडी देते हुए कहा- 'मेरी ओर से झूठ-मूठ के आरोप लगाने से लेकर गाली-गलौच का यानी हर प्रकार का हथकंडा अपनाने की पूरी छूट है। कुछ भी करो, पर हर हाल में मुझे चाँद चाहिए। चूँकि मेरे बेटे के जीवन-मरण का सवाल है।'

इतिहास

24 सितंबर का दिन भारतीय और विश्व इतिहास में अंतरिक्ष की ऐतिहासिक सफलताओं, प्रमुख हस्तियों के जन्म और महत्वपूर्ण प्रशासनिक बदलावों के लिए जाना जाता है।

24 सितंबर की प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएँ2014: भारत के अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने इतिहास रचते हुए अपने पहले ही प्रयास में मंगल अभियान (Mars Orbiter Mission - मंगलयान) को सफलतापूर्वक मंगल ग्रह की कक्षा में स्थापित किया। इसके साथ ही भारत अपने पहले प्रयास में यह उपलब्धि हासिल करने वाला दुनिया का पहला देश बना।

2009: अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने चंद्रयान-1 के डेटा के आधार पर चंद्रमा की सतह पर पानी होने की आधिकारिक पुष्टि की थी।1948: जापान की मशहूर वाहन निर्माता कंपनी Honda Motor Company की स्थापना हुई थी।

अव्यवस्था में तिमाही परीक्षा: ब्लैकबोर्ड पर लिखे गए प्रश्न

नौवीं से बारहवीं तक की परीक्षा में अव्यवस्था

विश्व केसरी■

बिलासपुर (सुरेश सिंह बैस)। बिलासपुर। जिले के साथ प्रदेशभर के सरकारी स्कूलों में सोमवार से शुरू हुई तिमाही परीक्षाओं की व्यवस्था सवालों के घेरे में आ गई है। परीक्षा के पहले ही दिन कई स्कूलों में विद्यार्थियों को प्रश्नपत्र उपलब्ध कराने के बजाय शिक्षकों ने ब्लैकबोर्ड पर प्रश्न लिखकर परीक्षा कराई। विद्यार्थियों ने अपनी कॉपियों के पन्ने फाड़कर उत्तर पुस्तिकाएं तैयार कीं और उन्हीं पर प्रश्नों के उत्तर लिखे।

प्रश्नपत्र छपवाने के लिए नहीं मिला फंड, शिक्षकों ने बोर्ड पर लिखे सवाल

स्थिति यह रही कि नौवीं से बारहवीं तक की तिमाही परीक्षा के लिए प्रश्नपत्रों की पर्याप्त व्यवस्था नहीं हो सकी। कई स्कूलों में शिक्षक ब्लैकबोर्ड पर प्रश्न लिखते रहे और विद्यार्थी उसे देखकर अपनी उत्तर पुस्तिका में उतारते रहे। इससे परीक्षा की निर्धारित प्रक्रिया और उसकी गंभीरता पर सवाल खड़े हो गए हैं।

पहले मिलता था प्रति विद्यार्थी 120 रुपए का बजट

बताया गया कि पहले तिमाही, छमाही और वार्षिक परीक्षाओं के लिए प्रति विद्यार्थी करीब 120 रुपए का बजट स्कूलों को उपलब्ध कराया जाता था। इसी राशि से प्रश्नपत्रों की छपाई सहित परीक्षा संबंधी व्यवस्थाएं की जाती थीं। बाद में यह राशि शासन की ओर से जिला शिक्षा विभाग के आवंटन में शामिल कर दी गई, लेकिन इस वर्ष प्रश्नपत्रों की छपाई के लिए पर्याप्त राशि उपलब्ध नहीं होने के कारण कई स्कूलों में परेशानी की स्थिति निर्मित हो गई। शिक्षा विभाग ने प्रश्नपत्र उपलब्ध कराने के लिए ब्लॉक स्तर पर शिक्षकों की टीम गठित कर प्रश्नपत्र तैयार कराए। इसके बाद प्रश्नपत्रों की पीडीएफ तैयार कर परीक्षा से पहले संबंधित स्कूलों तक भेजी गई। स्कूलों में शिक्षकों ने ब्लैकबोर्ड पर प्रश्न लिखे और विद्यार्थियों ने उन्हें देखकर अपनी कॉपियों के पन्ने फाड़कर उत्तर पुस्तिका तैयार की।

परीक्षा के दौरान बढ़ी विद्यार्थियों की परेशानी

प्रश्नों को ब्लैकबोर्ड से देखकर उत्तर पुस्तिका में लिखने की व्यवस्था के कारण विद्यार्थियों को परीक्षा के दौरान अतिरिक्त समय और मेहनत करनी पड़ी। पहले प्रश्नपत्र विद्यार्थियों को मिलते थे, जिससे वे प्रश्नों को सुविधानुसार पढ़कर उत्तर लिख सकते थे। इस बार कई जगह पहले प्रश्न बोर्ड पर लिखे गए और फिर विद्यार्थियों को उन्हें अपनी उत्तर पुस्तिका में उतारना पड़ा। सरकारी स्कूलों में परीक्षा को लेकर इस तरह की व्यवस्था से शिक्षकों पर भी अतिरिक्त दबाव पड़ा। उन्हें निर्धारित समय में प्रश्न लिखने के साथ-साथ परीक्षा की निगरानी भी करनी पड़ी।

9वीं से 12वीं तक परीक्षा में एक जैसी स्थिति

जानकारी के अनुसार कक्षा नौवीं से बारहवीं तक की तिमाही परीक्षाएं निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोजित की जा रही हैं। कक्षा नौवीं से आठवीं तक की तिमाही परीक्षा 21 से 26 सितंबर तथा नौवीं से बारहवीं तक की परीक्षा 21 से 30 सितंबर तक चलनी है। परीक्षा के पहले ही दिन प्रश्नपत्र की व्यवस्था को लेकर सामने आई स्थिति ने शिक्षा व्यवस्था की तैयारियों पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

विभाग ने माना;व्यवस्था में सुधार की कोशिश जारी

जिला शिक्षा विभाग के अधिकारियों का कहना है कि प्रश्नपत्र पहले ब्लॉक स्तर पर शिक्षकों की टीम ने तैयार किए। इसके बाद पीडीएफ बनाकर परीक्षा से एक दिन पहले स्कूलों को उपलब्ध कराया गया। स्कूलों में इसी आधार पर परीक्षा आयोजित की जा रही है। अधिकारियों के अनुसार व्यवस्था में सुधार के प्रयास किए जा रहे हैं।

फंड की कमी या व्यवस्था की चूक ?

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब तिमाही परीक्षा की तारीख पहले से निर्धारित थी, तो प्रश्नपत्रों की छपाई और वितरण की व्यवस्था समय रहते क्यों नहीं की जा सकी? यदि परीक्षा के लिए बजट उपलब्ध नहीं था तो वैकल्पिक व्यवस्था पहले से क्यों नहीं बनाई गई? सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को प्रश्नपत्र के बजाय ब्लैकबोर्ड पर लिखे प्रश्न और कॉपियों के फाड़े गए पन्नों पर परीक्षा देने की स्थिति तक पहुंचना शिक्षा व्यवस्था की तैयारियों पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

व्यापारी संघ ने नगर की ज्वलंत समस्याओं को लेकर नगर पंचायत में सौंपा ज्ञापन

विश्व केसरी■



शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। नगर की बदहाल सड़कों, जगह-जगह गड्ढों, नालियों की नियमित सफाई नहीं होने, धूल की समस्या एवं पेयजल व्यवस्था सहित विभिन्न ज्वलंत समस्याओं को लेकर शिवरीनारायण व्यापारी संघ ने मंगलवार को नगर पंचायत कार्यालय पहुंचकर सीएमओ/अध्यक्ष के नाम आवेदन सौंपा। व्यापारियों ने समस्याओं का शीघ्र निराकरण नहीं होने की स्थिति में 25 सितंबर को नगर बंद का आह्वान किया है। व्यापारी संघ के इस आह्वान को सराफा संघ ,सब्जी व्यवसाई संघ ने भी समर्थन देते हुए नगर बंद में शामिल होने की सहमति दी है।

व्यापारियों ने बताया कि आगामी दिनों में नवरात्रि महोत्सव एवं मेला, दशहरा और दीपावली जैसे प्रमुख त्योहार हैं। ऐसे समय में नगर की सड़कों की स्थिति बेहद खराब होने से आम नागरिकों, श्रद्धालुओं एवं व्यापारियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

वर्तमान में शिवरीनारायण-गिधौरी मार्ग, केरा मार्ग एवं खैरताल मार्ग अत्यंत जर्जर स्थिति में हैं। सड़कों पर जगह-जगह गड्ढे होने के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रहा है। वहीं नगर में धूल की समस्या भी गंभीर बनी हुई है। व्यापारियों का कहना है कि नगर का अधिकांश हिस्सा धूल के गुबार में समा गया है तथा नालियों की नियमित सफाई नहीं होने से गंदगी की समस्या बढ़ रही है।

व्यापारियों ने पेयजल व्यवस्था को लेकर भी चिंता जताई। उनका कहना है कि कुछ क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति के दौरान नाली का गंदा पानी आने की शिकायतें सामने आ रही हैं। अमृत जल जीवन मिशन के तहत नगर में पाइपलाइन बिछाने का कार्य जारी है, लेकिन साफ-सफाई एवं मूलभूत व्यवस्थाओं पर भी समान रूप से ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है।

व्यापारी संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि इन समस्याओं के शीघ्र निराकरण को लेकर कुछ दिन पूर्व एसडीएम एवं तहसीलदार के समक्ष भी आवेदन देकर त्वरित कार्रवाई की मांग की गई थी। इसके बाद मंगलवार को नगर पंचायत में सीएमओ के नाम आवेदन सौंपकर समस्याओं के तत्काल समाधान की मांग की गई है।

व्यापारियों ने स्पष्ट किया कि यदि समय रहते समस्याओं के समाधान की दिशा में ठोस कार्रवाई नहीं की जाती है, तो 25 सितंबर को नगर बंद किया जाएगा।

इस अवसर पर पार्थ के.वा.,मोनू के.वा., रुपेश के.वा.,रितेश के.वा., बद्री के.वा.,विमल सोनी,संजय यादव,प्रांशु के.वा.,सनी गुप्ता,सत्रुघन सोनी,शिवशंकर सोनी,सुधांशु तिवारी , अजितसेन तिवारी,हरि के.वा., उग्रेश्वर गोपाल केवट, पिंटु भट्ट सहित अनेक व्यापारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कोतवाली जमीन बिक्री मामले में जांच तेज, भू-अभिलेख से मांगी विस्तृत रिपोर्ट

विश्व केसरी■

बेमेतरा (अनिल त्रिपाठी)। कोतवाली जमीन की खरीदी-बिक्री और रजिस्ट्री से जुड़े मामले में कलेक्टर द्वारा गठित जांच कमेटी ने जांच की प्रक्रिया शुरू कर दी है। जांच के पहले चरण में राजस्व से जुड़े विभागों से रिकॉर्ड और दस्तावेज जुटाए जा रहे हैं। भू-अभिलेख शाखा से जमीन से संबंधित विस्तृत रिपोर्ट के साथ सभी डिजिटल रिकॉर्ड की जानकारी मांगी गई है। वहीं रजिस्ट्रार कार्यालय से भी संबंधित जमीन की रजिस्ट्री और अन्य रिकॉर्ड का डेटा मांगा गया है।

कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं ने बताया कि मामले की जांच प्रक्रियाधीन है। भू-अभिलेख से विस्तृत रिपोर्ट और सभी डिजिटल रिकॉर्ड की मांग की गई है। इसके साथ ही रजिस्ट्रार से भी डेटा मांगा गया है। जांच कमेटी द्वारा उपलब्ध कराए जाने वाले दस्तावेजों और रिकॉर्ड का परीक्षण करने के बाद मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट होने की उम्मीद है।

राजस्व रिकॉर्ड में कैफियत कॉलम की जानकारी को लेकर सवाल

बेमेतरा में कोतवाली जमीन की खरीदी-बिक्री का मामला पिछले कुछ समय से चर्चा में है। शिकायत में राजस्व रिकॉर्ड में कथित तौर पर कूट रचना कर रिकॉर्ड में दर्ज कैफियत कॉलम की जानकारी मिटाए जाने और इसके बाद जमीन की खरीदी-बिक्री व रजिस्ट्री किए जाने को लेकर सवाल उठाए गए हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर ने जांच के आदेश दिए हैं।

जांच में अब यह देखा जाएगा कि संबंधित जमीन के पुराने राजस्व रिकॉर्ड में क्या जानकारी दर्ज थी, डिजिटल रिकॉर्ड में क्या विवरण उपलब्ध है और वर्तमान रिकॉर्ड में क्या स्थिति है। इसके अलावा रजिस्ट्री से जुड़े दस्तावेजों और राजस्व रिकॉर्ड का मिलान भी जांच का हिस्सा रहेगा।

डिजिटल रिकॉर्ड से पुराने दस्तावेजों का होगा मिलान

मामले की जांच में डिजिटल रिकॉर्ड महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भू-अभिलेख शाखा से सभी डिजिटल रिकॉर्ड मांगे जाने के बाद अब पुराने और वर्तमान रिकॉर्ड की जानकारी का परीक्षण किया जाएगा। राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज जानकारी और रजिस्ट्री के दस्तावेजों के बीच किसी तरह का अंतर है या नहीं, इसकी भी जांच की जाएगी।

जांच कमेटी द्वारा राजस्व विभाग से संबंधित दस्तावेज प्राप्त करने के बाद जमीन के रिकॉर्ड की स्थिति, रिकॉर्ड में हुए बदलाव और संबंधित प्रक्रिया की पड़ताल की जाएगी। वहीं रजिस्ट्रार कार्यालय से मांगा गया डेटा मिलने के बाद खरीदी-बिक्री और रजिस्ट्री से संबंधित जानकारी का भी मिलान किया जा सकेगा।

राज्यपाल से भी शिकायत कर चुके हैं पूर्व विधायक

कोतवाली जमीन के मामले को लेकर शिकायत का मामला राज्यपाल रमेन डेका के बेमेतरा प्रवास के दौरान भी सामने आया था। पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने राज्यपाल से मुलाकात कर कोतवाली जमीन की खरीदी-बिक्री के मामले की शिकायत की थी और इसकी जांच कराने की मांग की थी।

बिजली बंद, 50 से अधिक गांवों के किसान परेशान

विश्व केसरी■

बेमेतरा (अनिल त्रिपाठी)। जिले में अटल ज्योति योजना के तहत किसानों को सिंचाई के लिए मिलने वाली बिजली व्यवस्था एक बार फिर सवालों के घेरे में है। बेमेतरा विद्युत डिवीजन के अंतर्गत दर्जनों गांवों में अटल ज्योति योजना की बिजली सप्लाई बंद होने से किसान परेशान हैं। सबसे ज्यादा समस्या दाढ़ी विद्युत उप संभाग के अंतर्गत आने वाले 50 से अधिक गांवों में बताई जा रही है। बिजली नहीं मिलने के कारण खेतों में सिंचाई का काम प्रभावित हो रहा है। किसानों का कहना है कि धान की फसल इस समय पानी की जरूरत के दौर से गुजर रही है। ऐसे में सिंचाई नहीं होने से फसल खराब होने के करीब पहुंच रही है।

दाढ़ी विद्युत उप संभाग के अंतर्गत खंडसरा क्षेत्र के ग्राम लावतारा, चमारी, मोहतरा, करचुवा, कोदवा, दाढ़ी, लालपुर, हेमा सहित आसपास के गांवों में किसान अटल ज्योति योजना की बिजली सप्लाई बंद होने की समस्या बता रहे हैं। वहीं छिरहा अंचल के मझगांव, बीरमपुर, जाता, चिल्फी, बेरा, रमपुरा सहित अन्य गांवों के किसान भी बिजली संकट से प्रभावित हैं।-बेतर और उमरिया क्षेत्र में भी किसानों ने सिंचाई के लिए पर्याप्त बिजली नहीं मिलने की शिकायत की है।

बिजली बंद रहने से खेतों में नहीं हो पा रही सिंचाई

किसानों के अनुसार इस समय धान की फसल में पानी की सबसे ज्यादा आवश्यकता है। खेतों में नमी कम होने पर फसल की बढ़वार प्रभावित होने के साथ उत्पादन पर भी असर पड़ने की आशंका रहती है। अटल ज्योति योजना के तहत मिलने वाली बिजली से किसान मोटर पंप चलाकर खेतों में सिंचाई करते हैं, लेकिन बिजली सप्लाई बंद होने से मोटर पंप भी बंद पड़े हैं।

किसानों का कहना है कि बारिश के भरोसे खेती करने के बाद अब फसल को बचाने के लिए सिंचाई जरूरी है। कई खेतों में पानी की कमी होने लगी है। बिजली नहीं मिलने से किसान निजी साधनों से भी सिंचाई नहीं कर पा रहे हैं। जिन किसानों के पास वैकल्पिक व्यवस्था है, उन्हें भी अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ रहा है।

50 से अधिक गांवों में असर, किसान बोले- खेती का काम प्रभावित

किसान सूरज पटेल, दानी साहू, पेखन धृत लहरे सहित अन्य किसानों ने बताया कि अटल ज्योति योजना की बिजली बंद रहने से खेती-किसानी का काम प्रभावित हो रहा है। खेतों में सिंचाई नहीं हो पा रही है। लगातार बिजली का इंतजार करने के बाद भी आपूर्ति शुरू नहीं होने से परेशानी बढ़ रही है।

किसानों के अनुसार धान की फसल अभी ऐसी स्थिति में है, जहां पर्याप्त पानी नहीं मिलने पर फसल को नुकसान हो सकता है। बिजली बंद रहने से खेतों में समय पर पानी नहीं पहुंच पा रहा है। यदि जल्द बिजली सप्लाई बहाल नहीं की गई तो कई किसानों की फसल प्रभावित हो सकती है।

योजना का उद्देश्य सिंचाई के लिए बिजली, लेकिन किसान परेशान

अटल ज्योति योजना के माध्यम से कृषि पंपों को बिजली उपलब्ध कराने का उद्देश्य किसानों को सिंचाई सुविधा देना है। खरीफ सीजन में बारिश के बीच भी कई बार फसल को अतिरिक्त सिंचाई की जरूरत पड़ती है। ऐसी स्थिति में कृषि पंपों के लिए बिजली किसानों के लिए महत्वपूर्ण होती है। वर्तमान में फसल के महत्वपूर्ण दौर में बिजली बंद होने से किसान परेशान हैं।

जल झूलनी एकादशी पर शिवरीनारायण मठ से निकली भव्य शोभायात्रा

विश्व केसरी■



शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। धर्म एवं आध्यात्म की पवित्र नगरी शिवरीनारायण स्थित शिवरीनारायण मठ में जल झूलनी एकादशी का पर्व श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर भगवान हरि की विधिवत पूजा-अर्चना कर विशेष श्रृंगार एवं आरती की गई। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने मठ पहुंचकर भगवान के दर्शन किए और पूजा-अर्चना कर पुण्य लाभ अर्जित किया। शाम 4:30 मठ से शोभायात्रा पुरानी हटरी, मध्य नगरी चौक, हनुमान मंदिर होते हुए भजन कीर्तन के साथ त्रिवेणी संगम के लिए निकला,महानदी में भगवान को नाव में बिठाकर जल विहार कराया गया तत्पश्चात सभी भक्त गण हरि नाम संकीर्तन करते हुए मठ पहुंचे।

जल झूलनी एकादशी के अवसर पर मठ परिसर में धार्मिक वातावरण बना रहा। श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीहरि के जयकारे लगाए और भजन-कीर्तन के माध्यम से अपनी भक्ति अर्पित की। महामंडलेश्वर महन्त रामसुन्दर दास महाराज ने एकादशी व्रत एवं भगवान विष्णु की उपासना के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि- सनातन धर्म में एकादशी का विशेष महत्व है। जल झूलनी एकादशी भगवान श्रीहरि की आराधना, व्रत, संयम और भक्ति का पावन पर्व है। श्रद्धा एवं विश्वास के साथ भगवान का स्मरण करने से मनुष्य के जीवन में आध्यात्मिक शांति और सकारात्मकता ऊर्जा का संचार होता है। जीवात्मा को पापों से मुक्ति मिलती है।

इस धार्मिक कार्यक्रम में त्यागी जी महाराज, पूर्णेन्द्र तिवारी, निरंजन लाल अग्रवाल, योगेश शर्मा, हेमंत दुबे, सुखराम दास जी, अशोक शर्मा, राधेश्याम सोनी, जगदीश यादव, गेंदुराम आदित्य, वीरेंद्र केसरवानी, पुरेंद्र सोनी, खगेश वर्मा,हर्ष दुबे, दिल कुमार साहू सहित क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, श्रद्धालु,भक्त गण, संत-महात्मा एवं धर्मप्रेमीजन सम्मिलित हुए।

अतिक्रमण हटाने की मांग पर भाजपा पार्षद की भूख हड़ताल

विश्व केसरी■

बेमेतरा (अनिल त्रिपाठी)। वार्ड क्रमांक 01 के शीतला मंदिर मार्ग से अतिक्रमण हटाने की मांग, ढाई माह पहले पालिका और कलेक्टर को दिया था आवेदन; तीन दिन से नपा मुख्य द्वार पर बैठे पार्षद

वार्ड क्रमांक-1 के शीतला मंदिर मार्ग से अतिक्रमण हटाने की मांग को लेकर नगर पालिका के सभापति और पार्षद राजकुमार खांडे अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठ गए हैं। पार्षद पिछले तीन दिनों से नगर पालिका कार्यालय के मुख्य द्वार के सामने बैठकर अतिक्रमण हटाने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि वार्ड के मुख्य मार्ग पर कुछ लोगों द्वारा बाउंड्रीवॉल और अन्य निर्माण किए जाने से रास्ता संकरा हो गया है। इससे वार्डवासियों और आम नागरिकों को आवागमन में परेशानी हो रही है।

राजकुमार खांडे के अनुसार, उन्होंने इस समस्या को लेकर करीब ढाई माह पहले



नगर पालिका प्रशासन के साथ ही कलेक्टर को भी आवेदन दिया था। आवेदन देने के बावजूद कार्रवाई नहीं होने पर उन्होंने पहले प्रशासन का ध्यान आकर्षित कराने का प्रयास किया, लेकिन समस्या का समाधान नहीं होने पर अब भूख हड़ताल शुरू करने का निर्णय लिया है। पार्षद का कहना है कि जब तक वार्ड क्रमांक-1 के मुख्य मार्ग से अतिक्रमण नहीं हटाया जाता, तब तक उनकी अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल जारी रहेगी।

बाउंड्रीवॉल और निर्माण से रास्ता प्रभावित होने का दावा

पार्षद राजकुमार खांडे ने कहा कि वार्ड क्रमांक-1 के मुख्य मार्ग में लोगों द्वारा बाउंड्रीवॉल सहित अन्य निर्माण कार्य कर लिए गए हैं। इससे सड़क की उपयोगिता प्रभावित हो रही है और वार्ड के लोगों को आने-जाने में परेशानी उठानी पड़ रही है। उन्होंने कहा कि पार्षद होने के नाते लगातार लोगों की समस्याएं उनके सामने आती हैं। अतिक्रमण की समस्या का समाधान नहीं होने के कारण उन्हें मजबूर होकर भूख हड़ताल का कदम उठाना पड़ा है।उनका कहना है कि यह आंदोलन किसी व्यक्तिगत हित के लिए नहीं बल्कि वार्ड के नागरिकों की समस्या को लेकर किया जा रहा है। प्रशासन को मौके का निरीक्षण कर वास्तविक स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए और यदि निर्माण अतिक्रमण की श्रेणी में आता है तो नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए।

भाजपा कार्यालय में रक्तदान शिविर

विश्व केसरी■



जांजगीर । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे हैं सेवा संकल्प अभियान के तहत सोमवार 21 सितम्बर को जिला भाजपा कार्यालय जांजगीर में भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया शिविर में भाजपा एवं युवा मोर्चा के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उत्साह पूर्वक सहभागिता करते हुए रक्तदान किया कार्यकर्ताओं ने रक्तदान को मानव सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम बताते हुए समाजहित में अपना योगदान दिया रक्तदान शिविर का आयोजन जिला युवा मोर्चा अध्यक्ष आकाश सिंह के नेतृत्व में किया गया इस दौरान युवा मोर्चा के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने रक्तदान कर सेवा एवं समपर्ण की भावना का परिचय दिया कार्यकर्ताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों की सेवा यात्रा से प्रेरणा लेते हुए सेवा संकल्प अभियान समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा और जनकल्याण का संदेश पहुचाने का माध्यम बन रहा है ।

सक्ती में यात्रीयो को रेलवे स्टेशन की सुविधाओं का इंतजार क्यों?

विश्व केसरी■



सक्ती (ईश्वर लोधी)। सक्ती जिला मुख्यालय बने कई वर्ष हो चुके हैं, लेकिन शहर का रेलवे स्टेशन आज भी यात्री सुविधाओं के मामले में उस स्तर तक नहीं पहुंच पाया है, जिसकी अपेक्षा एक जिला मुख्यालय के प्रमुख रेलवे स्टेशन से की जाती है। जिला मुख्यालय बनने के बाद प्रशासनिक गतिविधियां बढ़ीं, लोगों की आवाजाही बढ़ी और दूसरे शहरों से सक्ती का संपर्क भी महत्वपूर्ण हुआ, ऐसे में रेलवे स्टेशन की सुविधाओं का विस्तार भी समय की आवश्यकता बन गया है। इसके बावजूद स्टेशन की कई मूलभूत जरूरतें अब भी सवाल बनी हुई हैं।

सबसे बड़ा सवाल अमृत भारत स्टेशन योजना को लेकर है। रेलवे के अनुसार इस योजना में देशभर के स्टेशनों को आधुनिक यात्री सुविधाओं के अनुरूप विकसित किया जा रहा है। उपलब्ध आधिकारिक सूची में छत्तीसगढ़ के 32 स्टेशन शामिल हैं, लेकिन सक्ती का नाम इस सूची में नहीं है।

ऐसे में सक्ती के लोगों का सवाल स्वाभाविक है कि जब सक्ती जिला मुख्यालय बन चुका है और यहां से यात्रियों की नियमित आवाजाही होती है, तो स्टेशन को अमृत भारत स्टेशन योजना में शामिल करने की आवश्यकता पर विचार क्यों नहीं किया गया? रेलवे की ओर से किसी स्टेशन का चयन उसकी श्रेणी, स्थिति और यातायात जैसे विभिन्न आधारों पर किया जाता है। लेकिन सक्ती के मामले में स्थानीय लोगों की अपेक्षा है कि स्टेशन की वर्तमान स्थिति और जिला मुख्यालय की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए इसके आधुनिकीकरण की दिशा में ठोस पहल हो।

प्लेटफार्म एक से दो तक पहुंचना आज भी चुनौती

स्टेशन की दूसरी बड़ी समस्या प्लेटफार्म नंबर एक से प्लेटफार्म नंबर दो तक यात्रियों की आसान पहुंच से जुड़ी है। विशेष रूप से बुजुर्गों, महिलाओं, बच्चों और दिव्यांग यात्रियों के लिए ऊंची सीढ़ियों के माध्यम से आवागमन परेशानी का कारण बनता है। ऐसे यात्रियों के लिए लिफ्ट अथवा अन्य सुविधाजनक व्यवस्था कब उपलब्ध होगी, यह सवाल लंबे समय से बना हुआ है।

रेलवे स्टेशन केवल ट्रेन में चढ़ने-उतरने की जगह नहीं होता। जिला मुख्यालय के स्टेशन पर हर आयु और हर वर्ग के यात्री को सुरक्षित और सुविधाजनक आवागमन की सुविधा मिलना आवश्यक है। फुट ओवरब्रिज को भी इस तरह सुविधाजनक और सुरक्षित बनाया जाना जरूरी है कि यात्री बिना परेशानी एक प्लेटफार्म से दूसरे प्लेटफार्म तक पहुंच सकें।

बैठने की पर्याप्त व्यवस्था, पार्किंग और स्टेशन सौंदर्यीकरण भी जरूरी

सक्ती स्टेशन पर यात्रियों के लिए पर्याप्त संख्या में बैठने की व्यवस्था और प्रतीक्षालय जैसी सुविधाओं का विस्तार भी समय की मांग है।

महिला आयोग अध्यक्ष डॉ. ममता साहू आज से कांकेर प्रवास

विश्व केसरी■



कांकेर (सीताराम शर्मा)। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त डॉ. ममता साहू गुरुवार 24 सितंबर को कांकेर जिले के प्रवास पर रहेंगी। वे सड़क मार्ग से रायपुर से कांकेर पहुंचेंगी और निर्धारित कार्यक्रमों में शामिल होकर वापस रायपुर प्रस्थान करेंगी। निर्धारित दौरा कार्यक्रम के अनुसार डॉ. ममता साहू सुबह 9:45 बजे रायपुर से सड़क मार्ग द्वारा जिला मुख्यालय कांकेर के लिए प्रस्थान करेंगी। दोपहर करीब 12:15 बजे जिला पंचायत सभाकक्ष कांकेर पहुंचकर 'उम्मीद की उड़ान' कार्यक्रम में शामिल होंगी। इसके बाद दोपहर 1:30 बजे सर्किट हाउस कांकेर पहुंचने का कार्यक्रम निर्धारित है। वहीं दोपहर 2:15 बजे नया बस स्टैंड कांकेर में आयोजित नारी शक्ति अभिनंदन सम्मेलन एवं तीज उत्सव कार्यक्रम में वे शामिल होंगी। कार्यक्रम में महिला सशक्तिकरण एवं महिलाओं से जुड़े विषयों को लेकर विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। कार्यक्रमों में शामिल होने के पश्चात डॉ. ममता साहू शाम 3:45 बजे कांकेर से सड़क मार्ग द्वारा रायपुर मुख्यालय के लिए प्रस्थान करेंगी।

रास्ता रोककर महिला कर्मी से अभद्रता, धमकी देने के मामले में 05 आरोपियों को किया गिरफ्तार

जांजगीर-चांपा। एक महिला कर्मी शासकीय कार्य से ग्राम नेगुरडीह - खैरताल जा रही थीं। किरीत मोड़ के पास आरोपियों ने एक राय होकर उसका रास्ता रोककर अश्लील गाली-गलौज और अभद्र व्यवहार जान से मारने की धमकी भी दी। घटना के दौरान मौके पर मौजूद लोगों ने आरोपियों को समझाने की कोशिश की लेकिन वे नहीं माने, कुछ समय बाद डायल 112 आए तो आरोपियों वंहा से भाग गए, पीड़िता की सूचना रिपोर्ट पर थाना नवागढ़ में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू की गई।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई कर आरोपियों की तलाश शुरू की और सभी को हिरासत में लिया। पूछताछ में जुर्म स्वीकार करने पर विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा जा चुका है।

सेंसेक्स में 299 अंकों की उछाल, निफ्टी में 0.50 प्रतिशत की तेजी

विश्व केसरी



मुंबई। पिछले दिन की गिरावट से उबरते हुए बुधवार के सत्र में भारतीय शेयर बाजार तेजी के साथ हरे निशान में बंद हुआ। अमेरिकी-ईरान वार्ता की उम्मीदों के चलते तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल के आसपास स्थिर होने से प्रमुख बेंचमार्क सूचकांकों सेंसेक्स और निफ्टी में 0.50 प्रतिशत तक की उछाल दर्ज की गई।

बाजार बंद होने के समय, सेंसेक्स 299.17 अंक यानी 0.40 प्रतिशत बढ़कर 74,828.25 पर पहुंच गया, तो वहीं निफ्टी50 117.80 अंक यानी 0.5 प्रतिशत बढ़कर 23,446.80 पर पहुंच गया।

व्यापक बाजारों में, निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप में क्रमश: 0.70 प्रतिशत और 0.89 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। वहीं, सेक्टरवार देखें, तो निफ्टी मेटल ने 2.4 प्रतिशत की बढ़त के साथ बेहतर प्रदर्शन किया। इसके साथ ही निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी रियल्टी और निफ्टी सीमेंट ने भी अपने समकक्षों से बेहतर प्रदर्शन करते हुए 1 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़त के साथ बंद हुए। वहीं, निफ्टी आईटी और निफ्टी मीडिया ने सबसे खराब प्रदर्शन किया, जिनमें क्रमश: 0.87 प्रतिशत और 0.50 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली। निफ्टी50 इंडेक्स में बजाज फाइनेंस, हिंडाल्को, टाटा स्टील, अपोलो हॉस्पिटल और जेएसडब्ल्यू स्टील ने बेहतर प्रदर्शन किया और टॉप गेनर्स में शामिल रहे। इसके साथ ही ग्रासिम, नेस्ले इंडिया, आईटीसी, एलएंडटी, पावरग्रिड और अदाणी पोर्ट्स में भी अच्छी तेजी देखने को मिली। जबकि इसके विपरीत, एचसीएल टेक, टाइटन, इंफोसिस, कोल इंडिया, टीसीएस, विप्रो, एनटीपीसी, बीईएल और ट्रेंट सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले शेयरों में शामिल रहे।

एक मार्केट एक्सपर्ट ने कहा कि दिन भर उतार-चढ़ाव के बावजूद भारतीय शेयर बाजार ने कच्चे तेल की कीमतों में दिन के दौरान आई तेजी को नजरअंदाज किया और घरेलू विकास की रफ्तार मजबूत होने के संकेतों पर ध्यान दिया। एक्सपर्ट के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र महासभा में भू-राजनीतिक घटनाक्रमों के कारण तेल की कीमतों में 'रिस्क प्रीमियम' बना रहा, जिससे मज़बूत होते अमेरिकी डॉलर के बीच भारतीय रुपए पर दबाव पड़ा।

हालांकि, सितंबर के 'फ्लैश पीएमआई' के उम्मीद से बेहतर रहने से आर्थिक गतिविधियों के मजबूत बने रहने का भरोसा बढ़ा। इससे संकेत मिला कि महंगाई का दबाव बढ़े बिना विकास की रफ्तार बनी हुई है। एक्सपर्ट ने कहा कि इस सकारात्मक मैक्रो माहौल ने पूरे बाजार में खरीदारी को बढ़ावा दिया, जिससे घरेलू शेयरों को एशियाई बाजारों की बढ़त के साथ आगे बढ़ने में मदद मिली।

भारत की एथेनॉल मांग वित्त वर्ष 31 तक बढ़कर 17.9 अरब लीटर पहुंचने की उम्मीद

विश्व केसरी



नई दिल्ली। भारत की एथेनॉल इंडस्ट्री नई क्षमता लगाने के नहीं, बल्कि क्षमता उपयोग के चरण में प्रवेश कर चुकी है और ई25 मिश्रण लागू होने की स्थिति में देश में एथेनॉल की मांग वित्त वर्ष 31 तक बढ़कर बेस केस (सामान्य) स्थिति में 17.9 अरब लीटर तक पहुंचने की उम्मीद है। यह जानकारी बुधवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

ब्रिकवर्क रेटिंग्स की रिपोर्ट के अनुसार, 18.25 अरब लीटर की मौजूदा डिस्टिलेशन क्षमता 'बेस' और 'बेयर' केस स्थिति के तहत मांग को पूरा करने के लिए पहले से ही पर्याप्त है।

बेस केस के हिसाब से, मौजूदा 18.25 अरब लीटर क्षमता का लगभग 98 प्रतिशत इस्तेमाल होगा। अगर ब्लेंडिंग ई20 पर बनी रहती है, तो 'बेयर केस' (सबसे खराब स्थिति) में मांग 14.3 अरब लीटर रहने का अनुमान है, जिसका मतलब है कि क्षमता का लगभग 78 प्रतिशत इस्तेमाल होगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर ब्लेंडिंग ई30 के स्तर तक पहुंचती है, तो 'बुल केस' (सबसे अच्छे हालात) में वित्त वर्ष 2031 तक एथेनॉल की मांग 21.5 अरब लीटर तक पहुंच सकती है। इससे मांग मौजूदा क्षमता से लगभग 18 प्रतिशत ज्यादा हो जाएगी।

इस दौरान ई30 का स्तर वह मोड़ होगा जब यह सेक्टर मौजूदा संसाधनों के इस्तेमाल से आगे बढ़कर नई क्षमता बनाने की जरूरत की ओर बढ़ेगा।

रेटिंग एजेंसी का मानना ??है कि इसके चलते, ब्लेंडिंग पॉलिसी की रफ्तार ही अतिरिक्त पूंजीगत व्यय और सेक्टर की ग्रोथ तय करने वाला मुख्य कारक बनी रहेगी।

रिपोर्ट में कहा गया, 'फीडस्टॉक में संरचनात्मक बदलाव से मांग का परिदृश्य भी बदल रहा है। ईएसवाई26 के पहले चरण के आवंटन में अनाज-आधारित रूट की हिस्सेदारी 72 प्रतिशत थी, जबकि चीनी-आधारित रूट की हिस्सेदारी 28 प्रतिशत थी। यह 2021 के रोडमैप में तय किए गए 55:45 (चीनी-अनाज) के अनुपात के ठीक उलट है।'

अकेले मक्के की हिस्सेदारी कुल आवंटन में 45.7 प्रतिशत थी। हालांकि, अनाज-आधारित डिस्टिलरीज के ईबीआईटीडीए मार्जिन में गिरावट देखी गई है, वित्त वर्ष 21 में यह 9.2 प्रतिशत था।

भारत-ईयू एफटीए पर साल के अंत तक हो सकते हैं हस्ताक्षर : जर्मन राजदूत

विश्व केसरी



नई दिल्ली। भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) पर इस साल के अंत तक हस्ताक्षर हो सकते हैं। यह बयान भारत में जर्मनी के राजदूत जैस्पर विक ने बुधवार को दिया।

उन्होंने कहा कि समझौते की आर्थिक क्षमता को साकार करना और द्विपक्षीय व्यापार एवं निवेश को बढ़ावा देना उनकी प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल होगा।

राष्ट्रीय राजधानी में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए विक ने कहा कि समझौते पर इस साल की शुरुआत में बातचीत पूरी हो चुकी है और साल खत्म होने से पहले इस पर औपचारिक रूप से हस्ताक्षर किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि उनका एक प्रमुख उद्देश्य यह सुनिश्चित करना होगा कि भारतीय और जर्मन कंपनियां इस समझौते से मिलने वाले आर्थिक अवसरों का पूरा लाभ उठा सकें। उन्होंने कहा, 'समझौता साल की शुरुआत में पूरा हो गया था और साल के अंत तक इस पर हस्ताक्षर हो सकते हैं। हमारा ध्यान समझौते की आर्थिक क्षमता को साकार करने पर रहेगा।'

राजदूत के अनुसार, विशेषज्ञों का मानना है कि इस समझौते में द्विपक्षीय व्यापार को काफी बढ़ाने की क्षमता है और इससे दोनों पक्षों के बीच व्यापार दोगुना भी हो सकता है। व्यापक रणनीतिक संबंधों पर जोर देते हुए विक ने कहा कि वर्ष 2000 में स्थापित भारत-जर्मनी रणनीतिक साझेदारी वैश्विक भू-राजनीतिक परिदृश्य में तेजी से हो रहे बदलावों के बीच पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। उन्होंने मौजूदा अंतरराष्ट्रीय माहौल को अप्रत्याशित बताया, जहां देशों के बीच भरोसा कम हो रहा है और प्रमुख शक्तियों के बीच प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है।

राजदूत ने कहा कि वैश्विक रणनीतिक माहौल में गिरावट ने भरोसे, पूर्वानुमेयता और आपसी विश्वास पर आधारित साझेदारियों के महत्व को और बढ़ा दिया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत और जर्मनी इन गुणों को साझा करते हैं।

त्योहारी मौसम से पहले सरकारी बफर स्टॉक से प्याज कोलकाता पहुंचेगा

विश्व केसरी



नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में प्याज की आपूर्ति बढ़ाने के प्रयासों के तहत मूल्य स्थिरीकरण कोष (पीएसएफ) के बफर स्टॉक से प्याज लेकर कांडा एक्सप्रेस गुरुवार को कोलकाता पहुंचने वाली है। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई है।

पश्चिम बंगाल में एनएएफईडी और एनसीसीएफ की मोबाइल वैन के माध्यम से लगभग 1,400 मीट्रिक टन प्याज 35 रुपए प्रति किलो की दर से वितरित किया जा चुका है।

उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के बयान में कहा गया है कि कांडा एक्सप्रेस के आने से अतिरिक्त मात्रा में प्याज की आवाजाही अधिक कुशलता से हो सकेगी, जिससे बाजार में उपलब्धता में सुधार होगा और मौसमी कीमतों पर दबाव कम होगा।

बयान में आगे कहा गया कि आगमन से प्याज की अधिक मात्रा की आवाजाही में तेजी आने की उम्मीद है और कोलकाता और आसपास के जिलों में, विशेष रूप से त्योहारी मौसम से पहले, इसकी उपलब्धता और मजबूत होगी।

बयान में आगे कहा गया है कि कोलकाता जाने वाली कांडा एक्सप्रेस, रेल और सड़क परिवहन के हाइब्रिड नेटवर्क के माध्यम से पीएसएफ बफर स्टॉक से प्याज की सुनियोजित आपूर्ति की चल रही रणनीति का हिस्सा है।

एनएएफईडी और एनसीसीएफ के माध्यम से बफर स्टॉक का लक्षित निपटान 24 अगस्त से शुरू हुआ, और बाजार की आवश्यकताओं के आधार पर देश के विभिन्न हिस्सों में आपूर्ति धीरे-धीरे भेजी जा रही है।

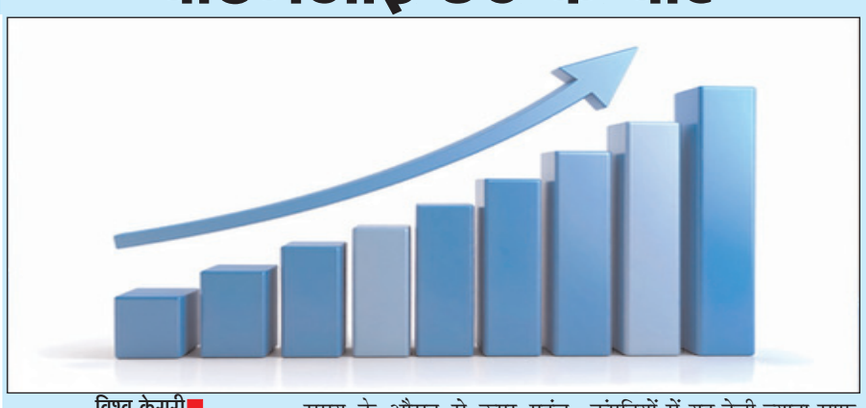
मंत्रालय ने बताया कि कोलकाता में वर्तमान में 25 से अधिक स्थानों पर खुदरा बिक्री की जा रही है, जिनमें कोले मार्केट, मेचुआ मंडी, मानिकतला मार्केट, रामपुरिया मार्केट और श्याम बाजार जैसे प्रमुख बाजार शामिल हैं।

इसके अलावा, सरकार 'सुफल बंगला' के माध्यम से बफर स्टॉक प्याज की खुदरा बिक्री की संभावना तलाश रही है, जिससे उपभोक्ताओं को अतिरिक्त पहुंच मिलेगी और इस पहल का दायरा व्यापक होगा।

बफर स्टॉक से प्याज की आपूर्ति अब तक देश भर के 100 से अधिक शहरों में की जा चुकी है।

बफर स्टॉक हस्तक्षेप के बाद बाजार में उपलब्धता में सुधार का संकेत देते हुए, 17 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में खुदरा प्याज की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं या उनमें गिरावट आई है। पिछले सप्ताह जिन राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में प्याज की कीमतों में गिरावट आई है, उनमें दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, तमिलनाडु और बिहार शामिल हैं।

भारत के निजी क्षेत्र में सितंबर में आर्थिक गतिविधियां रहीं मजबूत, पीएमआई 56 के पार



विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत के निजी क्षेत्र में सितंबर में आर्थिक गतिविधियां मजबूत रही हैं और इससे कंपोजिट पीएमआई 56.5 पर रहा है, जो कि अगस्त में 54.3 पर था। यह जानकारी एचएसबीसी फ्लैश पीएमआई डेटा में बुधवार को दी गई।

एचएसबीसी फ्लैश इंडिया कंपोजिट पीएमआई में मैन्युफैक्चरिंग और सर्विसेज दोनों सेक्टर्स के डेटा को शामिल किया जाता है। आंकड़ों के मुताबिक, सितंबर में मैन्युफैक्चरिंग और सर्विसेज दोनों कंपनियों ने मजबूत ग्रोथ दिखाई है। इस दौरान नए ऑर्डर और नौकरियों में भी बढ़ोतरी हुई है। साथ ही, महंगाई का दबाव कम हुआ और कारोबारी भरोसा मजबूत हुआ।

आंकड़े के अनुसार, सितंबर में निजी क्षेत्र की गतिविधियों में तेजी आई है और यह जून के बाद सबसे उच्चतम स्तर पर हैं। साथ ही, संबंधित इंडेक्स अपने लंबे समय के औसत से ऊपर पहुंच गया है। एचएसबीसी की चीफ इंडिया इकोनॉमिस्ट प्रांजुल भंडारी ने कहा, 'मैन्युफैक्चरिंग में मजबूती के कारण प्राइवेट सेक्टर की गतिविधियों में तेजी आई है। आउटपुट और नए घरेलू ऑर्डर तेजी से बढ़े हैं। मध्य पूर्व में फिर से बढ़े तनाव के कारण कंपनियों ने अनिश्चितताओं से निपटने के लिए बफर बनाना शुरू कर दिया है।'

भंडारी ने बताया कि इनपुट की खरीद में तेजी आई है और तैयार माल के स्टॉक का इंडेक्स अब साढ़े 11 साल के उच्चतम स्तर पर है। मैन्युफैक्चरर्स के लिए कीमतों का दबाव बढ़ा है और आउटपुट की कीमतों में महंगाई तेजी से बढ़ रही है, जो मार्जिन बचाने की नई कोशिश का संकेत है। सितंबर में भारतीय प्राइवेट सेक्टर की कंपनियों के कुल नए बिजनेस में तेजी से बढ़ोतरी हुई।

दोनों सेक्टर में डिमांड बढ़ी, लेकिन सामान बनाने वाली कंपनियों में यह तेजी ज्यादा साफ तौर पर देखी गई। यहां, सेल्स में बढ़ोतरी सर्विस कंपनियों के मुकाबले ज्यादा रही और यह सात महीनों के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई।

सर्विस क्षेत्र की कंपनियों ने बताया कि मार्केटिंग की कोशिशों से ऑर्डर मिलने में मदद मिली, सर्वे के क्वालिटेटिव हिस्से में प्रॉपर्टी, ट्रांसपोर्ट सर्विस और नई ट्रैवल बुकिंग के लिए ज्यादा मांग का जिक्र किया गया है।

वहीं, डेटा से पता चला कि सामान बनाने वाली कंपनियों ने एल्युमीनियम प्रोडक्ट, इलेक्ट्रॉनिक आइटम, खाने-पीने की चीजों, फार्मास्युटिकल सामान और आम तौर पर नए मॉडलों की डिमांड में बढ़ोतरी की सूचना दी। इसके अलावा, सितंबर में कुल रोजगार में मजबूत बढ़ोतरी हुई, क्योंकि कंपनियों ने आउटपुट और नए ऑर्डर में लगातार बढ़ोतरी के बीच अपनी स्टाफिंग क्षमता को बढ़ाना जारी रखा।

लिस्टिंग से पहले एनएसई आईपीओ का जीएमपी घटकर 43 रुपए, प्रीमियम लिस्टिंग की उम्मीद कमजोर

विश्व केसरी



नई दिल्ली। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के बहुप्रतीक्षित आईपीओ की लिस्टिंग से एक दिन पहले ग्रे मार्केट प्रीमियम (जीएमपी) में और गिरावट दर्ज की गई है। बुधवार को आईपीओ का जीएमपी घटकर 43 रुपए प्रति शेयर रह गया, जिससे लिस्टिंग पर सीमित लाभ मिलने के संकेत मिल रहे हैं।

ताजा जीएमपी के आधार पर एनएसई के शेयर की संभावित लिस्टिंग कीमत करीब 1,828 रुपए प्रति शेयर आंकी जा रही है। यह आईपीओ के ऊपरी इश्यू प्राइस 1,785 रुपए की तुलना में लगभग 2.41 प्रतिशत का संभावित प्रीमियम दर्शाता है।

ग्रे मार्केट में निवेशकों का उत्साह पिछले कुछ दिनों में काफी कम हुआ है। आईपीओ खुलने से पहले इसका जीएमपी करीब 145 रुपए प्रति शेयर तक पहुंच गया था, जिससे 8 प्रतिशत से अधिक लिस्टिंग गेन की उम्मीद जताई जा रही थी। हालांकि समय के साथ प्रीमियम में लगातार गिरावट देखने को मिली है। 17 सितंबर से 21 सितंबर तक खुले इस आईपीओ को निवेशकों से मजबूत प्रतिक्रिया मिली थी। शेयरों का आवंटन 22 सितंबर को पूरा हुआ, जबकि कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग 24 सितंबर को बीएसई पर होने की उम्मीद है।

22,568.94 करोड़ रुपए के इस सार्वजनिक निर्गम को कुल मिलाकर 5.71 गुना सब्सक्रिप्शन मिला। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, 8.86 करोड़ शेयरों के मुकाबले 50.58 करोड़ से अधिक शेयरों के लिए आवेदन प्राप्त हुए। कुल बोलियों का मूल्य 90,287.33 करोड़ रुपए रहा।

निवेशक श्रेणियों में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) ने सबसे अधिक रुचि दिखाई। इस हिस्से को 12.68 गुना सब्सक्राइब किया गया। वहीं गैर-संस्थागत निवेशक (एनआईआई) श्रेणी को 6.55 गुना और रिटेल निवेशक (आरआईआई) श्रेणी को 1.39 गुना सब्सक्रिप्शन मिला।

वैश्विक ऊर्जा झटकों के बीच मजबूत भारतीय अर्थव्यवस्था, वित्त वर्ष 27 में 6.9 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद: फिच

विश्व केसरी



नई दिल्ली। वैश्विक रेटिंग एजेंसी फिच ने बुधवार को वित्त वर्ष 27 के लिए भारत के विकास दर अनुमान को बढ़ाकर 6.9 प्रतिशत कर दिया है, जो कि पहले 6.4 प्रतिशत था। इसकी वजह मध्य पूर्व में युद्ध के चलते पैदा हुए वैश्विक ऊर्जा झटकों के बीच अर्थव्यवस्था का मजबूत प्रदर्शन करना है।

फिच रेटिंग्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की ग्रोथ उसके 'जून ग्लोबल इकोनॉमिक आउटलुक' में अनुमानित आंकड़ों से काफी बेहतर रही है, जिसके चलते पूरे साल के लिए उसके अनुमान में 50 आधार अंक (0.5 प्रतिशत) की बढ़ोतरी की गई है।

अप्रैल-जून तिमाही में भारत की अर्थव्यवस्था में सालाना आधार पर 7.8 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। इससे पहले की तिमाही में यह ग्रोथ बढ़कर 8.6 प्रतिशत हो गई थी, जिससे वित्त वर्ष 26 के लिए ग्रोथ का अनुमान फिच के पहले के 7.4 प्रतिशत के अनुमान से बढ़कर 7.8 प्रतिशत हो गया है। यह बढ़ा हुआ अनुमान ऐसे समय पर आया है जब रेटिंग एजेंसी को उम्मीद है कि चालू वित्त वर्ष के बाकी समय में विस्तार की गति धीमी हो जाएगी। पीएमआई सर्वेक्षण से पता चला है कि मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर में विस्तार धीमा हुआ है। साथ ही, सामान्य से कम मानसून बारिश से खेती के उत्पादन और ग्रामीण मांग पर असर पड़ने की संभावना है। रिपोर्ट में कहा गया है कि बढ़ती महंगाई से परिवारों की असली आय और ग्राहकों के खर्च पर दबाव पड़ सकता है। इससे ग्राहकों के खर्च में बढ़ोतरी की रफ्तार वित्त वर्ष 27 में धीमी होकर 5.7 प्रतिशत रहने की उम्मीद है, जो पिछले साल 7.2 प्रतिशत थी।

रेटिंग एजेंसी का अनुमान है कि वित्त वर्ष 28 में जीडीपी ग्रोथ धीमी होकर 6.5 प्रतिशत रह जाएगी (जो उसके पिछले अनुमान से थोड़ी कम है), क्योंकि ग्राहकों का खर्च और निवेश गतिविधियां जारी रहेंगी। साथ ही, एजेंसी को उम्मीद है कि वित्त वर्ष 29 में ग्रोथ 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रहेगी।

महंगाई को लेकर रिपोर्ट में कहा गया कि दिसंबर 2026 तक यह बढ़कर 5.5 प्रतिशत तक पहुंच सकती है।

नीम की पत्तियों से घर पर बनाएं साबुन, ऑयली स्किन के लिए ऐसे करें तैयार, जानिए तरीका



नीम की पत्तियों, ग्लिसरीन सोप बेस, हल्दी और कुछ अन्य सामग्री से घर पर साबुन तैयार किया जा सकता है. इसे बनाने की प्रक्रिया आसान है, लेकिन हर त्वचा पर इसका असर एक जैसा नहीं होता. इस्तेमाल से पहले पैच टेस्ट और त्वचा संबंधी समस्या में विशेषज्ञ की सलाह जरूरी है.

चेहरे पर बार-बार तेल आने लगे या पिंपल्स की वजह से स्किन थोड़ी परेशान करने लगे तो लोग अक्सर घरेलू नुस्खों की तरफ रुख करते हैं. नीम भी ऐसा ही एक पारंपरिक विकल्प है, जिसका इस्तेमाल लंबे समय से त्वचा की देखभाल में किया जाता रहा है. बाजार में नीम वाले साबुन आसानी से मिल जाते हैं, लेकिन अगर आप घर पर अपनी पसंद की चीजों से साबुन बनाना चाहते हैं तो यह तरीका काम आ सकता है.

इसमें नीम की ताजी पत्तियों के साथ ग्लिसरीन सोप बेस, हल्दी और कुछ दूसरे इंग्रेडिएंट्स इस्तेमाल किए जाते हैं. हालांकि घरेलू साबुन हर किसी की त्वचा पर एक जैसा असर करे, यह जरूरी नहीं है. इसलिए इसे बनाने और इस्तेमाल करने से पहले कुछ जरूरी सावधानियां समझना बेहतर है.

नीम की पत्तियों से घर पर साबुन बनाने के लिए क्या चाहिए?

इस साबुन को बनाने के लिए 250 ग्राम ग्लिसरीन सोप बेस, 25 से 30 नीम की पत्तियां, आधा छोटा चम्मच हल्दी पाउडर, 2 से 3 विटामिन ई कैप्सूल और 4 बूंद नीम एसेंशियल ऑयल लिया जा सकता है. सामग्री की मात्रा बहुत ज्यादा रखने की जरूरत नहीं है. खासकर एसेंशियल ऑयल का इस्तेमाल सीमित मात्रा में ही करें.

साबुन बनाने का आसान तरीका

सबसे पहले नीम की पत्तियों को साफ पानी से अच्छी तरह धो लें. इन्हें पूरी तरह सुखाने के बाद मिक्सर में डालकर बारीक पीस लें. पत्तियों को पीसते समय जरूरत से ज्यादा पानी न डालें, क्योंकि मिश्रण में अतिरिक्त नमी आने से साबुन की बनावट प्रभावित हो सकती है. अब पिसी हुई नीम की पत्तियों में आधा छोटा चम्मच हल्दी पाउडर मिलाएं. इसके बाद विटामिन ई कैप्सूल को काटकर उसका तेल मिश्रण में डाल दें. आखिर में नीम एसेंशियल ऑयल की करीब 4 बूंदें डालकर सभी चीजों को अच्छी तरह मिला लें.

दूसरी तरफ ग्लिसरीन सोप बेस को छोटे टुकड़ों में काट लें. इसे डबल बॉयलर की मदद से धीरे-धीरे पिघलाएं, अगर माइक्रोवेव का इस्तेमाल कर रहे हैं तो कम समय के अंतराल में गर्म करें और बीच-बीच में इसे चेक करते रहें. सोप बेस पूरी तरह पिघलने के बाद उसमें तैयार नीम का मिश्रण डालें और अच्छी तरह मिलाएं. अब तैयार मिश्रण को साबुन के सांचे में सावधानी से डाल दें. इसे कमरे के तापमान पर 12 से 24 घंटे तक सेट होने दें. साबुन अच्छी तरह जम जाए तो इसे सांचे से बाहर निकाल सकते हैं.

साबुन तैयार होने के बाद इसे जरूरत के अनुसार इस्तेमाल किया जा सकता है. चेहरे पर पहली बार लगाने से पहले पैच टेस्ट करना जरूरी है. हाथ या बाजू के किसी छोटे हिस्से पर थोड़ी मात्रा लगाकर देखें, अगर लालिमा, खुजली, जलन या किसी तरह की परेशानी महसूस हो तो इसे चेहरे पर न लगाएं।

मूडी है आपकी सहेली प्रीत? कभी खूब बातें, कभी खामोशी... उसे स्पेस दें या बात करें, ऐसे संभालें अपनी दोस्ती



मूडी सहेली के साथ दोस्ती निभाने के लिए हर बात को व्यक्तिगत लेने के बजाय उसके व्यवहार को समझना जरूरी है. उसे जरूरत के समय स्पेस दें, ताने और दबाव से बचें और अपनी भावनाएं भी खुलकर रखें. भरोसा, सम्मान और संतुलित बातचीत दोस्ती को मजबूत बनाए रखती है.

कुछ दोस्त ऐसे होते हैं जिनके साथ एक दिन खूब बातें होती हैं और अगले ही दिन उनका मूड बिल्कुल बदला हुआ नजर आता है. कभी वे छोटी-सी बात पर नाराज हो जाती हैं तो कभी बिना किसी वजह के चुप रहने लगती हैं. ऐसे में सामने वाला समझ नहीं पाता कि बात करे, थोड़ा समय दे या खुद ही दूरी बना ले. खासकर जब रिश्ता पुराना और दिल के करीब हो तो बार-बार होने वाले मूड स्विंग्स दोस्ती में गलतफहमी पैदा कर सकते हैं.

अगर आपकी सहेली भी जल्दी नाराज होती है या अचानक बात करना कम कर देती है तो हर बार इसे अपनी गलती मान लेना जरूरी नहीं है. कुछ छोटी बातों का ध्यान रखकर आप रिश्ते में अपनापन और भरोसा बनाए रख सकती हैं.

मूड बदलने वाली सहेली के साथ कैसे रखें बॉन्डिंग

किसी करीबी दोस्त का मूड हर समय एक जैसा रहे, यह जरूरी नहीं है. काम का दबाव, घर की कोई बात, निजी परेशानी या सिर्फ थकान भी किसी के व्यवहार को प्रभावित कर सकती है. इसलिए सहेली के चुप रहने या कम बात करने को तुरंत अपने खिलाफ लेना रिश्ते में अनावश्यक तनाव पैदा कर सकता है. ऐसे समय में सबसे पहले उसका मूड समझने की कोशिश करें. अगर वह बात करने के मूड में नहीं है तो लगातार सवाल करने के बजाय थोड़ा स्पेस देना बेहतर हो सकता है. बाद में सामान्य तरीके से पूछ सकती हैं कि सब ठीक है या नहीं. कई बार सामने वाले को समाधान से ज्यादा यह महसूस होना जरूरी होता है कि उसका दोस्त उसके साथ है.

हर बात का जवाब तुरंत मांगने से बचें

अगर सहेली ने मैसेज का जवाब नहीं दिया या अचानक बातचीत बंद कर दी तो लगातार मैसेज और कॉल करना स्थिति को और असहज बना सकता है. दोस्ती में अपनापन जरूरी है लेकिन सामने वाले की निजी जगह का सम्मान भी उतना ही महत्वपूर्ण है. आप एक छोटा-सा मैसेज करके छोड़ सकती हैं कि जब उसका मन हो तो बात कर ले. इससे उसे दबाव महसूस नहीं होगा और उसे यह भी पता रहेगा कि आप नाराज होकर गायब नहीं हुई हैं.

किन गलतियों से बिगड़ सकता है रिश्ता

मूडी दोस्त के साथ सबसे बड़ी गलती हर बार उसके व्यवहार को लेकर ताना देना हो सकती है. जैसे, 'तुम तो हमेशा ऐसी ही रहती हो' या 'तुम्हारा मूड कभी ठीक नहीं रहता.' ऐसी बातें सामने वाले को समझे जाने के बजाय जज किए जाने का एहसास करा सकती हैं. दूसरी गलती उसकी निजी बातें दूसरों के साथ शेयर करना है. अगर उसने भरोसा करके कोई परेशानी बताई है तो उसे दूसरी सहेलियों के बीच चर्चा का विषय न बनाएं. दोस्ती में विश्वास धीरे-धीरे बनता है और एक बार टूटने के बाद उसे वापस लाना आसान नहीं होता।

रणथंभौर टाइगर रिजर्व में बाघ का करना है दीदार, तो पहले कर लें ये प्लानिंग, ऐसे चुनें सही समय, वाहन और बजट



सोचिए, जंगल की पगडंडी पर आपकी जीप धीरे-धीरे आगे बढ़ रही हो और अचानक पेड़ों के बीच पीली-भूरी धारियों वाला बाघ नजर आ जाए. रणथंभौर की सफारी का रोमांच कुछ ऐसा ही है. राजस्थान के सवाई माधोपुर में मौजूद रणथंभौर टाइगर रिजर्व देश के चर्चित वन्यजीव पर्यटन स्थलों में शामिल है. यहां जंगल, झीलें, पहाड़ियां और ऐतिहासिक रणथंभौर किला सफारी के अनुभव को खास बनाते हैं. लेकिन पहली बार जाने वालों के मन में अक्सर सवाल रहता है कि यहां पहुंचें कैसे, सफारी की बुकिंग कहां से करें और किस तरह का वाहन चुनें.

अगर आप भी बाघ को उसके प्राकृतिक ठिकाने में देखने का सपना देख रहे हैं तो ट्रिप प्लान करने से पहले कुछ जरूरी बातें जान लेना आपके काम आएगा.

रणथंभौर टाइगर रिजर्व कैसे पहुंचें

रणथंभौर घूमने के लिए सबसे सुविधाजनक आधार सवाई माधोपुर है. राजस्थान पर्यटन के मुताबिक रणथंभौर पार्क सवाई माधोपुर से करीब 14 किलोमीटर दूर है. यहां रेल और सड़क दोनों से पहुंचा जा सकता है. सवाई माधोपुर रेलवे स्टेशन से आगे टैक्सी या कैब लेकर रणथंभौर क्षेत्र तक पहुंचना आसान रहता है. जयपुर से भी सड़क मार्ग के जरिए यहां पहुंचा जा सकता है. हवाई यात्रा करने वाले पर्यटक जयपुर के सांगानेर एयरपोर्ट तक पहुंचकर आगे सड़क मार्ग चुन सकते हैं.

सफारी के लिए पहले से करें बुकिंग

रणथंभौर में जंगल के भीतर घूमने के लिए सामान्य कार लेकर प्रवेश नहीं किया जाता. पर्यटकों को अधिकृत सफारी वाहन के जरिए जाना होता है।

बेटे के लिए पारंपरिक लेकिन यूनिक नाम चाहिए? जिन्हें सुनते ही झलके तेज और ऊर्जा, ये वैदिक नाम आएंगे पसंद



वेदों और संस्कृत परंपरा से जुड़े कई नाम आज भी बच्चों के लिए अलग और अर्थपूर्ण विकल्प देते हैं. अग्निव, द्युमान, वसुमान, रोहिताश, सोमेश और त्र्यंबक जैसे नाम प्रकाश, ऊर्जा, समृद्धि और आध्यात्मिक भाव से जुड़े हैं. नाम तय करने से पहले उसके अर्थ और मूल की पुष्टि जरूर करें.

बेटे के जन्म के बाद नाम चुनना परिवार के लिए जितना खूबसूरत पल होता है, उतना ही उलझन भरा भी हो सकता है. आजकल माता-पिता ऐसा नाम पसंद करते हैं जो आम नामों से थोड़ा अलग हो, सुनने में अच्छा लगे और जिसका अर्थ भी गहरा हो. ऐसे में वेदों और प्राचीन वैदिक परंपरा से जुड़े नाम एक अलग पहचान देते हैं. इन नामों में प्रकृति, प्रकाश, ज्ञान, ऊर्जा और आध्यात्मिक भाव जैसे अर्थ मिलते हैं.

अगर आप भी अपने बेटे के लिए ऐसा ही नाम तलाश रहे हैं, जो पारंपरिक होने के साथ आज के दौर में यूनिक सुनाई दे, तो कुछ वैदिक नामों पर गौर किया जा सकता है. इनके अर्थ भी नाम को खास बनाते हैं.

वेदों से जुड़े यूनिक लड़कों के नाम

बच्चे का नाम केवल पुकारने के लिए नहीं होता. भारतीय परंपरा में नाम के अर्थ को भी खास महत्व दिया जाता रहा है. यही वजह है कि कई परिवार आज भी ऐसे नाम तलाशते हैं जिनका संबंध संस्कृत, वेदों या प्राचीन धार्मिक परंपराओं से हो. यहां कुछ ऐसे नाम हैं जो सुनने में अलग हैं और अपने अर्थ की वजह से भी खास माने जाते हैं.

सोमेश नाम 'सोम' से बना है. वैदिक साहित्य में सोम का विशेष उल्लेख मिलता है और सोम से जुड़े मंत्र ऋग्वेद में भी मौजूद हैं. बाद की धार्मिक परंपराओं में सोम शब्द का संबंध चंद्रमा से भी जोड़ा गया. इस वजह से सोमेश नाम में शांति, सौम्यता और आध्यात्मिकता का भाव आता है. यह नाम छोटा, जाना-पहचाना और पारंपरिक पसंद करने वाले परिवारों के लिए उपयुक्त लग सकता है.

द्युमान

द्युमान संस्कृत का एक खूबसूरत नाम है. इसका अर्थ तेजस्वी, चमकदार या प्रकाश से युक्त बताया जाता है. नाम में उजाले और चमक का भाव होने के कारण यह काफी सकारात्मक सुनाई देता है. अगर आप ऐसा नाम चाहते हैं जो पारंपरिक जड़ों से जुड़ा हो लेकिन सामान्य नामों की सूची में बार-बार सुनाई न दे, तो द्युमान पर विचार किया जा सकता है.

अग्निव

अग्निव नाम अग्नि से जुड़ा हुआ है. वैदिक परंपरा में अग्नि का महत्वपूर्ण स्थान है और ऋग्वेद में अग्नि की स्तुति से जुड़े मंत्र मिलते हैं. अग्नि को प्रकाश, ऊर्जा और यज्ञ परंपरा से जोड़ा जाता है. ऐसे में अग्निव नाम में तेज, ऊर्जा और उजाले का भाव दिखाई देता है. जो माता-पिता बेटे के लिए छोटा और प्रभावशाली नाम चाहते हैं, उनके लिए यह विकल्प आकर्षक हो सकता है.

वसुमान

वसुमान नाम 'वसु' शब्द से जुड़ा है. संस्कृत में वसु का संबंध संपदा, मूल्यवान वस्तु और समृद्धि जैसे अर्थों से मिलता है. वैदिक परंपरा में वसु देवताओं का भी उल्लेख मिलता है. इसलिए इस नाम में समृद्धि के साथ शुभता का भाव जुड़ता है।

बैंगनी रंग की ये चीज आखिर क्या है? यूबीई का नाम क्यों हो रहा है वायरल, जानें स्वाद और फायदे



सोशल मीडिया पर इन दिनों बैंगनी रंग की एक खास चीज खूब वायरल हो रही है, जिसे यूबीई कहा जाता है. यह फिलीपींस में इस्तेमाल होने वाला एक प्रकार का बैंगनी याम है, जिसका स्वाद हल्का मीठा और खास खुशबू वाला होता है. उबे से आइसक्रीम, केक और कई तरह के डेजर्ट बनाए जाते हैं, लेकिन इसका आकर्षण सिर्फ रंग तक सीमित नहीं है.

सोशल मीडिया पर इन दिनों बैंगनी रंग की कई डिशेज और डेजर्ट लोगों का ध्यान खींच रहे हैं. इनमें एक नाम बार-बार सामने आ रहा है ड्रूब्. इसका चमकीला बैंगनी रंग देखने में जितना आकर्षक है, इसका स्वाद भी उतना ही अलग माना जाता है. उबे को खासतौर पर फिलीपींस की कई मिठाइयों और डेजर्ट में इस्तेमाल किया जाता है. लेकिन आखिर उबे है क्या और इसका रंग इतना बैंगनी क्यों होता है?

उबे एक तरह का बैंगनी रंग का याम है, इसे बैंगनी शकरकंद समझना सही नहीं होगा, क्योंकि उबे और शकरकंद अलग पौधों से आते हैं. हालांकि दोनों ही जमीन के अंदर उगने वाले कंद हैं. उबे का इस्तेमाल फिलीपींस के खानपान में लंबे समय से किया जाता रहा है. इसे उबालकर, भाप में पकाकर या मैश करके अलग-अलग व्यंजनों में मिलाया जाता है. उबे का इस्तेमाल खासतौर पर उबे हलाया, आइसक्रीम, केक, कुकीज, ब्रेड, मिल्कशेक और दूसरे डेजर्ट में किया जाता है।

दर्द की दवा से किडनी डैमेज का खतरा, ड्रग्स कंट्रोलर ने दी चेतावनी, डॉक्टर से जानें किस तरह होती है परेशानी



अगर आपको दर्द की दवा खाने की आदत है तो इसे तुरंत रोक दें वरना किडनी डैमेज हो सकता है. यह बात हम नहीं बल्कि सेंट्रल ड्रग स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गेनाइजेशन ने कही है. सीडीएससीओ ने कहा है कि पेनकिलर और एंटीबायटोटिक के बढ़ते इस्तेमाल से देश में किडनी की समस्या भी बढ़ रही है. इसलिए सीडीएससीओ ने चेतावनी जारी कर पेनकिलर और एंटीबायोटिक दवाओं के अनावश्यक इस्तेमाल पर तत्काल रोक लगाने की बात कही है.

अगर आपको दर्द की दवा खाने की आदत है तो इसे तुरंत रोक दें वरना किडनी डैमेज हो सकता है. यह बात हम नहीं बल्कि सेंट्रल ड्रग स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गेनाइजेशन ने कही है. सीडीएससीओ ने कहा है कि पेनकिलर और एंटीबायटोटिक के बढ़ते इस्तेमाल से देश में किडनी की समस्या भी बढ़ रही है. इसलिए सीडीएससीओ ने चेतावनी जारी कर पेनकिलर और एंटीबायोटिक दवाओं के अनावश्यक इस्तेमाल पर तत्काल रोक लगाने की बात कही है.

डॉ. वरुण जैन ने बताया कि हम सब जानते हैं कि किडनी का काम छन्नी यानी फिल्टर का है. यह खून से टॉक्सिक चीजों को पेशाब के रास्ते बाहर भेज देती है और अच्छी चीजों को अंदर ही रख लेती है. किडनी में खून को छानने के लिए लाखों छोटी-छोटी छन्नी यानी फिल्टर होते हैं. इन्हें नेफ्रॉन कहा जाता है. इन नेफ्रॉन तक खून पहुंचाने के लिए बाल से भी हजारों गुना बारीक नलिकाएं होती हैं. जब खून इन नलिकाओं से होकर नेफ्रॉन में जाता है तो किडनी गंदगी को छानकर पेशाब के रास्ते बाहर निकाल देती है और साफ खून को वापस शरीर में भेज देती है. यहां प्रेशर की जरूरत होती है ताकि खून अंतिम नेफ्रोन तक पहुंच सके. इसके लिए किडनी के अंदर ब्लड प्रेशर का बना रहना भी जरूरी है.इस काम को सुचारु रूप से चलाने के लिए किडनी में प्रोस्टाग्लैंडीन नाम का एक केमिकल होता है. यह केमिकल नेफ्रोन तक पहुंचने वाली खून की छोटी-छोटी लाखों नलिकाओं को चौड़ा और ढीला करता है. इससे खून का बहाव वहां तक आसानी से होने लगता है. ह्यूम्ड्रष्ठ दवा प्रोस्टाग्लैंडीन को ब्लॉक कर देती है. दूसरी ओर शरीर में जब दर्द और सूजन होती है तो भी प्रोस्टाग्लैंडीन केमिकल बनाता है. यही केमिकल दिमाग तक दर्द का संदेश पहुंचाता है. यानी दर्द को बढ़ाने के लिए प्रोस्टाग्लैंडीन ही जिम्मेदार है. इस दर्द से बचने के लिए हम दर्द की दवा लेते हैं. यह दवा प्रोस्टाग्लैंडीन बनाने वाले एंजाइम ष्टह्वङ्क-1 और ष्टह्वङ्क-2 को ब्लॉक कर देती है. इससे दर्द तो बंद हो जाता है लेकिन इसके साथ ही किडनी में प्रोस्टाग्लैंडीन बनना भी बंद हो जाता है. अगर हम इन दवाओं का कभी-कभार सेवन करें तो प्रोस्टाग्लैंडीन दोबारा से बनना शुरू हो जाता है लेकिन अगर इसका लगातार सेवन करें तो किडनी में कई तरह की परेशानियां होने लगती है।



आज भी इंडस्ट्री में कुछ अभिनेत्रियां खुद को फेमिनिस्ट कहने से बचती हैं : फातिमा सना शेख



विश्व केसरी■

मुंबई । फातिमा सना शेख इन दिनों अपनी अपकमिंग सीरीज 'हुंकार : द रोर' को लेकर चर्चा में हैं। इस सीरीज में वह एक ऐसी पुलिस अफसर का किरदार निभा रही हैं, जो एक नाबालिग लड़की से जुड़े यौन शोषण के मामले की जांच करती है और सच सामने लाने की कोशिश करती है। अपने इस किरदार के साथ फातिमा ने एक बार फिर महिलाओं से जुड़े मुद्दे पर खुलकर बात की है। उन्होंने फेमिनिज्म को लेकर अपनी सोच साझा करते हुए कहा कि उन्हें इस बात की हैरानी होती है कि आज भी इंडस्ट्री में कुछ अभिनेत्रियां खुद को फेमिनिस्ट कहने से बचती हैं। फातिमा ने कहा, ''फेमिनिज्म को बहुत से लोग एक बुरा शब्द मानते हैं। यह देखकर हैरानी होती है कि कुछ अभिनेत्रियां कहती हैं कि वे फेमिनिस्ट नहीं हैं। फेमिनिस्ट होने का मतलब पुरुषों के अधिकार छीनना नहीं है, बल्कि महिलाओं के लिए बराबरी के अधिकार की बात करना है। महिलाओं को अपने अधिकारों और अपनी बात रखने में झिझक महसूस नहीं करनी चाहिए।''

अपनी बात को आगे समझाते हुए फातिमा ने प्रियंका चोपड़ा जोनस का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा, ''प्रियंका खुले तौर पर खुद को फेमिनिस्ट कहती हैं और इसके बावजूद उनकी बड़ी संख्या में पुरुष फैन फॉलोइंग है। अगर किसी इंसान की सोच और इरादा साफ है और वह अपनी बात समझदारी से रखता है, तो लोग उसकी बात सुनते हैं। प्रियंका इस बात का बड़ा उदाहरण है कि फेमिनिज्म की बात करने से किसी कलाकार का दर्शकों से जुड़ाव खत्म नहीं होता।''

वहीं, 'हुंकार : द रोर' की बात करें तो इसमें फातिमा एक सख्त और अपने काम को लेकर गंभीर पुलिस अफसर के किरदार में नजर आएंगी। सीरीज में अनीत पड्डा एक नाबालिग लड़की का किरदार निभा रही हैं, जो एक आध्यात्मिक गुरु पर यौन शोषण का आरोप लगाती है। फातिमा का किरदार इस मामले की जांच करता है और लड़की को न्याय दिलाने के लिए मामले की तह तक जाने की कोशिश करता है।

फातिमा ने इस प्रोजेक्ट को लेकर कहा कि इस सीरीज पर काम करने के दौरान उन्हें सबसे ज्यादा अच्छा यह लगा कि मेकर्स ने उन्हें बराबरी का दर्जा दिया। कहानी में अपराध, न्याय और ताकत के बीच एक महिला की सच के लिए लड़ाई को केंद्र में रखा गया है। 'हुंकार : द रोर' का निर्माण बिरला स्टूडियोज और अप्लॉज एंटरटेनमेंट ने पर्पल पेबल पिक्चर्स और मंगाटा फिल्म्स के साथ मिलकर किया है। सीरीज का निर्देशन करण डी कपाड़िया और नित्या मेहरा ने किया है। यह क्राइम ड्रामा सीरीज 25 सितंबर से जियोहॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी।

देव शर्मा ने पहले ठुकराया था भगवान राम का किरदार, पिता की एक सलाह ने बदल दिया फैसला



विश्व केसरी■

मुंबई। अभिनेता देव शर्मा जल्द ही फिल्म 'श्री रामायण कथा' में भगवान राम के किरदार में नजर आने वाले हैं। हालांकि, इस किरदार को लेकर वह शुरूआत में तैयार नहीं थे। उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि जब रणबीर कपूर और साई पल्लवी स्टारर बड़े बजट की 'रामायण' पहले से बन रही है, तो एक और रामायण बनाने की जरूरत आखिर क्यों है। इसी दौरान उनके पिता की एक छोटी-सी सलाह ने उनका नजरिया बदल दिया और वह फिल्म की टीम से मिलने पहुंच गए।

मीडिया से खास बातचीत में देव शर्मा ने उस दिन का किस्सा याद किया, जब उन्हें 'श्री रामायण कथा' में भगवान राम का रोल ऑफर हुआ था। उन्होंने कहा, ''मुझे आज भी याद है, रविवार का दिन था। मैं करीब 11 या 12 बजे आलू के पराठे खा रहा था। तभी फिल्म के निर्देशक अभिषेक सिंह का फोन आया। उन्होंने कहा कि हम 'रामायण' पर एक प्रोजेक्ट बना रहे हैं। मैंने उनसे कहा कि सर, मैं 'रामायण' नहीं करूंगा। मुझे लगा था कि उन्होंने शायद लक्ष्मण या रावण के किरदार के लिए फोन किया होगा।''

देव ने कहा, ''मेरे मन में ऐसा इसलिए आया क्योंकि अब तक मैंने जिन किरदारों को निभाया है, उनमें ज्यादातर किरदार मॉडर्न या फिर काफी लाउड रहे हैं। मुझे लगता था कि ऐसे किरदार मेरी एक्टिंग स्टाइल के ज्यादा करीब हैं। हालांकि जब निर्देशक ने बताया कि मुझे लक्ष्मण या रावण नहीं बल्कि भगवान राम के किरदार के लिए चुना गया है, तो मैं हैरान रह गया। मैंने उनसे अपनी बात दोहराने के लिए कहा।''

देव ने कहा, ''मेरी झिझक की एक बड़ी वजह फिल्म का मुकाबला भी था। मैंने मेकर्स से सवाल किया कि जब करीब 1200 करोड़ रुपए के बड़े बजट में रणबीर कपूर और साई पल्लवी जैसे कलाकारों के साथ एक और 'रामायण' बन रही है, तो इस फिल्म को बनाने की जरूरत क्या है।

जब मैं इस तरह के सवाल कर रहा था, उस वक्त मेरे पिता मेरे पास ही बैठे थे। मेरे पिता अब इस दुनिया में नहीं हैं।

मैंने करीब दो साल पहले अपने पिता को खो दिया था लेकिन उस दिन पिता ने मुझे ऐसी सलाह दी, जिसने सब कुछ बदल दिया।''

देव ने कहा, ''मेरे पापा ने उस वक्त कहा कि इतने सारे सवाल पूछने के बजाय तुम एक बार जाकर उनसे मिल क्यों नहीं लेते? यह सलाह मेरे लिए इसलिए भी खास थी क्योंकि मैं उस रविवार को अपने पिता के साथ समय बिताने की सोच रहा था। मैंने उनकी बात मानी और फिल्म की टीम से मिलने चला गया।''

फिल्म के बारे में बात करते हुए देव ने कहा, '''श्री रामायण कथा' की कोशिश रामायण की कहानी की मूल भावना और प्रामाणिकता को बनाए रखते हुए आज की पीढ़ी से जुड़ने की है। फिल्म में कहानी का आधार वही रखा गया है, जिसे लोग सालों से सुनते, पढ़ते और देखते आए हैं। हालांकि, फिल्म में ऐसा भी बहुत कुछ है, जो इसे बाकी रामायण प्रोजेक्ट्स से थोड़ा अलग बनाता है।

संजना सांघी ने यूएन में उठाई युवाओं की आवाज, कहा- 'आज की पीढ़ी को वैसी सुविधाएं नहीं मिल रही, जिसके वे हकदार हैं'



विश्व केसरी■

मुंबई। एक्ट्रेस संजना सांघी ने एक बार फिर भारत के युवाओं से जुड़े मुद्दों को वैश्विक मंच पर उठाया है। उन्होंने न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में एक आधिकारिक कार्यक्रम में हिस्सा लिया, जहां उन्होंने युवा सशक्तीकरण, शिक्षा और जमीनी स्तर पर विकास को लेकर अपनी बात रखी।

उन्होंने सवाल उठाया कि क्या आज की पीढ़ी को आगे बढ़ने के लिए उतने संसाधन और मौके मिल रहे हैं, जितने उन्हें मिलने चाहिए?

संजना ने कहा, ''मैं पिछले करीब 12 साल से युवाओं और शिक्षा से जुड़े मुद्दों पर काम करती आ रही हूं। जब मैं टीनएजर थी, तब मुझे खुद महसूस हुआ था कि शिक्षा किस तरह मेरी जिंदगी बदल सकती है। उस समय मुझे यह बताने के लिए किसी का इंतजार नहीं करना पड़ा कि मुझे नेतृत्व करना चाहिए या शिक्षा ही बदलाव का रास्ता है। मैंने खुद इसे महसूस किया और उसी सोच के साथ आगे बढ़ी।''

संजना ने कहा, ''भारत के पास दुनिया में सबसे बड़ी युवा आबादी है। ऐसे में यह सवाल बेहद जरूरी हो जाता है कि हम आने वाली पीढ़ियों को किस तरह तैयार कर रहे हैं। मैं लंबे समय से युवाओं के नेतृत्व में होने वाले विकास से जुड़ी रही हूं और इसी वजह से मेरे मन में यह सवाल उठता है कि क्या युवाओं को वह तैयारी और सुविधाएं मिल रही हैं, जिसके वे हकदार हैं।''

अपने भाषण में संजना ने सैन्य खर्च का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, ''जब खबरों में बड़े सैन्य खर्च के आंकड़े दिखाई देते हैं, तो मैं सोचती हूं कि अगर उस रकम का छोटा सा हिस्सा भी शिक्षा और जमीनी विकास पर लगाया जाए तो काफी बदलाव लाया जा सकता है। इस तरह के संसाधनों से प्राथमिक स्कूल, बेहतर मेडिकल सुविधाएं, वोकेशनल ट्रेनिंग सेंटर और आर्ट सेंटर बनाए जा सकते हैं, जिससे समाज की कई बुनियादी समस्याओं को स्थानीय स्तर पर हल करने में मदद मिल सकती है।''

रश्मि देसाई की टीवी पर वापसी, बोलीं- 'कमबैक नहीं बल्कि सही मकसद वाले किरदार का था इंतजार'



विश्व केसरी■

मुंबई। टीवी की दुनिया में अपनी एक्टिंग और अलग अंदाज से पहचान बनाने वाली रश्मि देसाई एक बार फिर छोटे पर्दे पर वापसी करने जा रही हैं। लंबे समय बाद अभिनेत्री नए शो 'सयोनी' में नजर आएंगी। रश्मि के लिए यह वापसी सिर्फ एक और टीवी प्रोजेक्ट का हिस्सा नहीं है, बल्कि एक ऐसे किरदार के साथ पर्दे पर लौटने का मौका है, जिससे वह खुद को जोड़ पाई हैं।

'सयोनी' को लेकर उत्साह जाहिर करते हुए रश्मि ने कहा, ''शो में मेरा किरदार माया सिर्फ एक कल्पना नहीं है, बल्कि एक बहुत ही प्रैक्टिकल किरदार है। मुझे कई ऑफर मिले थे, लेकिन मैंने उन्हें मना कर दिया क्योंकि मैं उन कहानियों और किरदारों से जुड़ाव महसूस नहीं कर पा रही थीं। हर कलाकार चाहता है कि उसे ऐसा किरदार मिले, जो अच्छी तरह लिखा गया हो और जिसे निभाने में उसे कुछ खास महसूस हो।''

रश्मि ने कहा, ''मैं टीवी पर कमबैक नहीं ढूंढ रही थीं, मैं किसी मकसद की तलाश में थीं। शो के प्रोड्यूसर सरगुन मेहता और रवि दुबे, दोनों वाकई टीवी पर शानदार काम कर रहे हैं। डायरेक्टर उत्तम भेलावत भी कमाल के इंसान है। कैमरे के पीछे काम करने वाले लोगों को अक्सर दर्शक नहीं जानते, लेकिन किसी कहानी को सही दर्शकों तक पहुंचाने में इन लोगों की भूमिका बहुत अहम होती है।''

अभिनेत्री ने अपने इस इंतजार को लेकर कोई पछतावा भी नहीं जताया। उन्होंने कहा कि अच्छा हुआ कि उन्होंने लंबे समय तक इंतजार किया और अपनी भावनाओं के साथ ईमानदार रहीं। रश्मि का कहना है कि वह कभी भी जल्दबाजी में फैसले नहीं लेतीं और इस बार भी उन्होंने वही किया। उनके लिए सिर्फ स्क्रीन पर दिखाई देना जरूरी नहीं था, बल्कि ऐसा काम करना जरूरी था, जिसे करने के बाद उन्हें लगे कि उन्होंने सही फैसला लिया है।

शो में रश्मि के साथ जान्हवी सोनी और गौतम सिंह विग भी अहम भूमिकाओं में हैं। जान्हवी शो में सानवी का किरदार निभा रही हैं। उन्होंने अपने किरदार के बारे में कहा, ''सानवी बहुत प्यार करने वाली और दूसरों की परवाह करने वाली लड़की है, लेकिन उसकी अच्छाई को उसकी कमजोरी समझना सही नहीं होगा।

'बिग बॉस-20' में कुशाल तंवर गुल्लू का इमोशनल ब्रेकडाउन, कहा-4 महीने में टूटी शादी, फैमिली ने तोड़ा था नाता

विश्व केसरी■

मुंबई। सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर कुशाल तंवर (गुल्लू) इन दिनों 'बिग बॉस-20' में नजर आ रहे हैं। शो के अंदर गुल्लू ने अपनी शादी का खुलासा करते हुए बताया कि शादी के 4 से 5 महीने के अंदर ही उनका तलाक हो गया था। कंटेस्टेंट कुशाल तंवर (गुल्लू) ने तौकीर काजी के साथ बातचीत में अपने पुराने रिश्ते पर बात की, जिसमें उन्होंने अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में बात करते हुए कहा कि उन्होंने तलाक का दर्द झेला है।

कुशाल तंवर (गुल्लू) ने तौकीर काजी के साथ अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में खुलासा करते हुए कहा, 'मेरा बहुत बुरा दिल टूटा था। ये ब्रेकअप से भी बुरा था, जब मेरा तलाक हुआ था।'

कुशाल तंवर (गुल्लू) की बात सुनकर तौकीर काजी चौंक गए और हैरानी जताते हुए पूछा कि शादी कब हुई थी, तो गुल्लू ने अपने मुश्किल दौर के बारे में बताया।उन्होंने कहा, 'मेरा तलाक 2024 में हुआ था। मेरे यह बहुत डिप्रेसिंग फेज था क्योंकि मेरी शादी 4-5 साल ही चली थी। सबको लगता था कि ये गलत है और मैं कोशिश करता रहा लेकिन फिर मुझे समझ आया कि ये नहीं चल पाएगा। हमारे यहां शादियां जल्दी हो जाती हैं और मुझे फैमिली की वजह से शादी करनी पड़ी थी।'

गुल्लू ने कहा कि आखिर में उन्होंने अपने काम पर फोकस करने का फैसला किया और उम्मीद जताई कि इस मुश्किल दौर के बाद जिंदगी बेहतर होगी। उन्होंने कहा, 'इससे बुरा और कुछ नहीं हो सकता, अब आगे जिंदगी बेहतर ही होगी और मैंने बस अपने काम पर ध्यान देने का फैसला किया। उन्होंने बताया कि जब वे 'रोडीज' शो कर रहे थे, उसी दौरान उनके तलाक की प्रक्रिया चल रही थी।

'घर तोड़ने वालों को महिमामंडित करना बंद करो', कश्मीरा ने फैंस को दी नसीहत

विश्व केसरी■

मुंबई। अभिनेत्री कश्मीरा शाह अपनी बेबाक अंदाज के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने 'लाफ्टर शेफ्स' के सभी सीजन में अपनी मजेदार पर्सनैलिटी से दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है। अभिनेत्री ने अप्रत्यक्ष तरीके से गोविंदा के हालिया राजा लालबागचा दर्शन में को-स्टार के साथ जाने पर नाराजगी जाहिर की।

कश्मीरा शाह, जो गोविंदा के भांजे कृष्णा अभिषेक की पत्नी हैं, उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें उन्होंने अप्रत्यक्ष तरीके से पति-कमीडियन कृष्णा अभिषेक की मामी की तरफ से स्टैंड लेते हुए फैंस से अपील की कि ऐसे लोगों को पूजना बंद करें, जो अपनी पत्नी को छोड़कर कम उम्र की लड़कियों के साथ घूमना पसंद करते हैं।

अभिनेता ने लिखा, 'मुझे यकीन नहीं हो रहा कि लोग एक 'मिस्ट्री वुमन' को इतना ग्लैमराइज कर रहे हैं और उसके बारे में पोस्ट कर रहे हैं। घर तोड़ने वालों को महिमामंडित करना बंद करो और उन आदमियों को पूजना बंद करो जो अपनी वफादार पत्नियों को छोड़कर कम उम्र की महत्वाकांक्षी लड़कियों के पीछे भागते हैं। बहुत ही घटिया है। हमारे लोगों से ज्यादा समझदारी और नैतिकता की उम्मीद है। प्लीज ये पागलपन बंद करो।'



दरअसल, कश्मीरा शाह की यह पोस्ट ऐसे समय में आई है, जब गोविंदा का नाम उनकी सह-कलाकार कोमल रानी स्वर्णकार के साथ जोड़ा जा रहा था और दोनों को साथ देखे जाने के बाद अफवाहों का बाजार गर्म है। इन्हीं अफवाहों के बीच, अभिनेता गोविंदा मंगलवार को मुंबई के प्रसिद्ध लालबागचा राजा के दर्शन करने के लिए अपनी आने वाली फिल्म 'रूपा' की को-स्टार कोमल रानी स्वर्णकार (रानी स्वर्णकार) के साथ गए थे। यह दर्शन उन्होंने 22 सितंबर को किया था, जो उनकी पत्नी सुनीता आहूजा के अकेले दर्शन करने के कुछ ही घंटों बाद हुआ। दोनों की साथ में तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में हैं।

हालांकि, अभिनेत्री कश्मीरा शाह ने पोस्ट में किसी का भी नाम नहीं लिया है, लेकिन उनकी यह पोस्ट इसी ओर इशारा करती है।

'ग्लोबल साउथ' देशों और सहयोगियों की मंत्री-स्तरीय बैठक, एस जयशंकर ने की अध्यक्षता

विश्व केसरी■



न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क में मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र से इतर 'ग्लोबल साउथ' के समान विचारधारा वाले देशों और सहयोगियों की उच्च-स्तरीय मंत्री-स्तरीय बैठक हुई। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने उच्च-स्तरीय मंत्रिस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक का विषय 'एक उज्ज्वल भविष्य की ओर साथ-साथ आगे बढ़ना-सशक्त वैश्विक दक्षिण का मजबूत पक्ष' था।

बैठक में वैश्विक दक्षिण के सामने मौजूद मौजूदा चुनौतियों पर चर्चा हुई। इनमें जारी संघर्षों का खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा पर असर, व्यापार एवं निवेश प्रवाह में अस्थिरता, संघर्ष वाले क्षेत्रों में समुद्री यात्रियों की सुरक्षा, चरम जलवायु घटनाएं और सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को हासिल करने में हो रही देरी प्रमुख रूप से शामिल रहे।

मित्र देशों ने बहुपक्षीय संस्थाओं के कमजोर पड़ने पर साझा चिंता जताई। उन्होंने मौजूदा वैश्विक चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए विशेष रूप से संयुक्त राष्ट्र में व्यापक सुधार की तत्काल जरूरत पर जोर दिया। उनका कहना था कि मौजूदा वैश्विक संकटों का असर वैश्विक दक्षिण के देशों पर असमान रूप से पड़ रहा है। वैश्विक और क्षेत्रीय घटनाक्रम पर भी विचारों का आदान-प्रदान हुआ। प्रतिभागियों ने बहुपक्षीय मंचों पर वैश्विक दक्षिण के देशों के बीच बेहतर समन्वय की जरूरत बताई। साथ ही दक्षिण-दक्षिण सहयोग को व्यापक बनाने और एक-दूसरे की क्षमताओं तथा संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल करने पर सहमति जताई। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के क्षेत्र में भी सहयोग बढ़ाने की जरूरत बताई। कहा गया कि एआई से होने वाला तकनीकी बदलाव दुनिया में नई खाई पैदा करने वाला नहीं होना चाहिए। वैश्विक दक्षिण को इस परिवर्तन का हिस्सा बनना होगा और एआई का इस्तेमाल मानव-केंद्रित तरीके से किया जाना चाहिए।

हाई लेवल मीटिंग में अपनी सामूहिक स्थिति को मजबूत करने और एक संतुलित, सबकी भागीदारी वाले तथा न्यायपूर्ण वैश्विक शासन ढांचे के लिए प्रयास जारी रखने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई गई।

इससे पहले विदेश मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उच्च स्तरीय बैठक में प्रमुखता से उठाए गए मुद्दों का सारांश दिया। उन्होंने बताया कि बैठक में आपूर्ति श्रृंखलाओं, वित्त और कनेक्टिविटी में ऐसे अवरोधों को स्वीकार न करने की जरूरत पर जोर दिया गया, जो विकासशील देशों के लिए नई मुश्किलें पैदा कर सकते हैं।

ईरानी विदेश मंत्री ने फ्रांस पर लगाया दोहरे मापदंड का आरोप

विश्व केसरी■



न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र महासभा में शामिल होने गए ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने फ्रांस के अपने समकक्ष जीन-नोएल बारो से मुलाकात की। इसके बाद उन्होंने में ईरान को लेकर पेरिस के रुख की निंदा की और मानवाधिकारों के मामले में 'दोहरे मापदंड' अपनाने का आरोप लगाया। दोनों के बीच मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र से इतर न्यूयॉर्क में मुलाकात हुई।

अराघची ने बैठक के बाद अपने टेलीग्राम चैनल पर कहा कि उन्होंने ईरान के प्रति फ्रांस के 'हस्तक्षेपवादी' रुख पर अपनी आपत्ति दर्ज कराई। उन्होंने तेहरान स्थित फ्रांसीसी दूतावास से ईरान के राष्ट्रीय कानूनों और नियमों का सम्मान करने को भी कहा।

ईरानी विदेश मंत्री ने क्षेत्रीय घटनाक्रम को लेकर फ्रांस की स्थिति को भी निशाने पर लिया। उन्होंने कहा, 'ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजरायल की सैन्य कार्रवाई को लेकर फ्रांस का रुख अस्वीकार्य है। हम फ्रांस सहित सभी देशों के साथ आपसी सम्मान और साझा हितों के आधार पर संबंध रखना चाहते हैं, लेकिन अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए दृढ़ रुख अपनाएंगे।'

मानवाधिकारों के मुद्दे पर अराघची ने फ्रांस पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'पेरिस एक तरफ मानवाधिकारों को लेकर चिंता जताता है, लेकिन दूसरी ओर अमेरिका और इजरायल की ओर से ईरानी लोगों के खिलाफ किए गए मानवता के खिलाफ अपराधों पर चुप रहता है।' ईरानी विदेश मंत्री ने विशेष रूप से आम नागरिकों और बच्चों की मौत का उल्लेख किया।

यह पहली बार नहीं है जब अराघची ने बारो की ईरान नीति को लेकर सार्वजनिक रूप से कड़ी प्रतिक्रिया दी है।

संक्षिप्त खबर

अल नीनो के असर से तूफान 'पोलो' कैटेगरी-5 में बदला, मेक्सिको तट पर हड़कंप

विश्व केसरी■



मेक्सिको सिटी। प्रशांत महासागर में एक और तूफान को लेकर अलर्ट जारी कर दिया है। इसने हड़कंप मचा दिया है। मेक्सिको के दक्षिण-पश्चिमी तट के पास उठा तूफान 'पोलो' महज 24 घंटे के भीतर उष्णकटिबंधीय तूफान से कैटेगरी-5 के बेहद शक्तिशाली हरिकेन में बदल गया। वैज्ञानिकों के मुताबिक, इसके तेजी से मजबूत होने के पीछे इस साल का असाधारण रूप से शक्तिशाली अल नीनो एक प्रमुख कारक है। अमेरिका के नेशनल हरिकेन सेंटर (एनएचसी) के अनुसार, मंगलवार को पोलो की अधिकतम निरंतर हवाओं की रफ्तार करीब 165 मील प्रति घंटा यानी 270 किलोमीटर प्रति घंटा थी। तूफान का केंद्र मेक्सिको के जिहुआतानेजो शहर से करीब 345 किलोमीटर दक्षिण में प्रशांत महासागर में था। एनएचसी ने इसे 'बेहद खतरनाक' तूफान बताया है। पोलो सोमवार को महज एक उष्णकटिबंधीय तूफान था और इसकी हवाओं की रफ्तार 74 मील प्रति घंटे से कम थी। लेकिन अगले 24 घंटों में इसकी ताकत में असाधारण वृद्धि हुई और यह कैटेगरी-5 तूफान बन गया। यह तेजी इस साल के 'सुपर अल नीनो' के प्रभाव से जुड़ी हुई है, जिसने प्रशांत क्षेत्र में तूफानी गतिविधियों को बढ़ावा दिया है।

असम साइबर अपराध जांच: कामरूप में चार और गिरफ्तार, कुल गिरफ्तारियां बढ़कर 14 हुई

विश्व केसरी■



गुवाहाटी। असम पुलिस ने संदिग्ध साइबर अपराध गतिविधियों की चल रही जांच के तहत कामरूप जिले में एक ऑपरेशन में चार और लोगों को गिरफ्तार किया है, जिससे इस मामले में गिरफ्तार लोगों की कुल संख्या 14 हो गई है। बोको-छायगांव सब-डिविजन के पुलिस सुपरिटेंडेंट के तहत काम करने वाले पुलिस अधिकारियों और नगरबेरा व तुपामारी पुलिस स्टेशनों के जवानों ने तुपामारी के कई इलाकों में एक जॉइंट ऑपरेशन चलाया, जिसके दौरान ये गिरफ्तारियां की गईं। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान टंगनामारी के महसूद अहमद और तुपामारी इलाके के इंतदुल हक, हाबेल उद्दीन और सैफुल इस्लाम के तौर पर हुई है। गिरफ्तारी के बाद, पुलिस टीमों ने संदिग्ध नेटवर्क का पता लगाने और कथित साइबर क्राइम गतिविधियों की प्रकृति का पता लगाने के लिए आरोपियों के घरों की तलाशी ली। तलाशी के दौरान, जांचकर्ताओं को कई एटीएम कार्ड, बैंक पासबुक, चेक बुक और अन्य दस्तावेज मिले। पुलिस जब्त किए गए सामान की जांच कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या उनका कथित साइबर क्राइम गतिविधियों से कोई संबंध है और संदिग्धों के बीच कोई वित्तीय या ऑपरेशनल लिंक है या नहीं। इन नई गिरफ्तारियों के साथ, चल रही जांच के सिलसिले में तुपामारी के अलग-अलग इलाकों से अब तक 14 लोगों को हिरासत में लिया जा चुका है। पुलिस गिरफ्तार लोगों से पूछताछ कर रही है और तलाशी के दौरान मिले सामान की जांच कर रही है।

श्रीलंका: ईस्टर बम धमाके में 15 दोषियों को 200 से 260 साल तक की सजा

विश्व केसरी■



कोलंबो। श्रीलंका की एक हाईकोर्ट ने 2019 के ईस्टर संडे बम धमाकों के मामले में ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। कोर्ट ने 15 लोगों को दोषी ठहराते हुए 200 से 260 साल तक जेल की सजा सुनाई है। इन धमाकों में 267 लोगों की मौत हुई थी और करीब 600 घायल हुए थे। अदालत ने दोषियों की संपत्ति जब्त करने का भी आदेश दिया है।

श्रीलंका के प्रमुख दैनिक डेली मिरर ने बुधवार को प्रकाशित खबर में बताया कि तीन न्यायाधीशों की हाईकोर्ट पीठ ने मंगलवार को करीब पांच साल तक चले मुकदमे के बाद फैसला सुनाया। सुरक्षा के कड़े इंतजाम के बीच अदालत परिसर के आसपास बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात किए गए थे।

21 अप्रैल 2019 को ईस्टर के मौके पर श्रीलंका में तीन चर्चों और तीन प्रमुख होटलों को निशाना बनाकर आत्मघाती बम धमाके किए गए थे। इन हमलों में 42 विदेशी नागरिक भी मारे गए थे। हमले इस्लामिक स्टेट से प्रेरित श्रीलंका के दो स्थानीय इस्लामी उग्रवादी संगठनों से जुड़े बताए गए थे।

अदालत ने दोषियों को उनकी भूमिका के आधार पर अलग-अलग सजा सुनाई। पांच लोगों को 200-200 साल, पांच को 220-220 साल, चार को 240-240 साल और एक व्यक्ति को 260 साल की सजा दी गई। अभियोजन पक्ष के अनुसार, सभी सात धमाकों (तीन चर्च, तीन होटल और एक मोटल में हुए विस्फोट) को सजा तय करते समय ध्यान में रखा गया।

मामले में 2021 में 25 आरोपियों के खिलाफ 23,270 आरोप दर्ज किए गए थे। इनमें हत्या, आतंकवादी साजिश और आग्नेयास्त्रों तथा विस्फोटकों से जुड़े अपराध शामिल थे। सुनवाई का सामना कर रहे 24 आरोपियों में से 15 को दोषी ठहराया गया, जबकि नौ को आरोप साबित नहीं होने पर बरी कर दिया गया। एक अन्य आरोपी की मुकदमा पूरा होने से पहले मौत हो गई थी।

अमेरिका संग युद्धाभ्यास में अपाचे हेलीकॉप्टर की एंट्री, हवा से किए सटीक वार

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। भारत और अमेरिकी सेना के युद्धाभ्यास में एएच-64ई अपाचे लड़ाकू हेलीकॉप्टर भी शामिल हो गए हैं। आसमान में अपाचे हेलीकॉप्टर और जमीन पर भारतीय व अमेरिकी सैनिकों ने मिलकर युद्ध जैसी परिस्थितियों में संयुक्त कार्रवाई का अभ्यास किया। यह मिशन राजस्थान की महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में पूरा किया जा रहा है।

सेना के मुताबिक, इस अभ्यास में सैनिकों ने पहले मिलकर मिशन की योजना बनाई। इसके बाद जमीन पर मौजूद सैनिकों और हवा में उड़ रहे अपाचे के बीच तालमेल का अभ्यास किया गया। इसका मकसद यह देखना है कि जरूरत पड़ने पर हेलीकॉप्टर और जमीनी सैनिक एक-दूसरे के साथ कितनी तेजी और सटीकता से काम कर सकते हैं। अपाचे की मौजूदगी ने युद्ध अभ्यास को एक नया आयाम दिया। सैनिकों ने हवाई हमले और जमीनी कार्रवाई को साथ जोड़ने, आपसी संपर्क बनाए रखने और सही समय पर कार्रवाई करने का अभ्यास किया। भारतीय और अमेरिकी सैनिकों के लिए यह अभ्यास एक-दूसरे की कार्यप्रणाली को करीब से समझने का भी मौका है। दोनों सेनाएं एक जैसी प्रक्रियाओं, संचार और आपसी तालमेल को बेहतर बनाने पर काम कर रही हैं। युद्ध अभ्यास 2026 में अपाचे की भागीदारी यह दिखाती है कि यह अभ्यास सिर्फ जमीन पर सैनिकों की ट्रेनिंग तक सीमित नहीं है। इसमें हवा और जमीन की ताकत को एक साथ इस्तेमाल कर संयुक्त कार्रवाई का अभ्यास भी किया जा रहा है।

इससे पहले महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में हॉवित्जर व धनुष से फायरिंग की गई।

ऑपरेशन दहन: गौतमबुद्धनगर में 12.43 करोड़ रुपए के नशीले पदार्थों का विनिष्टीकरण, 224 मुकदमों से जुड़ा था माल

विश्व केसरी■



ग्रेटर नोएडा। नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ गौतमबुद्धनगर पुलिस की ओर से चलाए जा रहे अभियान के तहत एक बड़ी कार्रवाई की गई है। पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर लक्ष्मी सिंह के निर्देशन में चल रहे 'ऑपरेशन दहन' के अंतर्गत कमिश्नरेट के विभिन्न थानों में दर्ज एनडीपीएस एक्ट के 224 मुकदमों से संबंधित जब्त और बरामद नशीले पदार्थों का विधिवत विनिष्टीकरण किया गया।

पुलिस के अनुसार नष्ट किए गए मादक पदार्थों की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 12 करोड़ 43 लाख 42 हजार 750 रुपए है। पुलिस के मुताबिक, 22 सितंबर को की गई इस कार्रवाई में बड़ी मात्रा में अलग-अलग प्रकार के मादक पदार्थों को नष्ट किया गया। इसमें 2253.987 किलोग्राम गांजा, 20.87 किलोग्राम चरस, 2 किलोग्राम डोडा, 27 ग्राम स्मैक, 3206 नशीली गोलियां और 51 ग्राम नशीला पाउडर शामिल थे। ये सभी मादक पदार्थ कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर के विभिन्न थानों में दर्ज एनडीपीएस एक्ट के मामलों में पुलिस द्वारा बरामद अथवा जब्त किए गए थे।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार अवैध मादक पदार्थों की तस्करी और बिक्री पर रोक लगाने के लिए कमिश्नरेट पुलिस की ओर से लगातार चेकिंग और कार्रवाई की जा रही है। इस दौरान बरामद होने वाले मादक पदार्थों को नियमानुसार सुरक्षित रखा जाता है और संबंधित मुकदमों की कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद उनके विनिष्टीकरण की कार्रवाई की जाती है। इसी प्रक्रिया के तहत जब्त मादक पदार्थों के विनिष्टीकरण के लिए पुलिस की ओर से एक विशेष समिति का गठन किया गया था।

समिति की निगरानी में संबंधित मामलों की जांच और कानूनी औपचारिकताएं पूरी की गईं।

तेलंगाना के अस्पताल में लगी आग से मरने वालों की संख्या बढ़कर पांच हुई

विश्व केसरी■



हैदराबाद। तेलंगाना के आदिलाबाद शहर में राजीव गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आरआईएमएस) के स्पेशल न्यूबॉर्न केयर यूनिट (एसएनसीयू) वार्ड में लगी भीषण आग में जलने से दो और नवजात शिशुओं की मौत हो गई है, जिससे मरने वालों की संख्या बढ़कर पांच हो गई है।

आरआईएमएस में इलाज के दौरान एक नवजात शिशु की मौत हो गई और दूसरे की मौत निर्मल शहर ले जाते समय हो गई।

इससे पहले, सोमवार आधी रात को एसएनसीयू के रिसेप्शन एरिया में एयर-कंडीशनर में आग लगने से तीन शिशुओं की मौत हो गई थी। अस्पताल में दमकल की गाड़ी भेजी गई और आग पर काबू पा लिया गया। मरीजों के तीमारदारों और अस्पताल के कर्मचारियों ने लगभग 25 शिशुओं को बचाया। इस घटना में समय से पहले जन्मे पांच दिन के एक बच्चे की तुरंत मौत हो गई, जबकि समय से पहले जन्मे चार दिन के एक अन्य बच्चे की चार घंटे बाद मौत हो गई। तीसरा शिशु, दो दिन की बच्ची जो 28 हफ्ते में समय से पहले पैदा हुई थी, दूसरे अस्पताल ले जाते समय मर गई।

स्वास्थ्य मंत्री सी. दामोदर राजा नरसिम्हा ने आरआईएमएस का दौरा किया और आग लगने वाली जगह का निरीक्षण किया। उन्होंने मौतों पर दुख जताया और पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

मंत्री ने जिला कलेक्टर राजर्षि शाह, आरआईएमएस के अधिकारियों और डॉक्टरों से बचाव कार्यों, शिशुओं की मौजूदा मेडिकल स्थिति और उन्हें दिए जा रहे इलाज के बारे में जानकारी ली। शुरुआती जांच से पता चला कि एसी यूनिट में बिजली के शॉर्ट सर्किट से आग लगी थी और एसी से जुड़े प्लास्टिक के हिस्सों के जलने से घना धुआं फैल गया था।

पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री ने राज्य को नशा-मुक्त बनाने के अपने संकल्प को दोहराया

विश्व केसरी■



कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने बुधवार को कहा कि उनकी सरकार राज्य को नशा-मुक्त बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने यह भी कहा कि अवैध नशीले पदार्थों और तस्करी के नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य प्रशासन और पुलिस नशीले पदार्थों के दुरुपयोग को रोकने और ड्रग तस्करी के धंधों को खत्म करने के लिए पूरे पश्चिम बंगाल में लगातार कार्रवाई कर रहे हैं। उन्होंने अवैध नशीले पदार्थों के प्रति सरकार के 'जीरो-टॉलरेंस' (सख्त) रुख को दोहराया और जन-स्वास्थ्य की रक्षा तथा युवा पीढ़ी को नशे की लत के खतरों से बचाने के लिए प्रवर्तन प्रयासों को और तेज करने का संकल्प लिया।

दक्षिण दिनाजपुर जिले में हाल ही में हुए एक ऑपरेशन का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस ने अवैध रूप से हासिल और तस्करी किए गए कोडीन-युक्त कफ सिरप की लगभग दो लाख बोतलें जब्त कीं और बाद में उन्हें नष्ट कर दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस सक्रिय कार्रवाई के बाद, संबंधित दवा निर्माता कंपनी, लैबोरेट फार्मास्यूटिकल्स इंडिया लिमिटेड ने नशीले पदार्थों की समस्या को रोकने में सहयोग का वादा करते हुए एक औपचारिक प्रस्ताव सौंपा है। नशा-मुक्त जन-स्वास्थ्य प्रणाली सुनिश्चित करने और दवाइयों के दुरुपयोग को रोकने के हमारे मिशन का समर्थन करते हुए कंपनी ने औपचारिक रूप से यह वचन दिया है कि उसका उत्पाद 'एस्कॉफ सिरप' अब पश्चिम बंगाल राज्य के भीतर किसी भी डीलर को सीधे या अपने स्थानीय बिक्री डिपो के माध्यम से नहीं बेचा जाएगा।

भारत में स्वदेशी रूप से निर्मित एसीवी एच-562 तटरक्षक बल में शामिल

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। भारतीय तटरक्षक बल ने समुद्री सुरक्षा को मजबूत करते हुए एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। तटरक्षक बल ने 23 सितंबर को स्वदेश में निर्मित समुद्री पोत को अपने बेड़े में शामिल किया है। यह एयर कुशन व्हीकल एसीवी एच-562 है।

तटरक्षक बल के मुताबिक, यह भारत में स्वदेशी रूप से निर्मित दूसरा एयर कुशन व्हीकल है। एयर कुशन व्हीकल के शामिल होने से तटरक्षक बल की समुद्री तैयारियों को और मजबूती मिलेगी। यह पोत तटरक्षक बल की समुद्री क्षेत्र में पहुंच और अभियान क्षमता बढ़ाने में मदद करेगा। खास तौर पर ऐसे क्षेत्रों में इसकी उपयोगिता महत्वपूर्ण होगी, जहां सामान्य पोतों के लिए पहुंचना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। एसीवी एच-562 का डिजाइन और निर्माण भारत में ही किया गया है। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि इसका तटरक्षक बल में शामिल होना देश की बढ़ती स्वदेशी जहाज निर्माण क्षमता को भी दर्शाता है। इससे समुद्री सुरक्षा के लिए जरूरी प्लेटफॉर्म के निर्माण में घरेलू क्षमता को बढ़ावा मिलता है। गौरतलब है कि भारतीय तटरक्षक बल लगातार अपनी निगरानी और समुद्री सुरक्षा क्षमता को मजबूत कर रहा है।

नए स्वदेशी प्लेटफॉर्म इस प्रयास का अहम हिस्सा हैं। एसीवी एच-562 के शामिल होने से तटरक्षक बल की परिचालन पहुंच और समुद्री क्षेत्र में तेजी से कार्रवाई करने की क्षमता को और बल मिलेगा। यह उपलब्धि आत्मनिर्भर भारत की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है। देश में डिजाइन और निर्मित प्लेटफॉर्म को तटरक्षक बेड़े में शामिल करना भारत की स्वदेशी रक्षा और समुद्री निर्माण क्षमता को आगे बढ़ाता है।

गौरतलब है कि बीते दिनों नई दिल्ली में तटरक्षक बल की कमांडर्स कांफ्रेंस हुई थी। कमांडर्स कांफ्रेंस के दौरान समुद्री सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियों पर मंथन किया गया। बैठक में तटरक्षक बल की ऑपरेशनल तैयारी, क्षमता विकास, बुनियादी ढांचे, प्रशिक्षण और स्वदेशीकरण से जुड़े विषयों पर विशेष ध्यान दिया गया था।

भारतीय महिला हॉकी टीम का दमदार प्रदर्शन जारी, थाईलैंड को 20-1 से हराया

विश्व केसरी ■

गिफू। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय महिला हॉकी टीम का शानदार प्रदर्शन जारी है। बुधवार को गिफू प्रीफेक्चुरल ग्रीन स्टेडियम में पूल बी के मैच में भारत ने थाईलैंड को 20-1 से रौंदते हुए एक और बड़ी जीत हासिल की।

इस जीत के साथ ही भारत का टूर्नामेंट में अजेय रिकॉर्ड बरकरार है और स्कोर्ड मारिजने की कोचिंग वाली टीम पूल स्टैंडिंग में मजबूती से शीर्ष पर बनी हुई है। यह भारत की लगातार तीसरी जीत है। इससे पहले भारतीय टीम ने उज्बेकिस्तान को 19-0 और फिर इंडोनेशिया को 17-1 के बड़े अंतर से शिकस्त दी थी।

थाईलैंड के खिलाफ दीपिका का प्रदर्शन शानदार रहा और उन्होंने मैच में कुल 9 गोल दागे। फॉरवर्ड और ड्रैग-फ्लिक स्पेशलिस्ट दीपिका ने अपने सभी 9 गोल पेनल्टी कॉर्नर से किए, जिससे बार-बार यह साफ हुआ कि थाईलैंड को भारत के सेट-पीस अटैक का सामना करने में कितनी मुश्किलों का सामना करना पड़ा।





नवनीत कौर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चार गोल दागे, जबकि रुतुजा पिसल ने हैट्रिक पूरी की। इसके अलावा, नेहा, लालरेम्सियामी, साक्षी राणा और कप्तान सलीमा टेटे ने भी गोल कर टीम की जीत में अहम योगदान दिया। भारतीय टीम ने पूरे मैच में आक्रामक खेल दिखाया और लगातार विपक्षी टीम पर दबाव बनाए रखा। शानदार अटैक और बेहतरीन तालमेल के दम पर भारत ने मुकाबले पर पूरी तरह नियंत्रण रखा और विपक्ष को वापसी का कोई मौका नहीं दिया।

दूसरा वनडेः कप्तान यास्तिका का शतक बेकार, ऑस्ट्रेलिया-ए ने भारतीय टीम को 2 विकेट से हराकर बराबरी की



विश्व केसरी ■

मोहाली। ऑस्ट्रेलिया की महिला-ए टीम ने बुधवार को भारतीय टीम के खिलाफ पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन आई एस बिंद्रा स्टेडियम में खेले गए अनाधिकारिक वनडे सीरीज के दूसरे मुकाबले को 2 विकेट से अपने नाम किया। इसी के साथ मेहमान टीम ने सीरीज में 1-1 से बराबरी कर ली है। अंतिम मैच 25 सितंबर को इसी मैदान पर खेला जाएगा।

बुधवार को टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने 6 विकेट खोकर 338 रन बनाए। तनीषा सिंह ने प्रिया पुनिया के साथ पहले विकेट के लिए 58 रन की साझेदारी की। प्रिया 32 गेंदों में 7 चौकों के साथ 36 रन बनाकर आउट हुईं।

यहां से कप्तान यास्तिका भाटिया ने मोर्चा संभाला। उन्होंने तनीषा (37) के साथ दूसरे विकेट के लिए 60 रन और तेजल हसबनीस के साथ तीसरे विकेट के लिए 124 रन जोड़कर टीम को 242 के स्कोर तक पहुंचा दिया। इसके बाद अनुष्का शर्मा ने मोर्चा संभाला। उन्होंने तेजल के साथ चौथे विकेट के लिए 42 रन जुटाए, जबकि सायली सतघारे के साथ सातवें विकेट के लिए 39 रन जोड़कर टीम को विशाल स्कोर तक पहुंचाया।

यास्तिका 84 गेंदों में 2 छक्कों और 16 चौकों के साथ 112 रन बनाकर आउट हुईं, जबकि तेजल और अनुष्का ने 60-60 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। मेहमान खेमे से डार्सी ब्राउन ने सर्वाधिक 3 विकेट हासिल किए, जबकि मिली इलिंगवर्थ ने 2 विकेट निकाले। लिली मिल्स को 1 विकेट हाथ लगा।

इसके जवाब में ऑस्ट्रेलियाई खेमे ने 49.3 ओवरों में जीत दर्ज कर ली। इस टीम को 34 के स्कोर पर निकोल फाल्टम (12) के रूप में शुरुआती झटका लगा, जिसके बाद कप्तान ताहलिया विल्सन ने अनिका लिरोइड के साथ दूसरे विकेट के लिए 44 गेंदों में 76 रन की साझेदारी करते हुए टीम को शतक के पार पहुंचाया।

अनिका ने 29 गेंदों में 2 छक्कों और 9 चौकों के साथ 54 रन की पारी खेली, जिसके बाद ताहलिया ने चार्ली नॉट के साथ तीसरे विकेट के लिए 63 गेंदों में 92 रन जुटाकर टीम को 200 के पार पहुंचा दिया। चार्ली 37 गेंदों में 63 रन बनाकर आउट हुईं। उनकी इस पारी में 3 छक्के और 7 चौके शामिल रहे। वहीं, ताहलिया ने 77 गेंदों में 8 चौकों के साथ 79 रन बनाए।

टेस फ्लिंटॉफ (38) ने एच सिल्वर-होम्स (47) के साथ छठे विकेट के लिए 65 रन जोड़े। भारत की तरफ से मिनु मणि ने सर्वाधिक 3 विकेट चटकाए, जबकि सायली और निकी प्रसाद को 2-2 विकेट हाथ लगे। वैष्णवी शर्मा ने 1 विकेट चटकाया।

व्यक्तिगत इवेंट में मेडल लाने से चूकीं राइजा ढिल्लों और परिनाज धालीवाल



विश्व केसरी ■

नागोया। एशियन गेम्स 2026 में महिला स्कीट टीम स्पर्धा में ब्रॉन्ज मेडल जीतने वालीं भारतीय शूटर राइजा ढिल्लों और परिनाज धालीवाल व्यक्तिगत स्पर्धा में देश के लिए मेडल लाने से चूक गईं।

राइजा चौथे स्थान पर रहीं जबकि परिनाज ने आठवां स्थान हासिल किया। तीन दिनों के क्वालिफिकेशन राउंड के बाद राइजा और परिनाज ने 125 में से 111 शॉट लगाकर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया और क्रमश: आठवें और नौवें स्थान पर रहीं। हालांकि भारतीय जोड़ी फाइनल में कोई खास असर नहीं दिखा पाई और नतीजतन व्यक्तिगत इवेंट से खाली हाथ लौटीं।

टीम इवेंट में परिनाज, राइजा और माहेश्वरी ने क्वालिफिकेशन में कुल 331 का स्कोर किया और पोडियम पर तीसरा स्थान हासिल किया। उनसे आगे चीन की टीम (चे यूफेई, जियान यिटिंग और जियांग चाओयू) रही, जिसने 347 के स्कोर के साथ गोल्ड जीता और कजाकिस्तान की टीम (असेम ओरिनबे, जोया पिस्कुन और एडेल सदाकबायेवा) रही, जिन्होंने 336 के स्कोर के साथ सिल्वर मेडल अपने नाम किया।

इससे पहले, ओलंपियन अनंतजीत सिंह नरुका और मैराज अहमद खान ने भवतेघ सिंह के साथ मिलकर पुरुषों के स्कीट टीम इवेंट में भी ब्रॉन्ज मेडल जीता। भारतीय तिकड़ी ने 346 का स्कोर करके आइची-नागोया में शूटिंग में भारत को सातवां मेडल दिलाया।

भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम को ब्रॉन्ज मेडल से करना पड़ा संतोष, सेमीफाइनल में चीन ने हराया

विश्व केसरी ■

इचिनोमिया सिटी। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम को ब्रॉन्ज मेडल से संतोष करना पड़ा है। सेमीफाइनल मुकाबले में बुधवार को चीन के खिलाफ भारत को 1-3 से हार का सामना करना पड़ा।

इस हार के साथ ही भारत का टूर्नामेंट में सफर समाप्त हो गया। हालांकि, इसके बावजूद भारतीय टीम ब्रॉन्ज मेडल जीतने में सफल रही। यह दूसरा मौका है जब भारत ने एशियन गेम्स में बैडमिंटन में पोडियम पर जगह बनाई है। भारत का पिछला मेडल एशियन गेम्स 2023 में आया था, जहां सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने पुरुष डबल्स में गोल्ड मेडल जीता था।

क्वार्टर फाइनल में मेजबान जापान को हराकर भारत ने सेमीफाइनल में जगह बनाई थी और पुरुष टीम इवेंट में देश के लिए अपना पहला एशियन गेम्स मेडल पक्का किया था। हालांकि, मौजूदा चैंपियन चीन के खिलाफ भारतीय टीम को मजबूत सिंगल्स लाइन-अप और बेहतरीन डबल्स



कॉम्बिनेशन का सामना करना पड़ा।

सेमीफाइनल मुकाबले की शुरुआत की जिम्मेदारी लक्ष्य सेन को सौंपी गई, जिनका सामना पूर्व वर्ल्ड चैंपियन शी युकी से था। मुकाबले में भारतीय खिलाड़ी ने कड़ी टक्कर दी, लेकिन वह मौकों को भुना नहीं पाए और 16-21, 18-21 से हार गए, जिससे चीन को शुरुआती बढ़त मिल गई। इसके बाद सात्विक और चिराग ने भारत की वापसी कराई। मौजूदा एशियन गेम्स पुरुष डबल्स चैंपियन ने लियांग वेइकेन्ग और वांग चांग के खिलाफ अपना दबदबा बनाया और 21-11, 22-20 से जीत हासिल कर मुकाबला बराबरी पर ला दिया।

तीसरे मैच में पलड़ा फिर से चीन की तरफ झुक गया। आयुष शेट्टी को मौजूदा एशियन गेम्स पुरुष सिंगल्स चैंपियन ली शिफेंग की मजबूत चुनौती का सामना करना पड़ा। युवा भारतीय खिलाड़ी ने शुरुआती गेम में कड़ी टक्कर दी, लेकिन ली ने 21-19, 21-13 से जीत हासिल की।चौथे और निर्णायक मुकाबले में एम.आर.अर्जुन और हरिहरन अमसाकरुणन का सामना हे जी टिंग और लियू यी से हुआ। पहला गेम हारने के बाद भारतीय जोड़ी ने वापसी की और मुकाबला एक-एक गेम की बराबरी पर ला दिया, लेकिन निर्णायक गेम में चीनी जोड़ी ने फिर से नियंत्रण हासिल कर लिया और 21-16, 17-21, 21-9 से जीत दर्ज की। चीन की जीत से भारत के फाइनल में पहुंचने की उम्मीदें खत्म हो गईं, लेकिन एशियन गेम्स के इतिहास में पहली बार भारतीय पुरुष टीम ने टीम इवेंट में मेडल जीता।

जय मीणा ने रचा इतिहास, सॉफ्ट टेनिस में भारत को दिलाया पहला ब्रॉन्ज मेडल



विश्व केसरी ■

नागोया। एशियन गेम्स 2026 में जय मीणा ने इतिहास रच दिया है। उन्होने पुरुषों के सॉफ्ट टेनिस में भारत के लिए पहला मेडल जीता है। हालांकि, सेमीफाइनल में उन्हें जापान के ताकुया कुरोसाका से 2-4 से हार का सामना करना पड़ा।

सेमीफाइनल में हार के बावजूद वह ब्रॉन्ज मेडल को अपने नाम करने में सफल रहे हैं। मीणा ने क्वार्टर फाइनल में शेरविन नुगुइट के खिलाफ शानदार वापसी करते हुए एशियन गेम्स में सॉफ्ट टेनिस में भारत का पहला मेडल पक्का किया था। उस मैच में वे आखिरी गेम में पीछे चल रहे थे, लेकिन फिर वापसी करते हुए लगातार चार प्वाइंट जीते और क्वार्टर फाइनल 4-3 से जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनाई, जहां वे कुरोसाका से हार गए और ऐतिहासिक ब्रॉन्ज मेडल के साथ अपना सफर खत्म किया।

सॉफ्ट टेनिस में मीणा का सफर एक दिलचस्प संयोग से शुरू हुआ। शुरुआत में उनकी रुचि क्रिकेट में थी और वे क्रिकेटर बनना चाहते थे। मगर जब उन्होंने देवास के पायनियर पब्लिक स्कूल में दाखिला लिया, तो वहां बने सॉफ्ट टेनिस कोर्ट ने उनका ध्यान खींचा। पहले वे खिलाड़ियों को खेलते हुए देखते थे और बाद में बॉल बॉय के रूप में मदद करने लगे। धीरे-धीरे उनकी दिलचस्पी सॉफ्ट टेनिस में बढ़ी और उन्होंने खुद यह खेल खेलना शुरू कर दिया। स्कूल और जिला स्तर की प्रतियोगिताओं से शुरुआत करने के बाद वे राज्य और राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचे।

भारतीय महिला कबड्डी टीम का शानदार प्रदर्शन जारी, ईरान को 37-23 से हराया

विश्व केसरी ■

नागोया। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय महिला कबड्डी टीम का शानदार प्रदर्शन जारी है। भारतीय टीम ने कड़े मुकाबले में ईरान को 37-23 से हराते हुए टूर्नामेंट की अपनी लगातार दूसरी जीत दर्ज की।

भारत और ईरान के बीच पहले हाफ में खासतौर पर कांटे की टक्कर देखने को मिली। ईरान ने मुकाबले में शुरुआती बढ़त बनाई। 10-6 के स्कोर पर भारतीय टीम ऑलआउट होने की दहलीज पर थी, लेकिन भारतीय खिलाड़ी पूजा ने बेहतरीन रेड करते हुए दो प्वाइंट अर्जित किए। पूजा की यह रेड मैच का टर्निंग प्वाइंट साबित हुई और इसके बाद भारतीय टीम ने जबरदस्त वापसी की।

जल्द ही भारतीय टीम ने स्कोर को 11-11 से बराबर कर दिया। हाफ टाइम का अंत होने तक भारत ने 19-15 की बढ़त बना ली। दूसरे हाफ में भारतीय टीम ईरान के



डिफेंस पर पूरी तरह से हावी नजर आई। हालांकि, ईरान के रेडर ऐनाज जोब्रान की तीन प्वाइंट की सुपर रेड ने टीम को मैच में वापस लाने का काम किया।

दबाव में भारतीय डिफेंस और रेडर्स ने कमाल का संयम दिखाया। भारत ने सुपर टैकल करते हुए मुकाबले में 26-21 की बढ़त बनाई। इसके बाद ईरान के रेडर्स ने एक के बाद एक गलती की, जिसका भरपूर फायदा भारतीय टीम को मिला। प्वाइंट्स के अंतर को कम करने की जल्दबाजी में ईरान के रेडर्स ने भारतीय डिफेंस को तोहफे के तौर पर कई अहम प्वाइंट्स दिए, जिससे भारत की लीड बढ़ती चली गई। यह भारत की लगातार दूसरी जीत है।

इससे पहले, टीम ने बांग्लादेश के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की थी। टीम की ग्रुप ए में अगली भिड़ंत अब जापान से गुरुवार को होगी।

भारतीय टीम टूर्नामेंट में अपने गोल्ड मेडल का बचाव करने उतरी है। एशियन गेम्स 2026 में कुल 8 कबड्डी टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिन्हें दो ग्रुप में बांटा गया है। भारत को ईरान, बांग्लादेश और जापान के साथ रखा गया है। वहीं, ग्रुप बी में श्रीलंका, थाईलैंड, चीनी ताइपे और नेपाल मौजूद है।

बहरीन के मुक्केबाज के खिलाफ 5-0 से जीत, अंकुश पंघाल ने 80 किग्रा क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई

विश्व केसरी ■

आइची। भारतीय बॉक्सर अंकुश पंघाल ने 'एशियन गेम्स 2026' में मेडल जीतने की उम्मीदें बढ़ा दी हैं। अपने पहले एशियन गेम्स में हिस्सा ले रहे अंकुश ने बुधवार को 'राउंड ऑफ 16' में बहरीन के हम्सा वोगेल को 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है।

क्वार्टर फाइनल में भारतीय बॉक्सर का मुकाबला ताजिकिस्तान के नेक्रुज सलिमोव से होगा, जिसमें सेमीफाइनल (अंतिम चार) में जगह बनाने का दांव लगा होगा।

21 वर्षीय बॉक्सर ने 'राउंड ऑफ 32' में ब्रुनेई के वोगेल पर 3-0 से जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की थी, जिसके बाद अगले दौर में वह पूरे आत्मविश्वास के साथ उतरे। उन्होंने एक बार फिर बहरीन के बॉक्सर के खिलाफ मुकाबले की गति को नियंत्रित किया और सटीक कॉम्बिनेशन व नियंत्रित मूवमेंट का इस्तेमाल किया, जिससे जजों के मन में नतीजे को लेकर कोई संदेह नहीं रहा।



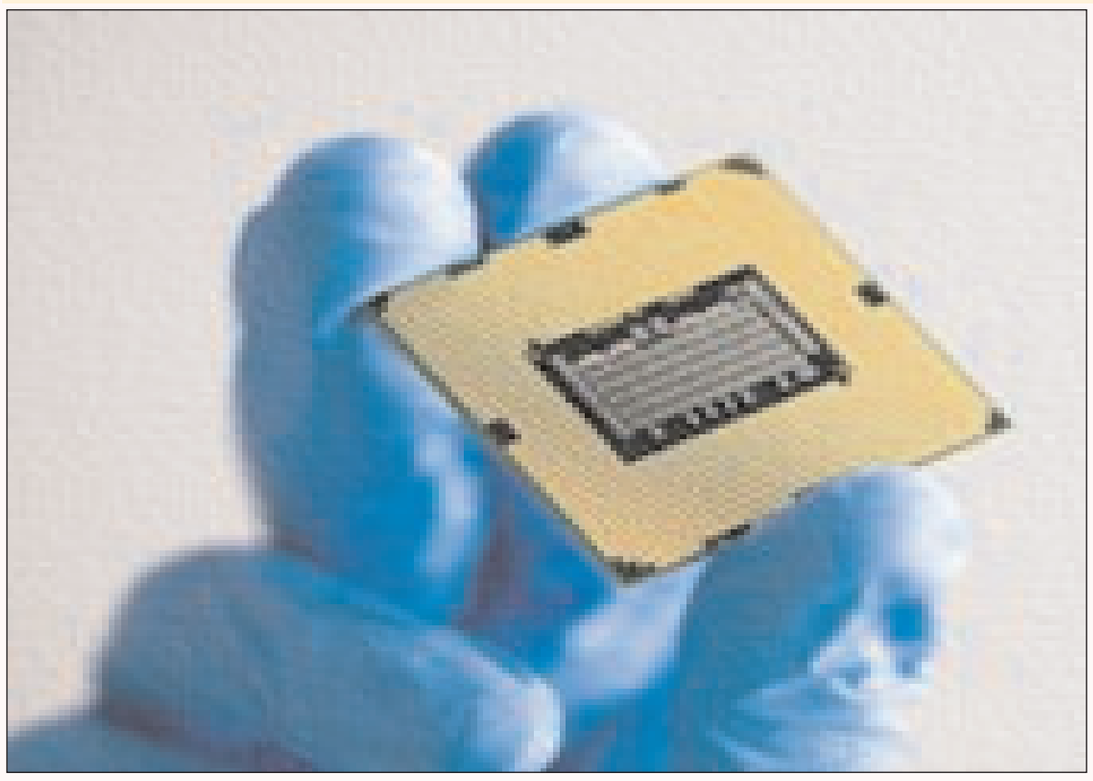
कॉमनवेल्थ गेम्स के गोल्ड मेडलिस्ट पंघाल ने पिछले साल वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फाइनल में सिल्वर मेडल जीता था और अब वे नागोया में मेडल पक्का करने से बस एक जीत दूर हैं।

इससे पहले, पंघाल ने अपने शुरुआती मुकाबले में विरोधी को कभी भी हावी नहीं होने दिया। 'राउंड ऑफ 32' में वोगेल के खिलाफ उन्होंने अपने जैब का प्रभावी ढंग से इस्तेमाल किया। जजों से पहले राउंड में परफेक्ट 10 स्कोर हासिल करने के बाद, पंघाल ने मुकाबले पर अपना नियंत्रण बनाए रखा और आखिरी राउंड में अनुशासित डिफेंस के साथ अपनी बढ़त को सुरक्षित रखा।

यह जीत आइची-नागोया में भारतीय बॉक्सिंग टीम के शानदार शुरुआती प्रदर्शन का हिस्सा थी। अब तक रिंग में उतरे सभी चार भारतीय बॉक्सर्स ने अपने-अपने शुरुआती मुकाबले जीते हैं।

जदुमणि सिंह ने पुरुषों के 55 किग्रा वर्ग में नेपाल के चंद्र बहादुर थापा को 5-0 से मात देकर अगले दौर में जगह बनाई, जबकि साक्षी चौधरी ने महिलाओं के 51 किग्रा वर्ग में फिलीपींस की पेरिस ओलंपियन आइरा विलेगास पर 5-0 से जीत हासिल की।

ग्लोबल इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर हब बनने के लिए भारत को उद्योग स्तर के दृष्टिकोण को अपनाना होगा: एक्सपर्ट्स



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर क्षेत्र को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी इकोसिस्टम में बदलने के लिए पूरे उद्योग स्तर के दृष्टिकोण अपनाना होगा। यह बयान बुधवार को जारी आधिकारिक फैक्टशीट में दिया गया।

सेमीकॉन इंडिया 2026 में उद्योग जगत के जुड़े लीडर्स ने कहा कि इकोसिस्टम के विभिन्न हिस्सों का प्रतिनिधित्व करने वाले अलग-अलग संगठन अंतत: एक ही साझा उद्देश्य की दिशा में काम कर रहे हैं और वह है भारत में वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर क्षेत्र का निर्माण करना।

बयान में कहा गया कि भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर क्षेत्र एक नए चरण में प्रवेश कर रहा है। इसमें बड़े पैमाने पर निवेश आ रहा है, मैन्युफैक्चरिंग क्षमता का विस्तार हो रहा है और वैश्विक कंपनियां भारत में अपनी मौजूदगी बढ़ा रही हैं। इससे यह इकोसिस्टम अभूतपूर्व गति से विकसित हो रहा है।

लीडर्स ने आगे कहा कि विकास के अगले चरण को अकेले किसी एक क्षेत्र के दम पर आगे नहीं बढ़ाया जा सकता। सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग, कंपोनेंट्स, मटेरियल्स, डिजाइन, पैकेजिंग और अंतिम उपयोग वाले एप्लिकेशन तेजी से एक-दूसरे पर निर्भर हो रहे हैं। ऐसे में सफलता केवल तकनीकी क्षमताओं पर ही नहीं, बल्कि उद्योग के विभिन्न हिस्सों के बीच सहयोग पर भी निर्भर करेगी।

चर्चा के दौरान टेक्नोलॉजी के विभिन्न क्षेत्रों के बीच बढ़ते तालमेल को प्रमुख विषय के रूप में सामने रखा गया। उद्योग विशेषज्ञों के हवाले से बयान में कहा गया, 'चिप्स को अलग-थलग रहकर नहीं, बल्कि डिवाइस, उत्पादों और सिस्टम में उनके एकीकरण के जरिए मूल्य मिलता है। फैब्रिकेशन में प्रगति के लिए सहायक मटेरियल और उपकरणों की जरूरत होती है, जबकि मैन्युफैक्चरिंग पैकेजिंग, टेस्टिंग और व्यापक इलेक्ट्रॉनिक्स क्षमताओं पर निर्भर करती है।'

उद्योग की इस आपस में जुड़ी प्रकृति को देखते हुए पूरी वैल्यू चेन में मजबूत संपर्क और अधिक व्यवस्थित सहयोग की जरूरत है। उद्योग जगत के नेताओं ने एक अधिक स्थायी कम्युनिटी मैकेनिज्म बनाने के विचार पर भी चर्चा की। इसका उद्देश्य लगातार संवाद को बढ़ावा देना, विभिन्न संगठनों के बीच समन्वय स्थापित करना और राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर सामूहिक कार्रवाई को आगे बढ़ाना होगा।

विशेषज्ञों ने कहा कि मौजूदा संगठनों को अपनी ताकत के आधार पर एक साझा मंच तैयार करना चाहिए, जहां वे विभिन्न क्षेत्रों और वैल्यू चेन से जुड़े साझा मुद्दों पर मिलकर काम कर सकें।

चर्चा में व्यापक 'सिलिकॉन टू सिस्टम्स' विजन को भी मजबूती मिली। इसके तहत डिजाइन, मैन्युफैक्चरिंग, पैकेजिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स और टेक्नोलॉजी सॉल्यूशंस मिलकर एक मजबूत और अधिक लचीला इकोसिस्टम तैयार करते हैं।

आयुर्वेद दिवस विशेष : केवल चिकित्सा नहीं, संपूर्ण जीवन का शाश्वत विज्ञान है आयुर्वेद



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। प्रतिवर्ष जब 'आयुर्वेद दिवस' का आयोजन होता है, तो यह केवल भारत की प्राचीन धरोहर का स्मरण मात्र नहीं होता बल्कि आधुनिक विश्व में भटकती हुई जीवनशैली को एक नई दिशा देने का वैश्विक आह्वान बन जाता है। आज जब दुनिया अवांछित दुष्प्रभावों और जीवनपर्यंत चलने वाली दवाओं की जकड़न से त्रस्त है, तब समूचा विश्व योग और आयुर्वेद की निरापद छांव की ओर देख रहा है। इसके बावजूद आधुनिक जनमानस के मन में आयुर्वेद को लेकर कुछ संशय, मिथक और जिज्ञासाएं बनी रहती हैं। इसे लेकर आईएएएनएस की हिंदी टीम ने ग्वालियर के राजकीय आयुर्वेद कॉलेज के विभागाध्यक्ष डॉ. केएल शर्मा से बातचीत की।

दरअसल, आयुर्वेद पर अक्सर यह ठप्पा लगा दिया जाता है कि यह एलोपैथी की तुलना में बहुत धीमा उपचार है। इसका जवाब जानने के लिए आईएएनएस की हिंदी टीम ने ग्वालियर के आयुर्वेदाचार्य डॉ. एलके शर्मा से बात की। डॉ. एलके शर्मा ने बताया कि वास्तव में यह धारणा ही वैज्ञानिक रूप से त्रुटिपूर्ण और ऐतिहासिक दृष्टि से प्रायोजित है। ब्रिटिश औपनिवेशिक काल से पूर्व संपूर्ण भारत और विश्व के कई हिस्सों में आयुर्वेद ही स्वास्थ्य संरक्षण और रोगोपचार का मूल आधार था। ब्रिटिश शासन और आधुनिक पेट्रो-केमिकल आधारित फार्मा उद्योग के प्रसार के दौरान यह नैरेटिव गढ़ा गया कि पारंपरिक चिकित्सा पद्धति का असर धीमा है। सच यह है कि एलोपैथी कई बार केवल लक्षणों को दबाने का त्वरित काम करती है, जिसे लोग 'घ्र आराम' समझ लेते हैं। इसके विपरीत, आयुर्वेद रोग के मूल कारक को समाप्त करने पर कार्य करता है।

मानव शरीर कोई निर्जीव मशीन नहीं है जिसका पुर्जा रातोंरात बदल दिया जाए। जब किसी जटिल विकार जैसे मधुमेह, गठिया (आमवात/आर्थराइटिस), दमा (अस्थमा), त्वचा विकार, यकृत (लिवर) या गुर्दे (किडनी) से जुड़े रोगों का उपचार किया जाता है, तो शरीर को पुन: प्राकृतिक संतुलन में लौटने में समय लगता है। आधुनिक चिकित्सा में जहां कई विकारों में आजीवन दवाएं खानी पड़ती हैं और उनके दुष्प्रभावों से नए रोग जन्म लेते हैं, वहीं आयुर्वेद कुछ समय अवश्य ले सकता है लेकिन वह बिना किसी साइड-इफेक्ट के रोग का स्थायी समाधान प्रदान करता है।

जब आईएएनएस ने डॉ शर्मा से पूछा कि क्या आयुर्वेद जटिल रोगों को पूरी तरह खत्म कर सकता है, तो डॉ एलके शर्मा ने बताया कि इसका उत्तर आयुर्वेद की मौलिक कार्यप्रणाली में निहित है। आधुनिक चिकित्सा पद्धति मुख्य रूप से 'सिंगल मॉलिक्यूल' (एकल अणु) आधारित दृष्टिकोण पर काम करती है जबकि आयुर्वेद का आधार 'पंचभौतिक सिद्धांत' (आकाश, वायु, अग्नि, जल और पृथ्वी) है। आयुर्वेद में हर मरीज का इलाज 'व्यक्तिश: यानी पर्शनालाइज्ड' होता है। यहां रोग के साथ-साथ रोगी की प्रकृति, सत्व (मानसिक बल), सात्म्य (अनुकूलता) और शारीरिक शक्ति का सूक्ष्म विश्लेषण किया जाता है।

एशियन डेवलपमेंट बैंक ने भारत की 2026 की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान बढ़ाकर 7 प्रतिशत किया

विश्व केसरी ■



नई दिल्ली। एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) ने 2026 (वित्त वर्ष 2026-27) के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि का अनुमान बढ़ाकर 7.0 प्रतिशत कर दिया है। यह उसके पहले के 6.6 प्रतिशत के अनुमान से 40 आधार अंक अधिक है।

एडीबी ने एक बयान में कहा कि दक्षिण एशिया के लिए इस साल की आर्थिक वृद्धि का अनुमान जुलाई के 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.4 प्रतिशत कर दिया गया है। इसमें भारत के आर्थिक विकास में मजबूत सरकारी निवेश और निर्यात में ठोस वृद्धि की अहम भूमिका है।

हालांकि, रिपोर्ट के अनुसार विकासशील एशिया और प्रशांत क्षेत्र की आर्थिक वृद्धि 2025 के 5.5 प्रतिशत से घटकर इस साल 5 प्रतिशत रह सकती है। इसके बाद 2027 (वित्त वर्ष 2027-28) में यह मामूली बढ़कर 5.1 प्रतिशत हो सकती है।

2026 का यह अनुमान जुलाई में जारी पिछले अनुमान से 0.1 प्रतिशत अंक अधिक है।

एडीबी के अध्यक्ष मासातो कांडा ने कहा, 'क्षेत्र लचीला बना हुआ है, लेकिन जोखिम बढ़ रहे हैं।'

मजबूत हो रहा ला नीना के विपरीत अल नीनो और शुष्क परिस्थितियों के कारण फसल उत्पादन कम हो सकता है और जलविद्युत उत्पादन घट सकता है। इससे खाद्य और ऊर्जा की कीमतें बढ़ सकती हैं और सबसे कमजोर वर्गों पर इसका सबसे अधिक असर पड़ सकता है।

कांडा ने कहा कि लंबे समय से जारी ऊर्जा संकट और वित्तीय बाजारों में फिर से बढ़ते जोखिमों के बीच सरकारों के लिए सबसे अधिक प्रभावित लोगों की सुरक्षा और तैयारी करना और भी महत्वपूर्ण हो गया है। उन्होंने कहा कि एडीबी ऐसे प्रयासों का मजबूती से समर्थन कर रहा है।

एडीबी ने कहा कि मजबूत निवेश, सरकार का प्रोत्साहन और वैश्विक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) निवेश चक्र से बढ़े मजबूत टेक्नोलॉजी निर्यात आर्थिक वृद्धि को समर्थन दे रहे हैं। हालांकि, भू-राजनीतिक तनाव और मजबूत होता अल नीनो ऊर्जा तथा खाद्य कीमतों पर दबाव बढ़ा रहे हैं।

एशियन डेवलपमेंट आउटलुक (एडीओ) सितंबर 2026 में एडीबी ने 2026 के लिए क्षेत्रीय महंगाई का अनुमान जुलाई के 4.3 प्रतिशत से घटाकर 4.2 प्रतिशत कर दिया है। कीमतों को स्थिर करने के उपायों ने लगातार ऊंची ऊर्जा कीमतों के प्रभाव को आंशिक रूप से कम किया है।

एडीओ सितंबर 2026 के अनुसार, क्षेत्र की आर्थिक वृद्धि और महंगाई के परिदृश्य के सामने दो प्रमुख जोखिम हैं।

पहला जोखिम बढ़ता संघर्ष है, विशेष रूप से मध्य पूर्व में संघर्ष के विस्तार और रूस-यूक्रेन युद्ध के तेज होने का। इससे वैश्विक ऊर्जा कीमतें ऊंची और अस्थिर बनी रह सकती हैं तथा इसका असर अन्य जिंसों पर भी पड़ सकता है।

नोएडा : मौसम में बदलाव के साथ बढ़ा डेंगू का प्रकोप, 12 दिन में 85 मरीज मिले, अस्पतालों में अलर्ट जारी

विश्व केसरी ■

नोएडा। मौसम में लगातार हो रहे बदलाव के बीच जिले में एक बार फिर डेंगू का प्रकोप बढ़ता नजर आ रहा है। तापमान में उतार-चढ़ाव और बदलते मौसम के बीच मच्छरों से होने वाली इस बीमारी के मामले तेजी से सामने आ रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार बीते 24 घंटे में डेंगू के छह नए मरीजों की पुष्टि हुई है।



इसके साथ ही पिछले 12 दिनों के दौरान जिले में डेंगू से संक्रमित पाए गए मरीजों की संख्या बढ़कर 85 हो गई है। लगातार सामने आ रहे नए मामलों को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने निगरानी बढ़ा दी है। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक जिले में पिछले करीब दो सप्ताह के दौरान प्रतिदिन औसतन सात नए डेंगू मरीज सामने आए हैं। कम समय में बड़ी संख्या में मरीजों के सामने आने से स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ गई है।

विभाग की ओर से अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। डेंगू के संदिग्ध मरीजों की जांच और उपचार को लेकर भी विशेष निगरानी रखने के लिए कहा गया है। मौसम में बदलाव के साथ डेंगू फैलाने वाले मच्छरों के लिए अनुकूल परिस्थितियां बन सकती हैं। घरों और आसपास जमा साफ पानी में एडीज मच्छर पनपता है, जो डेंगू संक्रमण का प्रमुख वाहक है। ऐसे में स्वास्थ्य विभाग की ओर से लोगों से घरों, सोसायटियों और आसपास के क्षेत्रों में पानी जमा नहीं होने देने की अपील की जा रही है। कूलर, गमले, पुराने टायर, छतों और अन्य ऐसे स्थानों की नियमित जांच करने की सलाह दी गई है, जहां पानी कुछ दिनों तक जमा रह सकता है।

स्वास्थ्य विभाग का जोर इस बात पर भी है कि बुखार, तेज सिरदर्द, शरीर और जोड़ों में दर्द, आंखों के पीछे दर्द, अथवा अत्यधिक कमजोरी जैसे लक्षण दिखाई देने पर लोग लापरवाही न बरतें। चिकित्सकीय सलाह लेकर आवश्यक जांच कराना जरूरी है। बिना डॉक्टर की सलाह के दवाएं लेने से भी बचने की सलाह दी जा रही है। अस्पतालों में बढ़ते मामलों को देखते हुए अलर्ट जारी कर दिया गया है।

शरीर में ऊर्जा का संतुलन बनाए रखती है महाभेद मुद्रा, जानें करने का सही तरीका

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। योग शास्त्रों में शरीर और मन को स्वस्थ रखने के लिए कई तरह की मुद्राओं का अभ्यास करना बताया गया है। योग के इन्हीं आसनों में से शामिल है 'महाभेद मुद्रा', जो योग के उस गहरे और सूक्ष्म आयाम से जोड़ती है, जहां शरीर, प्राण और मन एक बिंदु पर आकर मिलते हैं।

महावेध मुद्रा हठ योग की एक महत्वपूर्ण और उन्नत यौगिक क्रिया है, जिसमें 'महा' का अर्थ महान और 'वेध' का अर्थ भेदना या प्रहार करना होता है। यह मुद्रा शरीर के प्रमुख चक्रों और नाड़ियों को जाग्रत करने में मदद करती है। इसके नियमित अभ्यास से शरीर में ऊर्जा का संतुलन बनाए रखने और एकाग्रता बढ़ाने में मदद मिल सकती है। यह मुद्रा विशेष रूप से योग और ध्यान का अभ्यास करने वाले लोगों के लिए उपयोगी मानी जाती है।

यह मुद्रा शरीर के तीन प्रमुख बंधों, मूलबंध, उड्डियानबंध और जालंधर बंध का समन्वय है, जो कुंडलिनी शक्ति को जागृत कर सुषुम्ना नाड़ी का भेदन करने में सहायक मानी जाती है। हठयोग प्रदीपिका और घेरंड संहिता जैसे प्राचीन ग्रंथों में इस मुद्रा को सिद्धि प्रदान करने वाली और साधक को महासिद्धि की ओर ले जाने वाली बताया गया है।

यह न केवल मानसिक शांति और जीवन ऊर्जा को बढ़ाती है, बल्कि साधक के व्यक्तित्व में एक अलौकिक प्रभाव का संचार करती है। यह मूलाधार चक्र को सक्रिय कर कुंडलिनी शक्ति को जागृत करने में सहायक है।

आयुर्वेद की 'बृहत्त्रयी' : चरक और सुश्रुत संहिता व अष्टांग हृदय' का महत्व, जिनमें छिपा है आयुर्वेद का सार

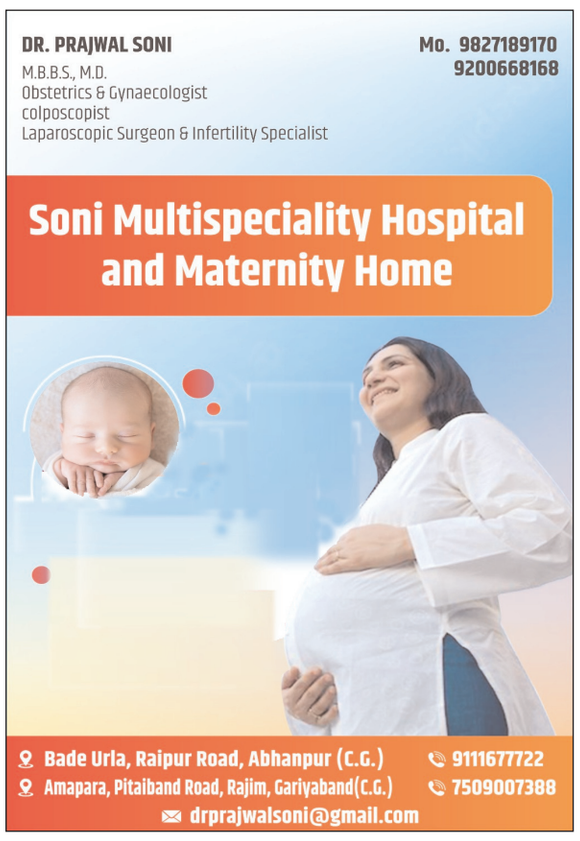
विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। बुधवार को 11वां राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस मनाया जा रहा है। इस अवसर पर आयुर्वेद के मूल आधार - बृहत्त्रयी यानी चरक संहिता, सुश्रुत संहिता और अष्टांग हृदय के बारे में जानना बेहद प्रासंगिक है। आयुर्वेद में इन तीनों ग्रंथों को सबसे प्रामाणिक और सर्वश्रेष्ठ माना गया है।

'चरक संहिता' की रचना की कहानी भी बेहद दिलचस्प है। इसकी शुरुआत महर्षि पुनर्वसु आत्रेय के उपदेशों से हुई, जिन्हें उनके शिष्य अग्निवेश ने 'अग्निवेश तंत्र' के रूप में लिपिबद्ध किया। बाद में आचार्य चरक ने इसी ग्रंथ का संपादन और परिमार्जन किया, जो आगे चलकर 'चरक संहिता' के नाम से प्रसिद्ध हुआ। समय के साथ इस ग्रंथ का कुछ हिस्सा विलुप्त हो गया था, जिसके एक-तिहाई (1/3) भाग को बाद में आचार्य दृढबल ने लिखकर इसे पूर्ण रूप दिया।

आयुर्वेद में कहा गया है कि 'चरकस्तु चिकित्सिते श्रेष्ठ:' यानी चिकित्सा के क्षेत्र में चरक श्रेष्ठ हैं। यह ग्रंथ 8 स्थानों और 120 अध्यायों में बंटा है। इनमें सूत्रस्थान 30, निदानस्थान 8, विमानस्थान 8, शारीरस्थान 8, इन्द्रियस्थान 12, चिकित्सास्थान 30, कल्पस्थान 12 और सिद्धिस्थान 12 अध्याय शामिल हैं।

सूत्रस्थान में स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा और रोगी के रोग निवारण के मूल सिद्धांत हैं। विमानस्थान में दोष-भेषज-देश-काल-बल जैसे भावों का अंशांश विकल्प बताया गया है। शारीरस्थान में सत्व, आत्मा और शरीर का संबंध बताया गया है कि 'शरीरं हि सत्त्वमनुविधीयते सत्त्वं च शरीरम। चरक का प्रसिद्ध सिद्धांत है कि शमन चिकित्सा से दबा रोग फिर लौट सकता है, लेकिन संशोधन यानी पंचकर्म से नष्ट रोग दोबारा नहीं होता, 'जिता संशोधनैर्ये तु न तेषां पुनरुद्भव:। वहीं, 'सुश्रुत संहिता' शल्य चिकित्सा (सर्जरी) का मूल और प्रामाणिक ग्रंथ है। काशीराज दिवोदास धन्वंतरि के उपदेशों को उनके योग्य शिष्य और विश्वामित्र के पुत्र सुश्रुत ने इस ग्रंथ के रूप में संकलित किया था।











चुनाव आयोग पर विपक्ष के आरोप लोकतंत्र को बदनाम करने की साजिश: संबित पात्रा

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. संबित पात्रा ने बुधवार को नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर विपक्षी दलों पर चुनाव आयोग की छवि खराब करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि 2014 में नरेंद्र मोदी सरकार बनने के बाद विपक्षी दल लगातार चुनाव हारते गए और अब संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाकर लोकतंत्र को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं।

संबित पात्रा ने कहा कि आज कई विपक्षी दलों ने चुनाव आयोग (ईसीआई) को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस की, लेकिन वे खुद ही अपने लगाए आरोपों के जाल में फंस गए। उन्होंने कहा कि विपक्ष चुनाव आयोग और केंद्र सरकार को तानाशाही बताने की कोशिश कर रहा है, जबकि चुनाव आयोग पूरी तरह लोकतांत्रिक तरीके से काम कर रहा है। उन्होंने चुनाव आयोग की ओर से जारी प्रेस नोट का हवाला देते हुए कहा कि उसके पहले ही पैराग्राफ में स्पष्ट लिखा गया है कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का फैसला सभी आधिकारिक और लोकतांत्रिक विचार-विमर्श के बाद सर्वसम्मति से लिया गया। तीनों चुनाव आयुक्त इस निर्णय पर एकमत थे और उनके बीच कोई मतभेद नहीं था।

भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि यदि देश के तीनों चुनाव आयुक्त आपस में संवाद और पत्राचार करते हैं, तो यह लोकतंत्र की स्वस्थ परंपरा है। इसमें कुछ भी गलत नहीं है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग सहित भारत की कोई भी संवैधानिक संस्था किसी तानाशाही के अधीन नहीं है, बल्कि संविधान के दायरे में लोकतांत्रिक तरीके से अपने दायित्व निभा रही है।

विपक्ष के वोट चोरी के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए पात्रा ने पश्चिम बंगाल का उदाहरण दिया। उन्होंने दावा किया कि राज्य की जिन 20 विधानसभा सीटों पर सबसे अधिक वोट काटे गए, उनमें 13 सीटों पर तृणमूल कांग्रेस, एक सीट पर कांग्रेस और छह सीटों पर भाजपा विजयी हुई। उन्होंने कहा कि ऐसे में वोट चोरी का आरोप तथ्यों से मेल नहीं खाता।

संबित पात्रा ने कांग्रेस पर भी निशाना साधते हुए 2005 और 2009 की घटनाओं का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि 2005 में सोनिया गांधी ने नवीन चावला को मुख्य चुनाव आयुक्त नियुक्त किए जाने की घोषणा की थी, जबकि वह किसी संवैधानिक पद पर नहीं थीं। पात्रा ने दावा किया कि 2009 में तत्कालीन मुख्य चुनाव आयुक्त एन. गोपालस्वामी ने राष्ट्रपति को पत्र लिखकर नवीन चावला को चुनाव आयोग से हटाने की सिफारिश की थी और उन पर कांग्रेस के लिए काम करने तथा गोपनीय जानकारी साझा करने के आरोप लगाए थे। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि हटाने के बजाय कांग्रेस सरकार ने नवीन चावला को मुख्य चुनाव आयुक्त बनाया और उन्हीं की देखरेख में 2009 का लोकसभा चुनाव कराया गया।

उन्होंने आरोप लगाया कि आज वही कांग्रेस चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठा रही है, जबकि अतीत में उसने चुनाव आयोग को प्रभावित करने की कोशिश की थी।

भारत के आंतरिक मामले में गैरजरूरी टिप्पणी न करे ओआईसी कॉन्टैक्ट ग्रुप: विदेश मंत्रालय

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। भारत ने इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) की जम्मू-कश्मीर को लेकर की गई टिप्पणी को खारिज करते हुए उसे बेबुनियाद और गैरजरूरी करार दिया है। बुधवार को इस पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए विदेश मंत्रालय (एमईए) ने उसे अनुचित और तथ्यों से परे बताया है। इसके साथ ही समूह को सलाह दी कि वो पाकिस्तान को अपनी करतूतों पर लगाम लगाने के लिए प्रेरित करे।

एमईए ने इसे लेकर बयान जारी किया। इसमें कहा, 'भारत, जम्मू-कश्मीर पर तथाकथित ओआईसी कॉन्टैक्ट ग्रुप के संयुक्त बयान में भारत के बारे में की गई गैर-जरूरी और तथ्यों के लिहाज से गलत टिप्पणियों को पूरी तरह से खारिज करता है।'

भारत ने ओआईसी की विश्वसनीयता को लेकर सवाल उठाते हुए कहा, 'ओआईसी के पास उन मामलों पर टिप्पणी करने का कोई अधिकार या आधार नहीं है जो पूरी तरह से भारत का आंतरिक मामला है। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के पूरे केंद्र-शासित प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा हैं, और राजनीतिक मकसद से किए जा रहे दुष्प्रचार को बार-बार दोहराने से यह सच्चाई नहीं बदल सकती। ऐसे मकसद वाले बयानों का बार-बार समर्थन करने से ओआईसी की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल उठते हैं।'

इसके साथ ही भारत ने पाकिस्तान को भी आड़े हाथों लिया। एमईए ने बयान में आगे कहा, 'पाकिस्तान को अपना मनगढ़ंत और गलत मकसद से प्रेरित दुष्प्रचार फैलाने के लिए मंच देने के बजाय, ओआईसी के लिए बेहतर होगा कि वह पाकिस्तान को सलाह दे कि वह आत्म-मंथन करे और अपने नियंत्रण वाले इलाकों से पनप रहे आतंकवाद के लगातार खतरे से निपटे।' मंत्रालय ने कहा कि उस मुल्क का आतंकवाद को समर्थन और प्रयोजित करने का इतिहास पुराना है।

दरअसल, बुधवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के 81वें सत्र के इतर ओआईसी कॉन्टैक्ट ग्रुप की एक बैठक आयोजित की गई, जहां पर इस ग्रुप ने भारत के आंतरिक मामलों को लेकर अनर्गल टिप्पणी की।

गणेश विसर्जन के लिए 6 अस्थायी तालाब तैयार, यमुना में विसर्जन पर रोक: राजेंद्र मीणा

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। गणेश विसर्जन को लेकर शाहदरा जिले में पुलिस ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए हैं। शाहदरा डीसीपी राजेंद्र प्रसाद मीणा ने बताया कि जिले में गणेश मूर्ति विसर्जन के लिए छह अस्थायी तालाब तैयार किए गए हैं। इन तालाबों के आसपास पुलिस बल की तैनाती के साथ-साथ शोभायात्राओं और जुलूसों के दौरान भी सुरक्षा व्यवस्था रहेगी। पुलिस ने लोगों से यमुना में जाकर विसर्जन नहीं करने की अपील की है।

डीसीपी राजेंद्र प्रसाद मीणा ने बताया कि शाहदरा जिले में छह स्थानों पर गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए पोंड तैयार किए गए हैं।

सीमापुरी, जीटीवी एन्क्लेव, नंद नगरी, विवेक विहार, जगतपुरी और गीता कॉलोनी थाना क्षेत्रों में इनका इंतजाम किया गया है। इन तालाबों के आसपास पुलिस की तैनाती की गई है। इसके अलावा गणेश प्रतिमाओं के साथ निकलने वाले जुलूसों के दौरान भी पर्याप्त पुलिस बल मौजूद रहेगा। पीसीआर वाहनों के साथ मोटरसाइकिल पेट्रोलिंग के लिए भी पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। पुलिस यह सुनिश्चित करेगी कि लोग यमुना नदी की ओर जाकर वहां मूर्ति विसर्जन न करें, क्योंकि सरकार की ओर से वहां विसर्जन के लिए जाने की मनाही है।

राजेंद्र प्रसाद मीणा ने बताया कि यमुना किनारे पुलिस बल की तैनाती रहेगी, ताकि लोगों को वहां विसर्जन के लिए जाने से रोका जा सके। साथ ही, किसी भी आकस्मिक घटना की स्थिति से निपटने के लिए संबंधित टीमों को भी सूचित किया गया है।

दिल्ली: यात्रियों की बढ़ती भीड़ के बीच दिल्ली मेट्रो ने बढ़ाईं सेवाएं, अतिरिक्त ट्रेनें और फेरे शुरू

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए अपनी सेवाओं में इजाफा किया है। यात्रियों की आवाजाही को सुचारू बनाने के लिए 16 सितंबर से दिल्ली मेट्रो के पूरे नेटवर्क पर अतिरिक्त ट्रेनें चलाई जा रही हैं और ट्रेनों के फेरे भी बढ़ाए गए हैं।

डीएमआरसी के अनुसार, 16 सितंबर को 8 अतिरिक्त ट्रेनें चलाई गईं और पूरे नेटवर्क पर 20 अतिरिक्त फेरे लगाए गए। इसके अगले दिन 17 सितंबर को भी 8 अतिरिक्त ट्रेनें चलाई गईं, जबकि अतिरिक्त फेरों की संख्या बढ़ाकर 32 कर दी गई।

यात्रियों की बढ़ती मांग को देखते हुए डीएमआरसी ने 18 सितंबर को 8 अतिरिक्त ट्रेनों के साथ 38 अतिरिक्त फेरे संचालित किए। 19 सितंबर को 8 अतिरिक्त ट्रेनें और 50 अतिरिक्त फेरे तथा 20 सितंबर को 8 अतिरिक्त ट्रेनें और 43 अतिरिक्त फेरे चलाए गए।

इसके बाद 21 सितंबर को दिल्ली मेट्रो ने 10 अतिरिक्त ट्रेनें चलाने के साथ 44 अतिरिक्त फेरे लगाए। वहीं, 22 सितंबर को परिचालन की जरूरत के अनुसार 10 अतिरिक्त ट्रेनें और 39 अतिरिक्त फेरे संचालित किए गए।

स्टेशनों पर यात्रियों की भीड़ को संभालने के लिए डीएमआरसी ने 40 से अधिक अतिरिक्त कस्टमर फैसिलिटेशन एजेंट (सीएफए) भी तैनात किए हैं। इसके अलावा, पूरे नेटवर्क पर करीब 17 अतिरिक्त टिकट ऑफिस मशीन यानी टिकट काउंटर चालू किए गए हैं।

तीन साल की लापता बच्ची को 24 घंटे में पुलिस ने ढूंढ निकाला

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। दिल्ली के नॉर्थ-ईस्ट जिले की एंटी-ऑटो थेफ्ट स्क्वाड (एएटीएस/एनईडी) और जाफराबाद पुलिस स्टेशन की संयुक्त टीमों ने 3 वर्ष की लापता एक बच्ची को 24 घंटे के अंदर सुरक्षित ढूंढने और उसे उसके माता-पिता से मिलाने में सफलता हासिल की है।

दरअसल, मंगलवार रात लगभग 10 बजे जाफराबाद पुलिस स्टेशन को 3 वर्ष की एक बच्ची के लापता होने की सूचना मिली। शिकायतकर्ता (लापता बच्ची की मां, जो सुभाष मोहल्ला, चौहान बांगर की रहने वाली हैं) से संपर्क करने पर पता चला कि शाम लगभग 6 बजे वह अपनी सास और बेटी के साथ किराए के मकान के लिए एक फ्लैट देखने गई थीं। शाम लगभग 6:40 बजे कल्याणवाली गली पार करते समय उन्होंने देखा कि बच्ची उनके साथ नहीं थी। उन्होंने तुरंत आसपास के इलाके में बच्ची को खोजने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं मिली।

तत्परता दिखाते हुए वरिष्ठ अधिकारियों की देखरेख में इंस्पेक्टर किरण पाल (एटीओ/पीएस जाफराबाद), इंस्पेक्टर दीपक पांडे (आईसी एएटीएस/एनईडी) और एसआई सुखबीर के नेतृत्व में पुलिस की विशेष टीमों ने गहन तलाशी अभियान शुरू किया। इलाके में सार्वजनिक घोषणाएं की गईं और पुलिसकर्मियों ने आसपास की गलियों और आसपास की जगहों की बारीकी से तलाशी ली। इसके साथ ही, लापता बच्ची की गतिविधियों का पता लगाने के लिए आसपास के सीसीटीवी फुटेज इकट्ठा किए गए और उनका बारीकी से विश्लेषण किया गया।

राजधानी में एसआईआर के लिए विशेष कैंपों का आयोजन

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के विभिन्न जिलों में एसआईआर के तहत विशेष शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों का उद्देश्य पात्र मतदाताओं का अधिक से अधिक पंजीकरण सुनिश्चित करना, मतदाता सूची से जुड़ी जानकारी उपलब्ध कराना तथा नागरिकों को दावे और आपत्तियां दर्ज कराने में आवश्यक सहायता प्रदान करना रहा है।

उत्तर-पूर्वी दिल्ली जिले में कई विधानसभा क्षेत्रों के मतदान केंद्रों पर विशेष कैंप लगाए गए। सीलमपुर विधानसभा क्षेत्र के घोंडा, बाबरपुर, मुस्तफाबाद और करावल नगर में विभिन्न मतदान केंद्रों पर इन शिविरों का आयोजन किया गया।

अधिकारियों के अनुसार, इन विशेष कैंपों के दौरान पात्र मतदाताओं के पंजीकरण को प्राथमिकता दी गई। मतदाताओं को एसआईआर से संबंधित प्रक्रिया की जानकारी देने के साथ-साथ आवश्यक दस्तावेज और दावे-आपत्तियों से जुड़े विषयों में भी सहायता उपलब्ध कराई गई। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि पात्र नागरिक मतदाता सूची से जुड़ी प्रक्रिया में आसानी से भाग ले सकें। घोंडा विधानसभा क्षेत्र में ईआरओ और जिला प्रशासन की टीम ने विभिन्न मतदान केंद्रों पर आयोजित विशेष शिविरों का दौरा किया। इस दौरान अधिकारियों ने कैंपों में की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया और यह देखा कि मतदाताओं को प्रक्रिया के दौरान किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। जिला टीम ने मौके पर मौजूद नागरिकों की समस्याओं और सवालों को भी सुना।

पश्चिमी दिल्ली जिले में आयोजित कैंपों के दौरान नागरिकों की शिकायतों और सवालों पर भी ध्यान दिया गया। अधिकारियों ने लोगों की समस्याओं को सुनकर उनके समाधान का प्रयास किया।इसके साथ ही नागरिकों से सुझाव और प्रतिक्रिया भी प्राप्त की गई, ताकि चुनावी और नागरिक केंद्रित सेवाओं को बेहतर बनाया जा सके।

भारतीय वायु सेना के लिए एंटी-एयरफील्ड ग्लाइड बम बनाने के लिए भारत डायनेमिक्स को मिला 811 करोड़ रुपए का बड़ा कॉन्ट्रैक्ट

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने भारतीय वायुसेना (आईएएफ) की लंबी दूरी से सटीक हमला करने की क्षमता को मजबूत करने के लिए भारत डायनेमिक्स लिमिटेड (बीडीएल) के साथ 810.79 करोड़ रुपए का एक महत्वपूर्ण अनुबंध किया है। इस समझौते के तहत वायुसेना के लिए 160 सैटेलाइट स्मार्ट एंटी-एयरफील्ड वेपन्स (एसएटी-एसएएडब्ल्यू) और संबंधित उपकरणों की खरीद की जाएगी।

रक्षा मंत्रालय के आधिकारिक बयान के अनुसार, यह खरीद 'बाय इंडियन-इंडिजिनसली डिजाइन्ड, डेवलप्ड एंड मैन्युफैक्चर्ड' श्रेणी के अंतर्गत की जा रही है। अनुबंध पर हस्ताक्षर रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की उपस्थिति में हुए।

एसएटी-एसएएडब्ल्यू एक एयर-टू-ग्राउंड प्रिसिजन-गाइडेड ग्लाइड बम है, जिसे जगुआर, हॉक और सुखोई-30 एमकेआई जैसे लड़ाकू विमानों से दागा जा सकता है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह दुश्मन के एयरफील्ड को काफी दूरी से निशाना बनाने में सक्षम है, जिससे लड़ाकू विमान दुश्मन की वायु रक्षा प्रणाली की सीमा में प्रवेश किए बिना हमला कर सकते हैं।

यह प्रणाली रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा स्वदेशी रूप से डिजाइन और विकसित की गई है। मंत्रालय के अनुसार, इसमें लगभग 60 प्रतिशत स्वदेशी सामग्री का उपयोग किया गया है। साथ ही इनिशियल मेजरमेंट यूनिट, लॉन्ग इम्पैक्ट डिले फ्यूज और ट्विन स्टोर कैरियर जैसे उप-प्रणालियों का भी स्वदेशीकरण किया गया है, जिससे रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को और बढ़ावा मिलेगा।

रक्षा मंत्रालय ने बताया कि एसएटी-एसएएडब्ल्यू की आपूर्ति 2027-28 और 2028-29 के दौरान की जाएगी। इसके शामिल होने से भारतीय वायुसेना की परिचालन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी और किसी भी संघर्ष की स्थिति में निर्बाध हवाई अभियान चलाने की क्षमता और मजबूत होगी।

म्यांमार में कथित आतंकी ट्रेनिंग का मामला: 6 यूक्रेनी नागरिकों को कोर्ट से जमानत

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने बुधवार को म्यांमार में सशस्त्र समूहों को कथित तौर पर हथियार और ड्रोन से जुड़ी ट्रेनिंग देने के मामले में गिरफ्तार छह यूक्रेनी नागरिकों को डिफॉल्ट बेल दे दी। प्रत्येक आरोपी को एक लाख रुपए का कैश बॉन्ड भरने का निर्देश दिया गया है। विशेष एनआईए जज प्रशांत शर्मा ने यह आदेश पारित किया।

छह यूक्रेनी नागरिकों की पहचान पेट्रो हुरबा, तारास स्लिवियाक, इवान सुकमानोवस्की, मारियन स्टेफांकिव, मक्सिम होंचरुक और विक्टर कामिंस्की के रूप में हुई है। इन्हें अमेरिकी नागरिक मैथ्यू आरोन वैनडाइक के साथ मार्च 2026 में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने गिरफ्तार किया था।

कोर्ट ने छह यूक्रेनी नागरिकों को इमिग्रेशन एंड फॉरेनर्स एक्ट से जुड़े अपराधों से भी मुक्त कर दिया है। यह कार्रवाई फॉरेनर्स रीजनल रजिस्ट्रेशन ऑफिस (एफआरआरओ) के समक्ष अपराधों के कंपाउंड होने के आधार पर की गई। एफआरआरओ ने प्रत्येक आरोपी पर 5.5 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है।

कोर्ट ने इसी मामले में गिरफ्तार अमेरिकी नागरिक मैथ्यू आरोन वैनडाइक की जमानत की शर्तों में भी बदलाव किया है। वैनडाइक को अब एक लाख रुपए का श्योरिटी बॉन्ड जमा करने से छूट दी गई है और उसे एक लाख रुपए का कैश बॉन्ड भरने पर रिहा किया जाएगा।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415